



1/1281

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49] नई दिल्ली, शनिवार, विसम्बर 6, 1980 (अग्रहायण 15, 1902)
No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 6, 1980 (AGRAHAYANA 15, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न हो जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय
का. एवं प्र० सु० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1980

सं० ए० 19036/4/79 प्रशासन 5—प्रतिनियुक्ति की प्रवधि समाप्त हो जाने पर, श्री एस० के० पन्त, पुलिस उप अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० य०० (पुराव-गोप) की सेवाएं दिनांक 31-10-1980 के अपराह्न में दिल्ली पुलिस को वापस सौंप दी गई।

के० ना० ग्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्थानों)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस इल
नई दिल्ली-110022, दिनांक 9 अक्टूबर 1980
सं० पी० सात० 4/79-स्थापना—राष्ट्रपति, केन्द्रीय पुलिस

दल के निम्नलिखित सूबेदार मेजरों/सूबेदारों को उप पुलिस अधीक्षक के पद पर अस्थायी रूप में अगले आदेश जारी होते तक पदोन्नत करते हैं।

2. उन्होंने अपने पद का कार्यभार बटालियनों/ग्रुप सेंटरों में उनके समक्ष दो हुई तिथियों से संभाल लिया है:—

अधिकारी का नाम	यूनिट का नाम	कार्यभार संभालने की तिथि		
ज	I	2	3	4
1. श्री दिल्लूप मिह	11 बटालियन	5-8-80		
2. श्री शिव नारायण मिह	55 बटालियन	12-8-80		
3. श्री गुरमुख मिह	30 बटालियन	6-8-80		
				अपराह्न
4. श्री सर्वार मिह	44 बटालियन	31-7-80		
5. श्री आर० के० स्वामी	ग्रुप सेंटर नागपुर	16-8-80		
6. श्री एम० ए० शान	01 बटालियन	4-8-80		

1	2	3	4
7.	श्री एम० एल० शर्मा	58 बटालियन	11-8-80
8.	श्री राम किंगन ब्रेदी	36 बटालियन	7-8-80
9.	श्री चन्द्र भान	5 बटालियन	5-8-80
10.	श्री गंगा राम	39 बटालियन	12-8-80 (अपराह्न)
11.	श्री दलबीर सिंह	ग्रुप सेंटर आवाई	20-8-80
12.	श्री जयदयाल मिह	61 बटालियन	5-8-80
13.	श्री इन्द्र मेन मिश्रा	31 बटालियन	5-8-80
14.	श्री मोहर सिंह	54 बटालियन	5-8-80
15.	श्री हरफूत मिह	22 बटालियन	5-8-80
16.	श्री गुरबचन मिह भाजवा	ग्रुप सेंटर नीमच	7-8-80
17.	श्री पंजा लाल गुप्ता	2 बटालियन	5-8-80
18.	श्री किरपाल मिह	47 बटालियन	5-8-80
19.	श्री खजुर मिह	52 बटालियन	31-7-80 (अपराह्न)
20.	श्री स्प लाल शर्मा	3 बटालियन	5-8-80 (अपराह्न)
21.	श्री करनेल मिह	42 बटालियन	6-8-80
22.	श्री राम लखन नाथ	37 बटालियन	8-8-80
23.	श्री एम० एल० ध्रुगल	21 बटालियन	1-8-80 (अपराह्न)
24.	श्री एस० पी० एम० नेही	46 बटालियन	19-8-80
25.	श्री इन्द्रजीत मिह गंडि	27 बटालियन	5-8-80
26.	श्री किरपाल मिह	8 बटालियन	11-8-80 (अपराह्न)
27.	श्री एम० पो० मिह चोमा	39 बटालियन	11-8-80
28.	श्री सी० गोपी	ग्रुप सेंटर भुवने-प्रब्र	8-8-80
29.	श्री नन्द राम यादव	35 बटालियन	7-8-80
30.	श्री बी० रननाम	16 बटालियन	5-8-80
31.	श्री करनेल मिह	16 बटालियन	9-8-80
32.	श्री कुलदीप मिह	53 बटालियन	31-7-80
33.	श्री अन्तर मिह	53 बटालियन	1-8-80
34.	श्री आर० एम० अश्रवाल	01 सिगनल बटालियन	12-8-80 (अपराह्न)
35.	श्री डो० वेकटारामाहे	63 बटालियन	6-8-80 (अपराह्न)

ग० के० सुरी,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजाकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 नवम्बर 1980

मं० 11/37, 80-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, लिपुरा, अगरतला
में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत

श्री डी० के० चौधरी को उसी कार्यालय में तारीख 27 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थं आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री चौधरी का मुख्यालय अगरतला में होगा।

3. उपरोक्त पद पर सदर्थ नियुक्ति श्री चौधरी को सहायक निदेशक गणगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थं तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं दिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर सदर्थ नियुक्ति को नियमित प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 11/37/80-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, आनंद श्रवेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय, में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री ए० चन्द्रशेखर रेडी को उसी कार्यालय में तारीख 26 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से, एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थं आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री रेडी का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री रेडी को सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थं तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं दिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियमित प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 11/37/80-प्रशा०-१—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश, सखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री आर० एम० सिह को उसी कार्यालय में तारीख 29 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थं आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री मिह का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

3. उपरोक्त पद पर सदर्थ नियुक्ति श्री मिह को सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थं तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं

उस घेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/43/80-प्रश्ना०-I—राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेश सरकार के अधिकारी श्री एम० एल० कपूर को हिमाचल प्रदेश, शिमला में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 10 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री कपूर का मुख्यालय शिमला में होगा।

दिनांक 12 अक्टूबर 1980

सं० 11/33/79-प्रश्ना०-I—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सरकार के अधिकारी श्री डॉ. एन० देशपाण्डे को महाराष्ट्र, बम्बई में, जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 27 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री देशपाण्डे का मुख्यालय नागपुर में होगा।

सं० 11/37/80-प्रश्ना-I—राष्ट्रपति, उड़ीसा, कटक में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री पी० के० रौत को उसी कार्यालय में तारीख 27 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री रौत का मुख्यालय कटक में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री रौत को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस घेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/37/80-प्रश्ना-I—राष्ट्रपति, चण्डीगढ़, संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री एम० एल० शर्मा को मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 21 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री शर्मा का मुख्यालय भोपाल में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री शर्मा को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस घेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/37/80-प्रश्ना०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री सुशील सिंह निकेत को बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 21 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री निकेत का मुख्यालय पटना में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री निकेत को सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस घेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

दिनांक 13 नवम्बर 1980

सं० 10/4/80-प्रश्ना-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के श्री आर० एन० तलवार, कंसोल आपरेटर को, जोकि सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं उसी कार्यालय में पदोन्नति पर तारीख 15 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, नियमित आधार पर अस्थाई अवस्था में सहायक निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री तलवार का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० 11/25/80-प्रश्ना०-I—गृह मंत्रालय, पिछड़ा वर्ग आयोग में प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर वापस आगे के परिणामस्वरूप श्री एस० एस० एस० जायसवाल ने जनगणना कार्य निदेशालय, दिल्ली में तारीख 1 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से श्री आर० के० भाटिया के स्थान पर उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर कार्यभार संभाला।

श्री जायसवाल का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

प०० पहलानाम,
भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
नई दिल्ली-2, दिनांक 30 सितम्बर 1980

सं० प्रश्ना० 1/का० आ० 309/5-6/पदोन्नति/79-81/1245—
निदेशक लेखा परीक्षा ने एतद्वारा इस कार्यालय के निम्न-
लिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को 29 सितम्बर,
1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक रु० 840-
1200 तक के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से कार्य करने
के लिए लेखा परीक्षा अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया
है :—

क्रम नाम

सं०

1. श्री आर० सी० जैन
2. श्री पी० डॉ० अग्रवाल ।

दिनांक 4 नवम्बर 1980

सं० प्रश्ना० 1/का० आ० 356/5-6/पदोन्नति/79-81/
1422—निदेशक लेखा परीक्षा ने एतद्वारा इस कार्यालय
के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारी को 30 अक्टूबर,
1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक रु० 840-
1200 तक के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से कार्य करने
के लिए लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया
है :—

क्रमांक नाम

1. श्रो० पा० एस० गंभीर ।

ह० अपठनीय
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
(प्रश्नासन)

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 1 नवम्बर 1980

सं० प्रश्ना० १/सामान्य/आयडी/31-खण्ड-II सी 1(1)/
3895—महालेखाकार, महाराष्ट्र-1 बम्बई अधिनरथ लेखा सेवा
के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट
किए गए दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से
लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक	नाम	दिनांक
1.	श्रीमती एन० एम० चोडणकर	6-10-80 (पूर्वाह्न)
2.	श्री के० जी० दासगुप्ता	23-10-80 (पूर्वाह्न)

एस० आर० मुखर्जी,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार/एम०

कार्यालय महालेखाकार, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 12 नवम्बर 1980

सं० स्थापना/प्र०/7/9-86/खण्ड-II/159--नीचे बताए
अनुभाग अधिकारियों (लेखा और लेखा परीक्षा) को प्रत्येक

के नाम के सामने लिखित तारीख से आगले आदेशों तक
लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न होने हेतु नियुक्त करने
के लिए महालेखाकार, केरल संतुष्ट हुए हैं :—

1. श्री टी० बी० गोपालन (प्रोफोर्मा) 1-11-80
(पूर्वाह्न)

2. श्री के० भास्करन 1-11-80
(पूर्वाह्न)

डॉ० शिवरामकृष्णन,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रश्नासन)

कार्यालय महालेखाकार-1, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-1, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० प्रश्ना० 1/1038-213—महालेखाकार-1, पश्चिम
बंगाल, निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों
को तदर्थ तथा अंतिम तौर पर 1 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्न
या जिस तारीख/तारीखों से वे लेखा-अधिकारी के हैंसियत
से अपना कार्यभार संभालते हैं (इनमें जो आद में हो), आगले
आदेश तक लेखा अधिकारी के अस्थायी तथा स्थानापन्न
पद पर नियुक्त करते हैं :—

सर्वश्री

1. परितोष कुमार मुकर्जी
2. अनिल कुमार मुकर्जी ।

नए प्रोफेशन लेखा अधिकारियों की आपसी वरिष्ठता का
निर्देश यथाकाल दिया जाएगा ।
तैनाती

1. लेखा-अधिकारी के पद पर प्रौद्योगिकी के उपरान्त श्री
परितोष कुमार मुकर्जी, कार्यालय महालेखाकार-1, पश्चिम
बंगाल के पेंशन वर्ग में वर्तमान रिक्ति के महे तैनात किए
जाते हैं ।

2. लेखा अधिकारी के पद पर प्रौद्योगिकी के उपरान्त^{श्री}
अनिल कुमार मुकर्जी लेखा अधिकारी श्री के० बी०
सरकार के 31-10-80 (अपराह्न) से अवसर प्राप्ति के
बजह से हुए रिक्ति के मद्देद कार्यालय महालेखाकार-1,
पश्चिम बंगाल के लेखा वर्ग में तैनात किए जाते हैं ।

सुधा राजागोपालन,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रश्ना०)

दाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 10 नवम्बर 1980

सं० सी० ई० आर०/3/80—सूती वस्त्र (नियन्त्रण) आदेश
1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए
म एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/

3/69 दिनांक 19 सितम्बर 1969 में निश्चिह्नित अति-
रिक्त संशोधन करता हूँ, प्रथमतः—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में—

पैराप्राक एक के उपर्येरा (2) की मद (ए) निश्चिह्नित
प्रकार से प्रतिस्थापित की जाएगी—

(ए) सूत जिसमें कृतिम रेशम, वजन के आधार पर,
60 प्रतिशत से कम न हो।

एम० मदुरै नायगम,
प्रपर वस्त्र आयुक्त,

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं० ए० 32013/5/80-प्रशा० II (क)—राष्ट्रपति, श्री
एस० सी० जैन, सहायक निदेशक घेंड I (प्रोसेसिंग) को
4 अक्टूबर 1980 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर
सेवा केन्द्र, पानीपत में उप निदेशक (प्रोसेसिंग) के पद पर
नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32013/5/80-प्रशा०-II (क)—राष्ट्रपति, वस्त्र
रसायन के वरिष्ठ प्राध्यापक श्री जी० आर० गुरुमूर्ति को
4 अक्टूबर 1980 से आगामी आदेशों तक के लिए भार-
तीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, सेलम में उप निदेशक
(प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० शंकर
संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 नवम्बर 1980

सं० 12/653/70-प्रशा० (राज०)—परिवार कल्याण
विभाग, स्थास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में प्रधान
संपादक के रूप में नियुक्त होने पर श्री जिया लाल साझा
ने दिनांक 27 अक्टूबर, 1980 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त
(लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में निदेशक (सक-
नीकी प्रचार) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महेन्द्र पाल गुप्त
उपनिदेशक (प्रशा०)

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 22 अक्टूबर 1980

सं० ई० II (7)—इस विभाग के 11 जुलाई 1969
की अधिसूचना सं० ई० II (7) के श्रेणी 6 प्रभाग 2 के अधीन
“नावेल शेंड चार्ज” प्रविष्टि के पश्चात् विनिर्दिष्ट स्थलों

पर 30-4-1981 पर्यन्त अभिप्रयोग हेतु “नावेल ट्यूब”
जोड़ा जाए।

सं० ई० II (7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई
1969 की अधिसूचना सं० ई० II (7) में वर्ग 3 प्रभाग
के अधीन डायनेमिटीया-डायनेमिट तथा डायनेमिटी (फिल्मेन्ड
निर्मित) प्रविष्टि के पश्चात् “डायनेमिट III-चेलियम निर्मित”
जोड़ा जाए।

दिनांक 6 नवम्बर 1980

सं० ई०-II (7)—इस विभाग के II जुलाई 1969
की अधिसूचना सं०-II (7) में श्रेणी 2 नाइट्रोज़ मिक्सचर
के अधीन निश्चिह्नित जोड़ दिया जाए :—

- प्रविष्टि “इन्डोकोल-3” के पश्चात् “इन्डोकोल-5
विनिर्दिष्ट स्थलों में अभिप्रयोग हेतु 31-12-1981
पर्यन्त” जोड़ दिया जाए;
- प्रविष्टि “इन्डोकोल-1” के पूर्व “इन्डोबूस्ट विनि-
र्दिष्ट स्थलों में विनिर्माण एवं ध्वेत अभिप्रयोग हेतु
31-12-1981 पर्यन्त” जोड़ दिया जायेः;
- प्रविष्टि “इन्डोजेल 230” के पश्चात् “इन्डोकोल
250 विनिर्दिष्ट स्थलों में विनिर्माण एवं ध्वेत अभि-
प्रयोग हेतु 31-12-1981 पर्यन्त” जोड़ा जाए।

चरणजीत लाल,
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1980

सं० प्र०-6/247 (350)—कलकत्ता निरीक्षण मण्डल
में स्थाई सहायक निरीक्षण अधिकारी (इर्ज०) श्री मुनिता०
कुमार बोस दिनांक 30-9-1980 के अपराह्न से निवर्तमान
आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से नियृत हो गए।

पी० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1980

सं० 3/2/61-एस० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी,
एतद्वारा श्री जे० के० चेल, लेखाकार आकाशवाणी सम्बल-
पुर को 22-10-80 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर प्रशा-
सनिक अधिकारी, आकाशवाणी, जेपोर के पद पर स्थानापन्न
रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० ची० सेषाद्री,
उप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर, 1980

सं० 4(18) 80-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री सोमनाथ सान्धाल को आकाशवाणी कलकत्ता में 23-9-1980 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (24) 80-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एन० के० आचार्य को आकाशवाणी सुरक्षण में 29-8-1980 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(33) 80-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती गीता मरकम को आकाशवाणी जगदलपुर में 6-9-1980 (प्रपराह्न) से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(44) 80-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बी० डी० मजूमदार को आकाशवाणी पण्डी में 22-10-1980 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(49) 80-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बी० राजा राव को आकाशवाणी जग्मुर (उडीसा) में 1-10-1980 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(51) 80-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री आर० बी० मिर्धा को आकाशवाणी चूर्ची में 5-9-1980 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(52) 80-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पी० के० रेना को रेडियो कश्मीर, श्रीनगर में 27-8-1980 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(68) 80-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री डी० पी० राव को आकाशवाणी जगदलपुर में 6-10-1980 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (84) 80-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री डी० यू० बंदसोदे को आकाशवाणी जलगांव में 1-9-1980 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 10/2/80 एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एस० के० राजागोपालन वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, आकाशवाणी को आकाशवाणी के सहायक अधिकारी के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं और उन्हें 8-10-80

के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अनुसंधान अभियंता, आकाशवाणी, नई दिल्ली के कार्यालय में सैनात करते हैं।

एस० सी० जयाल,
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1980

सं० ए० 39012/90/78-के० स्वा० से०-I—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 के नियम 5 के उप नियम (1) के अनुसरण में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक एतद्वारा केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) डा० (श्रीमती) वीना राय (विवाह पूर्व धापर) को यह नोटिस देते हैं कि भारत में इस आदेश के छपने की तारीख के एक माह की अवधि समाप्त हो जाने पर उनकी सेवाएं समाप्त समझी जाएंगी। 21 अप्रैल 1978 से उनकी सेवाएं समाप्त होने की तारीख तक उनकी अनधिकृत अनुपस्थिति की बाकी वर्षों अवधि को 'आकार्य दिन' समझा जाएगा और इस अवधि के लिए वह बेतन भस्ता आदि पांचि की हकदार नहीं होगी।

जोगिंद्र सिंह,
उप निदेशक प्रशासन
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1980

सं० ए० 38012/4/79 (एच० क्यू०) प्रशासन-I—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली के सहायक अधिकारी नियंत्रक (भारत) डा० बी० ए० मोगे 29 फरवरी, 1980 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1980

सं० ए० 19012/4/80-स्टोर-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ए० के० सेन गुप्त को 10 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा भृष्टार छिप, कलकत्ता में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल,
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए० 19019/29/79 के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० शाम बालाजी सोटे को केन्द्रीय

सरकार स्वास्थ्य योजना में 21-10-1980 पूर्वाह्नि से अस्थाई आवारं पर आधारेडिक फिजियित के पद पर नियुक्त किया है।

क० एन० भाटिया,
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुर्वे निर्माण मंत्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरोदाबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए० 19027/1/80-प्र०-III—श्री पी० बाई० शिरके को विषयन और निरीक्षण निदेशालय के अधीन नागपुर में तारीख 9-10-1980 से तीन वर्षों की अवधि के लिए मामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर स्थानापन्न सम्पादक (विषयन पत्रिका) के स्पष्ट में नियुक्त किया जाता है।

बी० एल० मनिहार
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विषयन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग,

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरी रीग प्रभाग
बम्बई-5, दिनांक 31 अक्टूबर, 1980

सं० विप्राप्त्र/3 (40)/76-प्रशासन/4426—निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरी रीग प्रभाग, बम्बई एटड्वारा इस प्रभाग के एक स्थायित्व सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री के० बिं० मेधू को 18, सितम्बर 1980 के पूर्वाह्नि से अक्टूबर 21, 1980 के अपराह्न तक की अवधि के लिए उसी प्रभाग में सुरक्षा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं, यह नियुक्ति सुरक्षा अधिकारी श्री एम० एम० मेधू के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर चले गए हैं।

ब० बी० धते,
प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन
अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 28 अक्टूबर 1980

सं० इस्ट/ए० सी०/221/80—नियंत्रक ने प्रसन्नता-पूर्वक श्री के० जी० सोमानी को अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र/भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन/अन्तरिक्ष विभाग में 6 अक्टूबर 1980 के पूर्वाह्नि से सहायक लेखाधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सी० आर० शाह,
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1980

सं० ए० 32013/17/78-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित अधिकारियों की विभान थेट्र अधिकारी के ग्रेड में तदर्थे नियुक्तियों को दिनांक 24-9-80 तक जारी रखने की अनुरी दी है।

क्रम संख्या	नाम	स्थेशन
1.	श्री कविराज सिंह,	ए० एस० ओ० (ए० टी० सी०) मुख्यालय,
2.	श्री जे० एस० आर० के० शर्मा	मद्रास
3.	श्री अमीर चंद	ग्वालियर
4.	श्री एच० डी० लाल	भोपाल
5.	श्री जी० बी० बंसल	राजकोट
6.	श्री एम० एस० गोसाई	पालम
7.	श्री सी० एन० एस० मूर्ति	मद्रास
8.	श्री ए० एन० मायुर	खुम्बीआम
9.	श्री पी० के० खस्ता	इवौर
10.	श्री पी० बी० दसदानी	ए० ओ० (पी०) मुख्यालय
11.	श्री के० पी० एस० नायर	मद्रास
12.	श्री ए० के० शा	उत्तरी लखिमपुर
13.	श्री एस० जे० सिंह	पालम
14.	श्री एस० के० बोहरा	सान्ताक्रज,
15.	श्री विनोद कुमार यादव	साताक्रज
16.	श्री दलजीत सिंह आत्रय	पालम
17.	श्री डी० डी० वथू	श्रीनगर
18.	श्री के० के० मल्होदा	दबदम
19.	श्री ची० एस० करस्ती	ल्है
20.	श्री ए० टी० रिक्षाई	मद्रास
21.	श्री राजेन्द्र पाल सिंह	बम्बई एयरपोर्ट
22.	श्री प्रलुब आनन्द	तिरुपति
23.	श्री सी० एम० कोथायत्	बम्बई
24.	श्री पी० एन० भास्कर	भाबनगर
25.	श्री एच० सी० मलिक	अमृतसर
26.	श्री एच० आर० जसेशी	बम्बई
27.	श्री एस० सी० हुरिया	बेगमपट

सुधाकर गुप्त
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1980

सं० ए० 32014/1/80-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री डी० एस० धुमे, भंडार सहायक को 9 अक्टूबर, 1980 पूर्वाह्नि से उमस की अवधि के लिए क्षेत्रीय निदेशक कलकत्ता थेट्र, कलकत्ता के कार्यालय में तदर्थे

आधार पर भंडार अधिकारी (समूह "ख" पद) के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 12 नवम्बर 1980

सं० ए० 38015/3/80-ई० सी०—क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री टी० आर० शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी (ग्रुप "ख" पद) ने निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने के परिणाम स्वरूप 31 अक्टूबर, 1980 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० ए० 32013/6/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित चार सहायक संचार अधिकारियों को जो फिलहाल तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं, दिनांक 22-7-80 (पूर्वाह्न) से संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री एन० मुनिशंखी	क्षेत्रीय नियंत्रक संचार का कार्यालय, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास
2.	श्री टी० सी० एस० मूसद	नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास
3.	श्री एस० एल० मेहरा	नियंत्रक संचार का कार्यालय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
4.	श्री बी० एन० गिल	क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयर पोर्ट, नई दिल्ली का कार्यालय

सं० ए० 320/14/3/79-ई० सी० पाठ IV—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और दिए स्टेशन पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

क्रम सं०	वर्षमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य करने की स्थान	ग्रहण की तारीख
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1. ओ० पी० चड्हा	वै० सं० स्टे- शन, पालम	वै० सं० स्टे- शन, पालम,	(पूर्वाह्न)	8-9-80
2. एस० पी० श्री- वास्तव	नागर वि- मानन प्रशि- क्षण केन्द्र, इलाहाबाद	नागर वि- मानन प्रशि- क्षण केन्द्र, इलाहाबाद	(पूर्वाह्न)	9-9-80
3. बी० के० मुखर्जी	वै० सं० स्टे० गोहाटी	वै० सं० स्टे० गोहाटी	पूर्वाह्न	19-9-80

1	2	3	4	5
4. श्री इन्द्रजीत सिंह	ना० वि० प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	ना० वि० प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	(पूर्वाह्न)	9-9-80

सं० ए० 32014/3/79-ई० सी० (पाठ-IV)—महानिरीक्षक नागर विमानन के निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है।

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य करने की तारीख
1	2	3	4	5

सर्वश्री	1. जे० सान्ध्याल	वै० सं० स्टेशन,	वै० सं० स्टेशन,	18-9-80 (पूर्वाह्न)
	2. एच० एल० वावला	रेडियो निर्माण एकक, नई दिल्ली	स्टेशन, नागपुर	25-9-80 (पूर्वाह्न)
	3. के० के० छपूनानी	रेंजिंग स्टेशन, एकक मई दिल्ली	सेंट्रल स्टेशन, नागपुर	26-9-80 (पूर्वाह्न)
	4. एम० के० साथयथा	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	3-10-80 (पूर्वाह्न)
	4. एस० पी० चौधरी	वै० सं० स्टेशन, अग्ररताला	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	22-9-80 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 38013/1/80-ई० सी०—नियन्त्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय के श्री एन० एन० एस० मनी, संचार अधिकारी ने निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31-7-80 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है। (इस विभाग की दिनांक 29-8-80 की अधिसूचना सं० ए० 38013/1/80-ई० सी० की मद संख्या 3 एतद्वारा रद्द की जाती है।)

प्रार० एन० वास,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1980

की समाप्ति पर 28 सितम्बर, 1980 के अपराह्न से अपने काम
से त्यागपत्र दे दिया ।

एच० एल० मल्होत्रा,
उप निदेशक (प्रशान्त),
कृते महानिदेशक ।

सं० 1/463/80-स्था०—अ० उ० भू० केम्ब्र, लछीवाला,
बेहराहन के सहायक अभियंता श्री जय भगवान शर्मा ने उन्हें
26-9-80 से 28-9-80 तक 3 दिनों की मंजूरी अर्जित छुट्टी

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन धोन्न, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

सं० एच० 36/अर्जनः—यतः मुझे, अमर सिंह विसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या भवनदुकानातमय जमीन है तथा जो आलम
गिरिंग बरेली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 14 मई, 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सिवनारायणसिंधल कर्ता व अटारनी हिं० आ०
परि० श्रीमती सावित्रीदेवी, शारदा देवी, रानीदेवी
कुमारी शोभा, कैलाशनारायण प्रकाशनारायण
व श्रीमती रम्पा देवी।

(अन्तरक)

2. श्री हरीश्वरम जगदीश सरन, शतीशकुमार सिंह-
नारायण सिंधल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

भवन मय दुकानात आदि व मय भूमि के जोशिवाजीमार्ग
मोहल्ला आलमगिरि गंज बरेली शहर में स्थित का आधारभाग
तथा वह तमाम अधल सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37
जी० संख्या 2828 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब
रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 14-5-80 को किया
जा चुका है।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ।

दिनांक: 4 अक्टूबर 1980

मोहर:

पूरक आई० टी० एन० एस०

1. श्री रघुनाथ सिंह ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री हाजीकिसवरामली, बाबूहसन, मोहम्मद उस्मान
मोहम्मद सलीम, मोहम्मद शफी मोहम्मद नहम।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

3. रघुनाथ सिंह विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

सं० एच-३७/अर्जन:-—अतः मुझे, अमर सिंह विसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2.11 भूमिका आधा भाग है तथा जो
मोजा सिहोरा गोविन्द मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावश्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 मार्च
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के दीर्घ ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

ममृत्सूची

1/2 भाग मिनजुमला आराजी रकबई 2.11 छिस्मिल
वाके मोजा सिहोरा गोविन्द सरकिल-3 तहसील व परगना
मुरादाबाद तथा वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडोल और फारम
37 जो संख्या 1201 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-
रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 27-3-1980
को किया जा चुका है।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ।

दिनांक : 4 अक्टूबर, 1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्ता:—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

1. श्री बुजेन्द्र कुमार।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमवती देवी।

(अन्तरिती)

3. क्रेता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ('निरीक्षण')
अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

सं० पी०-८२/अर्जन:—आय: मुझे, अमर सिंह बिसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी लैण्ड संख्या 797 है तथा जो हस्तानी नैनीताल
में स्थित है (और इससे उपाबूझ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्वानी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 24 मई, 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिफल से, एसे हस्यमान प्रतिफल का
पन्छ ह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरीरीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या;

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कौई भी काक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हुवारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लीज होल्ड नं० 797 पर बना मकान नं० 11-24 स्थित
जेल रोड हीरानगर हल्वानी नैनीताल व वह तमाम अचल
सम्पत्ति जो सेलडोड और कार्म 37 जी संख्या 1003 वर्ष
1980 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रंजिस्ट्रार हल्वानी
के कार्यालय में दिनांक 24-5-1980 को किया जा चुका
है।

दिनांक: 4 अक्टूबर 1980

मोहरः

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ।

प्रसूप आई. टी. एन्ड एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अक्टूबर 1980

सं० आर०-150/अर्जनः—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
दृश्यके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० भवन मयदुकानात व जर्मीन है तथा जो
मोहल्ला आलमगिरि गन्ज बरेली में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारों के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14 मई,
1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1),
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शिवनारायण सिंघल कर्ता मुख्तार आम हिं
आ० प० कैलाश नारायण, प्रकाश नां० राजेशनारायण।
सावित्री देवी, शारदा देवी, रानीदेवी, रम्पा
देवी, शोभा रानी

(अन्तरक)

2. श्री रम्मन लाल साहब खण्डेलवाल, लक्ष्मी देवी खण्डेलवाल
सिवनारायणसिंह सिंघल।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भवन मय जमीन व दुकानात वगैरह जो शिवाजी मार्ग
मोहल्ला आलमगिरि शहर बरेली का आधा भाग तथा
वह तमाम अचल सम्पत्ति जो फार्म 37-जी संख्या 2827
और सेलडीड में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार
बरेली के कार्यालय में दिनांक 14-5-1980 को किया जा
चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

दिनांक : 4 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 7 अक्टूबर 1980

सं. एस-194/अर्जन :—प्रतः मुझ अमर सिंह विसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 221 है तथा जो किंजियारा सीतापुर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रेणीमें में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीतापुर
में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 26 मार्च, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

1. श्री सैयद वाकर हृसैन।

(अन्तरक)

2. श्री सैयद ग्रली नकी।

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त क्रेता।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृत-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अटः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

मकान नं. 321 भव इमारत व जमीन स्थित मोहल्ला
किंजियारा सीतापुर व वहतमाम सम्पत्ति जो सेलडीड और
फार्म 37-जी में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार
सीतापुर के कार्यालय में दिनांक 26-3-1980 को किया जा
चुका है।

अमर सिंह विसेन,
मकान अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

दिनांक : 7 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०---

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

सं० एन०-32/अर्जन:—अतः, मुझे, अमर सिंह विसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 85 है तथा जो तुलसी पुर देहात अमानत वाराणसी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अक्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित रद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अनुरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री राजेंद्र कुमार।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मला देवी।

(अन्तरिती)

3. श्रीमती निर्मला देवी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भमि का एलाट रकबा 205 वर्गमीटर वाके मिं० नं० 85 जो नक्शाभून्सलिफा वसीका हाजा में वर्गांलाल तिरछों लकीरो से जाहिर किया गया है वाके मोजा तुलसीपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी तथा वह तमाम अचल समानि जो सेलडीड तथा फार्म 37 जी संख्या 2376 में वर्णित है जिनका पंजीकरण मुल्य उप निबन्धन वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 4-3-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह विसेन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ।

दिनांक : 15 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राईटी एन० एव०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 57, राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

सं० वी०-४८/अर्जन:—आतः, मुझे, अमर सिंह विसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाय है); की धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० 85, 86, 287 है तथा जो तुलसी पुर, देहात अमानत वाराणसी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठाल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठाल से; ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिली (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कर्ता करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अमन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी बाजार चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरमें, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री राजीव कुमार।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश्वर कुमार सिंह, अरुण कुमार, अशोक कुमार, उपेन्द्र कुमार, विजय कुमार सिंह।

(अतिरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों द्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्कालीन अवित्यों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्राप्ति द्वारा अन्य अवित्यों से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्यों द्वारा, अबोद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वावरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला भूमि प्लाट रकमा 406 वर्गमीटर वाका नं० मि० नं० 85, 86 व 287 जो नक्शामुन्सिका वसाका हासा में रंग लाल तिरछी लकड़ीों से जाहिर किया गया है वाका मोजा तुलसीपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी तथा वह सारी अचल सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37 जो संख्या 2374 में वर्णित है जिनका पंजीकरण मुख्य उप निवान्धक वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 4-3-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह विसेन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 15 अक्टूबर, 1980
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एम० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन क्षेत्र, लखनऊ
 लखनऊ, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

सं० बी०-४९/अर्जन:—अतः मुझे, अमर सिंह विसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी प्लाट 286, 287 है तथा जो तुलसी पुर देहात आनंद वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त प्रमाणण सिद्धि में बास्तविक रूप से कष्टित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रमुखरक के दायित्व में कमी करने] या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26८-ग के प्रनुसरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम को धारा 26९-ष की उपक्षारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्दत ।—
 3—356GT/80

1. श्री प्रमोद कुमार ।
(अन्तरक)
2. श्री विजयकुमार सिंह अरुण कुमार सिंह अशोक कुमार उमेन्द्र कुमार विजयकुमार सिंह आदि
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट भूमि रकवा 605 वर्ग मीटर वाके सं० जुज नं० 286 व जज सं० 287 पर वाके हैं और वरगलाल तिरछी लकोरों से नक्शामुन्त्विका वसाका हाजा में जाहिर है वाके मोजा तुलसी पुर परगना देहात ग्रामानन्द जिला वाराणसी व वह तमाम अचल सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37 जी संख्या 2375 में वर्णित है जिनका पंजीकरण मुख्य उपनिवन्धक वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 4-3-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ,

दिनांक : 15 अक्टूबर, 1980
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

सं० पी०-४३/अर्जन:—अतः, मुझे, अमर मिह विमेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन नज़र गयी गयी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी मंज्या 29/7 है तथा जो गाना प्रताप मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों से, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रेम कुमारी।

(अन्तरक)

2. श्री पुष्पारस्तोगी मास्टर संजय प्रसाद मास्टर असीम रस्तोगी।

(अन्तरिक्षी)

3. स्वयं।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करसा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापे।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसन्नाई अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अस्थ अविक्षय द्वारा अबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 29/7 (पुराना नं० 16) मध्य भूमि क्षेत्रफल 15989 वर्गफुट वाके राना प्रताप मार्ग लखनऊ वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37 जो संख्या 1416 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 14 मार्च 1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 15 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०————

आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अक्टूबर, 1980

1. श्रीमती प्रेम कुमारी ।

(अन्तरक)

2. श्री कल्लू प्रसाद गुप्ता ।

(अन्तर्गती)

3. स्वयं

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अर्थ व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपूर्णकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पात:—

अनुसूची

एक किता खुला भूमि का प्लाट क्षेत्रफल 4540 वर्ग फुट वाके 29/7 (पुराना नं 16) राना प्रताप मार्ग लखनऊ वह सारी सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37 जो संख्या 1444 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 14 मार्च, 1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ।

दिनांक : 15 अक्टूबर 1980
मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस.—

1. श्रीमती प्रेम कुमारी।

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सर्जु प्रसाद गुप्ता।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

3 स्वयं

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

सं० एस०-195/अर्जन:—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या 29/7 (पुराना 16) है तथा जो राना प्रताप मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 मार्च, 1980 को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित गंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दूदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसवरी

अचल सम्पत्ति संख्या 29/7 (पुराना नं० 16) में भूमि का एक प्लाट क्षेत्रफल 5840 वर्ग फुट वाले राना प्रताप मार्ग लखनऊ व वह तमाम अचल सम्पत्ति जो भेलडीड एवं फार्म 37 जो संख्या 1446 में वर्णित है जिनका वंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 18-3-1980 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ।

दिनांक : 15 अक्टूबर 1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

प्राप्त आई० टी० एव० एस०-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 अक्टूबर, 1980

सं० एल० 32/प्रज्ञन :—अतः मुझे, अमर सिंह विसेन आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के पश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु० सं प्राप्तिक है

और जिसकी संख्या 106/32 है तथा जो नगर बाग, लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 अप्रैल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति के लिए भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) प्रफुल चन्द्र बनर्जी (2) सुधील चन्द्र बनर्जी
(3) बिमल चन्द्र बनर्जी (4) अनुपम चन्द्र बनर्जी
(5) अनुल चन्द्र बनर्जी [स्वयं व (1) से (4)
के रूप अटारनी के रूप में] (6) राबिन चन्द्र
बनर्जी (7) श्रीमती छाया देवी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीला वन्ती।

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरमध्ये व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अंद्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख सबदों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अन्याय 203 में परिवारित है, वही पर्याप्त होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला दो मंजिला पक्का मकान नं० 106/32 वाके मोहल्ला नगर बाग लखनऊ मध्य इमारत और संलग्न भूमि के क्षेत्रफल 1800 वर्क फुट तथा वह तमाम अचल सम्पत्ति जो फार्म 37 जी संख्या 1986/80 एवं सेलडाइ में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 2 अप्रैल, 1980 को हो चुका है।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज, लखनऊ।

दिनांक : 21 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के भवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धोन, 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

निदेश नं० जी-5/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के भवीत सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या सी-27/253 आराजी नं० 184, 185 व 186 है तथा जो मौजा हबीबपुरा जगतगंज वाराणसी में स्थित है (श्री इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अतीत दिनांक 4-3-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रथीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी हिसी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्राप्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवितयों, अर्थात् :—

(1) श्री गंगाहर नारायण अप्रवाल
श्री नरेश नारायण अप्रवाल
गंधीगृह निमाण सहकारी समिति लि०,
वारासणी द्वारा ।

(अन्तरक)

(2) लक्ष्मी प्रसाद राय (अध्यक्ष)
उपरोक्त विशेषागण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी-27/253 मय भूमि आराजी नं० 184, 185/186 क्षेत्रफल 4795.69 वर्गमीटर वाके मोजा हबीबपुरा (जगतगंज) वाराणसी व वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडीज व फार्म 37जी संख्या 2399 में वर्णित है जिनका पंजीकरण संयुक्त उपनिवन्धक वाराणसी (उ० प्र०) द्वारा दिनांक 4-3-1980 को किया जा चुका है।

अमरसिंह बिसेन
सक्षम प्रधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 29 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० ८०० एस०----

(1) श्री हरिहर नाथ भारेश।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

निदेश नं० पी-84/अर्जन —अतः मुझे, अमरसिंह विसेन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सभीम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 40 है तथा जो (म्युनिसिपल नं० 131/30 व 131-ए के सरबाग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-3-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(2) श्रीमती पदमावती नाहला

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताशी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्युम्भी

मकान नं० 40 (म्युनिसिपल नं० 131/30 व 31-ए) का भाग मय जमीन क्षेत्रफल 3324 वर्गफीट स्थित केसरबाग लखनऊ व वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37जी संख्या 1916 में वर्णित है जिनका पंजीकरण मब रजिस्टर लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 28-3-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 29 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्ररूप आई^१. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

निदेश नं० आई-13/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 40 आराजी नं० 131/30 एवं 31-ए है तथा जो में स्थित है (ओर इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-4-80

का प्रवर्कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये द्वं विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित भौं वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृ^२ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क्रायिन्ड में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था शिपारे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा 1/(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

(1) श्री हरिहरनाथ भार्गवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री ईश्वर दास नाराला ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (उपरोक्त)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मकान नं० 40 (मूलिकियन नं० 131/30 व 31-ए) का भाग मय जमीन क्षेत्रफल 1200 वर्ग फिट स्थित केसरबाग लखनऊ व वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडी एवं फार्म 37-जी संख्या 1915 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 2-4-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 29 अक्टूबर 1980

मोहर

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती ऐनी कपूर।
(अन्तरक)
(2) श्रीमती शोला मैगन।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, 57 राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 अक्टूबर 1980

निदेश नं० एस-196/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5/122 है तथा जो फैजाबाद रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-3-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

एक दो मंजिला मकान वाके नं० 5/122, शीला कुटीर, फैजाबाद रोड, लखनऊ जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रेशन अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 17-3-1980 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-356GI/80

दिनांक : 30 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I पृच्छाक विकास भवन आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस० आर० II/380/

1144—आतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि 20 बीघा 4 विश्वास है तथा जो गांव डेरामन्डी तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से इई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन करवेने के अन्तरक के दायित्व मेंकभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामग्रियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण

र अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के

‘लिखित व्यक्तियों अर्थात्’:—

(1) श्री पूलसिंह बिश्वास और जयमन्द पुत्र इकराम गांव डेरामन्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती नरिन्द्र विक्का पत्नी एस० तारा मिह विक्का निवासी बी-2/202 सफदरजंग इन्कलेव, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जाये करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिभूमि 20 बीघा 4 विश्वास एस० नं० 43 किल्ला नं० 16/2 (1-14) 25/2 (2-8) 24(4-16) एस० नं० 52 किल्ला नं० 4 (4-1), 5(4-16) 8 (2-6), एस० नं० 43 किल्ला नं० (0-3) गांव डेरा मन्डी तहसील महरौली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज I एच ब्लाक विकास भवन आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002 दिनांक 12 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्ट०/I/एस०आर०III/3-80/
1157—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिस की सं० 52/50 है तथा जो डब्ल्यू ई० ए० करोलबाग
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मार्च 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कुलशीप सिंह, डी० जे० एस०
कर्मशियल जज तीस हजारी कोर्ट देल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री कुन्दन लाल कालरा पुत्र जे० आर० कालरा
निवासी 52/50 डब्ल्यू ई० ए० करोलबाग नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची।

प्राप्टी नं० 52/50 डब्ल्यू ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली
252 वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज I नई दिल्ली-110002।

दिनांक : 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज I एच० डलाक विकास भवन आई० पी० ऐस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर० III/3-80/

1160—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिस की संख्या बी०/117 है तथा जो मालवीय नगर नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक भार्थ 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के दृष्टि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; औरथा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरला वैद बी०-117 मालवीया नगर
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल और किशन लाल 5 ओलड मार्किट
मालवीय नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
मर्यादा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० बी०-117 मालवीया नगर नई दिल्ली 2600
वर्ग फुट।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

दिनांक : 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की

धारा २६९-घ (१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१ एच० ब्लाक विकास भवन, आई० पी इस्टेट

नई दिल्ली-११०००२, दिनांक १२ नवम्बर १९८०

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर० III/३-८०/
११४३—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-१८ है तथा जो निजामुद्दीन ईस्ट-
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८
का १६) के अधीन दिनांक मार्च १९८०

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयन्कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
घनन्कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

(१) श्री हनूमत राय बवेजा पुत्र दिलबाग राय बवेजा
निवासी I/एफ-१४०, लाजपत नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(२) श्री बक्शी श्री रंग सिंह बक्शी जगतेश्वर सिंह और
श्रीमती प्रेम कौर के-९ लाजपत नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्टी नं० सी/१८ निजामुद्दीन ईस्ट एक्सटेंशन, नई
दिल्ली एरिया २५६ वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

दिनांक : १२ नवम्बर १९८०

मोहर :

प्र रूप आई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज -I एच० ब्लाक विकास भवन, आई०पी०एस्टेट
नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर० III/3-80/
1132—अरा० मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि 33 बीघा 11 विश्वास है तथा
जो गांव देवली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावर
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-3-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररक्तों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अनुरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य व्यक्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तात :—

(1) मैसर्स रत्नसिंह और सुरज्य पुत्र
धीसा, गांव देवली तहसील महरौली,
नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स देहली टावरस प्रा० लि०
115 अंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए चार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही मर्यादा देवली तहसील महरौली नई दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि 33 बीघा 17 विश्वास खसरा नं० नीचे दिया
गया है गांव देवली तहसील महरौली नई दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित है।

किता नं०	खसरा नं०	एस्त्रिया बीघा विश्वास
50	2	4-12
	9	4-12
	12	4-12
	19	4-12
	20	4-16
	11	4-16
	21	1-12
	22	4-05
कुल		33-17

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1
दिनांक: 12 नवम्बर 1980
मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-० एच ब्लाक विकास भवन आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/।/एस० आर०III/3-80/

1091—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रबाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृपि भूमि 5 बीघा है तथा जो गांव सतबेरी
तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

(1) श्री सुरेश चन्द्र जैन पुत्र शेर सिंह जैन

सी-29 पंचशील इन्कलेव नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन्द्र सिंह मिन्हाम पुत्र चानन मिंह
आर-543 राजिन्द्र नगर नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एग्रीकलचरल भूमि एरिया 5 बीघा खसरा नं० 26
(1-80) /25 (0-11) 24/2 (2-11) द्यूबबैल फार्म^१
हाउस वाटर टैक बाउन्डी बाल गांव सतबेरी तहसील महरौली
नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रबाल,
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I एच ब्लाक विकास भवन आई० फी० एस्टेट
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर० III/3-80/

1088—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी संख्या बी-81 है तथा जो ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्व रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अन्तरकों) और अत्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती नयना देवी, श्री जे० एम० लाल, श्री एच० एम०
लाल, श्री आर० एम० लाल श्रीमती सुशीला शर्मा
श्रीमती कमला भाटास और मौनिका वर्मा
ए-32 फैल्स कालोनी नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) महाजन बूलन प्राइवेट लिमिटेड एन्ड पार्नीपत^र
फूड लिमिटेड साउथ एक्सटेंशन पार्ट II नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्राप्टी नं० बी-81 ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।
दिनांक : 12 नवम्बर 1980
मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०——

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस० आर० III/3-80/
1216—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभन् प्राधिकारी को, प्रदृष्टिवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या सी-82 है तथा जो डिफेंस कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिथिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः :—
5-356GI/80

(1) रानी कोमल कुमारी आफ बिसाउ पल्ली स्वर्गीय श्री ठाकुर रघुबीर सिंह विमाउ हाउस जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजेन्द्र कौर और पू. सलमीत सिंह सी-82 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नवम्बरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू वर्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित है, वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी-82 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली
एरिया 325 वर्गगज

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I
नई दिल्ली

दिनांक : 12 नवम्बर 1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस० आर० III/3-80/

1159—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन समाप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की संख्या 10 बीघा कृषि भूमि है तथा जो गांव खिरकी तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबंध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अपेक्षियों, प्रथातः—

- (1) श्री एल० बी० दुग्गल इन्डिनियरिंग कं० प्रा० लिमिटेड
8 कम्युनिटी सेन्टर बसन्त लोक- नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्री हरकंवल पाल मिहू पुत्र एस० माहिब्र मिहू
डी-18 ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्धिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपेक्षियों में से किसी अपेक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य अपेक्षित द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपादीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्यात् 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बीघा खमरा नं० 431 और 432 जो कि गांव खिरकी तहसील महरौली, नई दिल्ली में है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्ड्र
प्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली
दिनांक : 12 नवम्बर 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269 ष(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I एच ब्लाक, विकास भवन आई० पी० एस्टेट
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० I-ग्र० आर०/II/3-80
1166—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ष
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपना उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से प्रधिक है।

और जिस की संख्या प्लाट नं० 7 स्ट्रीट नं० 6 है तथा जो
शान्ति निकेतन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्वस्थप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृश प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पावा ग्राम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, पा
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के पनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ष की उपचाय (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यवितियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी कृष्णा थाडानी 31-सुनीता बिल्डिंग
कोलावा बम्बई, (2) श्रीमती सुनेता के० जंगियानी
6-बी बेला कोट नं० I कोलावा बम्बई
(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजय पोद्दार एफ-3, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रधिया बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोरस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और बिल्डिंग प्लाट नं० 7 स्ट्रीट नं० 6 शान्ति-
निकेतन, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, इन्ड्र
प्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 12 नवम्बर 1980
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 एच ब्लाक विकास भवन आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० प० सी०/एक्य० II/एस०आर० III/3-80

/1158—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिस की संख्या ए-1/1 है तथा जो वसन्त विहार नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिये प्रत्यक्षित को गई है और मुझे बहु विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पादा या प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
चर्चण से उक्त प्रन्तरण निषिद्ध में वास्तविक रूप से कठिन महीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

(1) श्री राम प्रकाश सचदेव पुत्र बालमकुल
गुन्तला सचदेव पत्नी राम प्रकाश सचदेव
एम-18 साकेत नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शाम निशावन पुत्र बन्सी लाल निशावन
सी-168 छिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर राम्पति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
है, वही अर्थ लेंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्ती नं० ए-1/I वसन्त विहार, नई दिल्ली, एस्टेट
620 वर्ग गज।

प्रार० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, विकास भवन एच ब्लाक,
इन्ड्र प्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली
दिनांक : 12 नवम्बर 1980
मोहरा :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I एच०, ब्लाक विकास भवन, आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/IJ/एस०आर०III/3-80/
1197—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या 28 है तथा जो पूमा रोड, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में पूर्व स्थप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनाहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः—

- (1) श्री पी० पी० शर्मा रजिस्ट्रार हाई कोर्ट आफ
देहली, देहली।
श्रीमती उषा गुप्ता डिफेन्डेन्ट नं० I इन सूट नं०
294 आव 1972 (इनकी तरफ से)।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती हरजिन्द्र कौर विधवा सेठ नागयन सिंह
(2) ओंकार सिंह (3) जगतार सिंह (4) पृथिवाल
सिंह (5) निरंकार मिंह (6) दया सिंह (7)
नरिन्द्र सिंह (8) पुरषोत्तम सिंह (9) गुरदीप सिंह
पुत्र स्वर्गीय सेठ नारायण सिंह (10) भजजीत
कौर पल्ली सहिन्द मिंह (11) कुमारी कुलजीत कौर
(12) सुखदीर कौर बड़किया स्वर्गीय श्री सेठ
वारायण सिंह सब सिवाई 12ए/12 डल्लू ई० ए०
करोड़बाय वर्षी दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजगत में प्राप्त तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
मापात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (घ) इस सूचना के राजगत में प्राप्त तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रतीक्षा करारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्टी नं० 28 खाता खेवात नं० I खेतानी नं० 1393
खसरा नं० 2822/1258 1585 वर्गेंगज (1402 वर्ग मीटर)
जो कि पूसा रोड अजमल खां रोड पर स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 12 नवम्बर 1980
सोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 विकास भवन एन० ब्लाक, आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश मं० आई० ए० भी०/एक्य०-१/एस०आर०१।।।/ ३-८०/

1231—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रबाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है

और जिस की संख्या एस-222 है तथा जो ग्रेटर कैलाश 11
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमति में पूर्व
स्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-3-1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बचने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवृद्धि था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कमलेश कपूर पत्नी श्री एस० के० कपूर
माफेत आर० चौपरा एन्ड कम्पनी सी० एस०,
डेंग रोड बाटला (पंजाब)।

(अन्तरक)

(2) श्री निमित गुप्ता पुत्र ईश्वर चन्द गुप्ता 23/2 यूसुफ
सराय नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां गरिता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के द्व्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 222 ब्लाक एस थ्रेनफ्ल 454 वर्गगज जोकि
ग्रेटर कैलाश की रेसिडेंशियल कालोनी नई दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित है।

ईस्ट—सर्विस लेन

वेस्ट—रोड

नार्थ—प्लाट नं० एस-220

साउथ—प्लाट नं० एस-224

आर० बी० एल० अग्रबाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

दिनांक : 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एम० आर०-III/3-80/

1190—अतः मुझे, आर० वी० ए८० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को एहे विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उक्ति बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की संख्या पोर्शन नं० 205 (दूसरा मंजिल) है तथा
जो डी० ए८० ए५० हाउस एफ-40 कनाट एलेम
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नब्बह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए;
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) डी० ए८० ए५० यूनाईटेड लिमिटेड,
21-22 नगिन्दा एलेम पार्लियामेंट मृदीट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत अहलवालिया पत्नी योगेन्द्र सिंह
39 हमुमान रोड नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भा आवेदन ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अस्थिति वाद में
समाप्त होती है, के अन्तर एकेवर व्यक्तियों में
किनी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अन्तर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य म्यक्ति द्वारा अधोहस्तः री के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोर्शन नं० 205 द्वितीय तल आगे का भाग डी० ए८० ए५०
हाउस एफ-40 कनाट एलेम नई दिल्ली एरिया 492.2 वर्ग
फुट

आर० वी० ए८० अग्रवाल
मशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०I/एम आर०-III 3-80/
1233—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की संख्या कृषि भूमि 24 बीघा है तथा जो छतर
पुर तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व स्थप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
22-3-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री दीवान शामलाल साहनी पुत्र दीवान रामलाल
साहनी निवासी 40 फ्रेन्ड्स कालोनी, नई दिल्ली
(कर्त्ता एवं यूनिक)।

(अन्तरक)

(2) कुमारी मुनन्दा कपूर लड़की स्वर्गीय कर्मचन्द्र
कक्षकर रेने डिफ्यूमन इन्डे एफ-31 हौज खास,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अमृसूची

कृषि भूमि 24 बीघा खसरा नं० 1875 (4-16)
1876 (4-16) 1877 (4-16), 1878 (4-16) 1879
(4-16) द्यूब बैल कैमिंग वायर गांव छतरपुर, तहसील
महरौली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, विकास भवन, एच ब्लाक,
इन्ड्र प्रस्थस्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक : 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्री० एन०एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस आर० III/3-80/
1153—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की संख्या कृषि भूमि 48 बीघा है तथा जो गांव किशन गढ़ी (महरौली) नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे परतरण के बिंदु तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण विवित में बास्तविक हो से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन ऊर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यद्य, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरमें, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की संपत्ति (1) के अन्तर्गत निम्ननिवित अवित्तियों, अर्थात् :—

6-356GI/80

(1) श्री मुनी राम पूत्र रामजी लाल
निवासी किशन गढ़ महरौली, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सतविन्द्र कौर साहनी पत्नी श्री प्रीतम सिंह
साहनी बी०-203, ग्रेटर कैलाल-1
नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्वत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्वत के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप:—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरसम्बन्धीय अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोवृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

प्रगतिशीली

कृषि भूमि 48 बीघा जो कि किला नं० 52/21 (4-12) 22 (4-12), 23 (4-12), 24 (2-10), 72/26 (0-2), 73 (4-16), 2 (4-16), 3 (4-16), 4, 5, उत्तर (2-6) 8 (4-16), 9 (4-16), 10 (10-16) गांव किशन गढ़ी (महरौली) नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, विकास भवन एच ब्लाक,
इन्ड्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली ।

दिनांक : 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेज-ज, एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० एस्टेट
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० १/एस आर० III/3-80/
1238—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
और जिस की संदिया दुकान प्लाट नं० एम-14 है तथा जो प्रेटर
कैलाश II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 26-3-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की भित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

(1) श्रीमती राज रानी पत्नी एस० सी० जैन, सुभाष
चन्द्र जैन निवासी 191 सत्या निकेतन नई दिल्ली
फतेह चन्द्र गुप्ता श्रीमती माया देवी, श्री कुलवन्त
राय, अशोक कुमार, सब निवासी डी-32 पन्चशील
इन्क्लेश नई दिल्ली और श्रीमती कस्तूरी देवी
निवासी 191 सत्या निकेतन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स इन्डियन आर्ट वेयरस प्राइवेट लिमिटेड
डब्ल्यू-93 प्रेटर कैलाश II नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अग्रवाल

कर्मशियल प्लाट नं० एम-14, 195 वर्गगज थोकफल
जोकि प्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-, विकास भवन, एच ब्लाक,
इन्ड्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक: 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एव० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन, प्राई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निरेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-I/सं आर-III/3-80/
1240--उत्त. मुझे, आर० बी० ए० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस को संघ्या सी-36 है तथा जो कालीनी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-3-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक सिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आवश्यकीय का बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूक्ष्मिका के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आवश्यकीय का बावत उक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाने के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आवश्यक या, छिपाने में सूक्ष्मिका के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) मैपर्स सुमति प्रकाश जैन एन्ड सन्स (H U F) थू. कर्ता और मैनेजर सुमति प्रकाश जैन और सारे को पासंतर्स (i) सुमति प्रकाश जैन पुत्र लेट रत्न घन्द जैन (ii) श्रीमति फूला देवी जैन पत्नी सुमति प्रकाश जैन (iii) राकेण कुमार जैन (iv) सुरेण कुमार जैन (v) महेश कुमार जैन (vi) योगेश कुमार जैन पूत्रान सुमति प्रकाश जैन, सब निवासी ई-7 कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली-110065

(अन्तरक)

(2) (i) श्री मोहिन्द्र कुमार जैन (ii) सत्येन्द्र कुमार जैन, और उपिन्द्र कुमार जैन, पुत्रान सुरेन्द्र नाथ जैन, सो-36 कालिन्दी कालोनी रिंग रोड नई दिल्ली-110065

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी बिल्ट की होल्ड प्लाट थेन्कफल 399.93 वर्ग गज बराबर है 334, वर्ग मीटर जिसका नं० 36 ब्लाक सी (कैटेगरी II ग्रुप बी) कालिन्दी कालोनी रिंग रोड, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व—सैन्ट्रल सेड रिसर्च इन्स्टीट्यूट की जमीन

पश्चिम—36 फुट चौड़ी पड़िलक रोड

दक्षिण—पार्क

उत्तर—प्रापर्टी प्लाट नं० ई-26 कालिन्दी कालोनी नई दिल्ली आर० बी० ए० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक,

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक : 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I एवं ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० एस्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-I/एस आर III/3-80
1241—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

एस० 245 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में
स्थित है (प्रीत इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-3-80
को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों)
और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण,
निकित में बास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रथम, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवारित :—

(1) श्रीमती मलिका ठाकुर पत्नी ठाकुर धारा चन्द
46 कोर्ट रोड अमृतसर पंजाब।

(अन्तरक)

(2) श्री हर्ष नारंग पुत्र राम लाल नारंग एस-337 ग्रेटर
कैलाश II नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्योक्त सम्पत्ति के प्रबंन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
नियित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुसूची

फ्री होल्ड प्लाट 300 बर्गगज नं० 245 ब्लाक एस जो
कि रेसिडेंसियल कालोनी, ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित है :—

ईस्ट—रोड

वेस्ट—सर्विस लेन

नार्थ—एस-243

साउथ—प्लाट नं० एस-247

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली।

दिनांक : 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, एक ब्लाक, विकास भवन, आई०पी० एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस आर /3-80/
1248—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-427 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक भार्च 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) बूज मूषण गुप्ता, तिलोकी नाथ गुप्ता, कुल मूषण
गुप्ता और विजय कुमार गुप्ता पुल स्वर्गीय हरि नारायण
गुप्ता, निवासी ई-427 ग्रेटर कैलाश II नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रजीत कौर पत्नी एस० अमरजीत सिंह
जौहर सी-139 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ लेंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसन्धी

प्लाट नमीन नं० ई-427 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली 250
वर्गगज।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, नई दिल्ली।

दिनांक : 12 नवम्बर 1980
मोहर :

ब्रह्म प्राई० दी० दद० एच०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज I, एच ब्लाक विकास भवन, आई०पी० एस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निदश सं० आई० ए०सी०/एम्यू०-१/एस०आर०/३-८०/
११६७—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाचवात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहै), की धारा 269-प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति त्रिसक्त बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।
और जिसकी संख्या 15-ए/३१ है तथा जो डब्ल्यू ई० ए० करोल
बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पत्राह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेज से उक्त प्रतिफल निकित में
वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी बाब की बाबत; उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/पर

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन पा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपाधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवास:—

(1) श्रीमती स्नेहा कुमुम राय पली लेट आर० एस० सी०
राय, निवासी १२ए०/३४ बेस्टर्न एक्सटेंशन एस्ट्रिंग
करोल बाग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गायत्री सरकार पत्नी ए० बी० सरकार
निवासी ६२/१ रामजस रोड करोल बाग
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचायित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लीस होल्ड प्लाट जो कि ब्लाक 15ए प्लाट नं० 31 डब्ल्यू०
ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली में 266. 7 वर्गगज में डब्ल स्टोरी
बना हुआ है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेज I, नई दिल्ली।

दिनांक : 12 नवम्बर 1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. डी० एन० ई०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, एच ब्लाक विकास भवन आई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक, 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-१/एस आर-III/३-८०/

1169—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की संख्या सी-39 है तथा जो एन० डी० एस० ई० पार्ट II
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और
मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पश्चात प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में हुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलब्धा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) मैसर्स दलजीत प्राप्टी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर
श्रीमती दलजीत कौर पल्ली मोहनजीत सिंह निवासी
फ्लैट नं० एल, सागर एपार्टमेंट्स तिलक मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम गुप्त पुत्र नाथू राम और श्रीमती सरला गुप्ता
पल्ली प्रेम गुप्ता फ्लैट गेट हाउस ए-१/६ सफदरजंग
इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५ दिन
की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषन गांडों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्टी नं० सी-३९ ५०० वर्ग गज एन० डी० ई०-II
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, विकास भवन, एच ब्लाक,
इन्द्र प्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक : 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायदालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक विकास भवन आई० पी० एस्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-I/एस० आर०-II/3-80/

1147—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की संख्या कृषि भूमि 12 बीघा है तथा जो गांव डेरा मन्डी तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायदालिय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-3-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

(1) श्री होरम और भूले पुत्र बख्तावर निवासी गांव डेरा मन्डी तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एस० सिंधला (प्रैस) प्रा० लि० जे-32, लाजपत नगर III, नई दिल्ली ब्लार मैनेजिंग डायरेक्टर परमिन्ड्र सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तांमील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

मन्डूचूली

कृषि भूमि एरिया 12 बीघा एम० नं० 82 किला नं० 14 (4-16) 15 (4-16), 16 मिन (2-8) गांव डेरा मन्डी तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1980

मोहर :

प्रृष्ठ पाई. टी. एन्. एस.—

- (1) श्री होसग और भूले पुत्र बखतावर गांव डेरा मन्डी
तहसील महरीली, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

- (2) एस० एस० सिंधल प्रैस प्रा० लि०
जै-32 नाजपत नगर-III नई दिल्ली द्वारा
मैनेजिंग डायरेक्टर परमिन्द्र सिंह।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, एच० ब्लाक विकास भवन आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस आर-III/3-80/

1148—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिस की संख्या कृषि भूमि 12 बीघा है तथा जो गांव डेरा
मन्डी तहसील महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-3-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जो/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपयारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

7-356GT/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 12 बीघा एस नं० 82 किला नं० 16 मिन
(2-8) 17 (4-16) 18 (4-16) गांव डेरा मन्डी, तहसील
महरीली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन एच० ब्लाक,
इन्ड्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक 12 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच० ब्लाक विकास भवन आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्य०/I/एस आर III/3-80/

1203—प्रतः नुस्खे, आरा० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यहू विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० प्लाट नं० 189 ब्लाक नं० 48 है तथा जो डिप्लोमैटिक इन्कलेव नई दिल्ली में स्थित है (ओर इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसै दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसै किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी:—

(1) श्रीमती शारदा वीरमनि पत्नी लैट श्री के० एस वीरमनि और उनकी माझनर लड़की रेनूका वीरमनि वीरमनि अरुन और वीरमनि मुरली निवासी ए/ आनन्द जुहू लैन कोपरेटिव सोसाइटी एस० बी० रो अन्धेरी बैस्ट, बम्बई-400053।

(अन्तरक)

(2) श्री के० पाठेन फिलिप 8-कैलाश पोद्दार रो कुम्बाला हिल, बम्बई-400026।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के अर्थात् व्यक्तियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 189, ब्लाक नं० 48, डिप्लोमैटिक इन्कलेव नई दिल्ली।

आरा० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच० ब्लाक,
इन्ड्र प्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक 12 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस आर-III/3-80/

202—अतः मुक्त, आर० बी० एल० अग्रवाल

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उपरात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
के स्थावर संपत्ति जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

र जिसकी संख्या 19 है तथा जो पालम मार्ग नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मार्च 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विष्वास
जै का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रति शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
न्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपचारा (1) के
न, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धर्मवीर 54 आनन्द लोक
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री महावीर प्रसाद सर्वयाजी पुत्र स्वर्गीय श्री बूद्ध
सर्वयाजी, 129/7 एम० जी० रोड
कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृत-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रवोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में विद्या गया है।

अनुसूची .

प्राप्ती नं० 19 पालम मार्ग, बसन्त विहार, नई दिल्ली क्षेत्रफल
200 वर्ग गज ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक,

इन्ड्र प्रस्थ, एस्टेट, नई दिल्ली ।

दिनांक : 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, एच ब्लाक विकास भवन आई० पी० एस्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश मं० आई० ए० स००एक्य०-1/एस आर-III/3-80/
1201—अतः मुझे आर० बो० ए८० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसको सं० 10203 है तथा जो नाई वाला करोल बाग
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में पुर्ण स्वप से
वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 25-3-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राजिन्द्र दयाल पुत्र स्वर्गीय श्री प्रेम नारायण
श्रेमती: शोला दयाल पत्नी राजिन्द्र, दयाल, पुरुषोत्तम
सरूप पुत्र राजेन्द्र दयाल, विषुल पुत्र राजिन्द्र दयाल
10203 गुद्वारा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) मैमर्स निरंकारी फ्लोर एन्ड ब्रेजेटेल आइल इण्डस्ट्रीज
प्रा० लि० बौ०-१ लारेंस रोड देहली वाया डॉ०आर०
शा० 421/24 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध विस्तीर्ण अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला बिल्डिंग नं० 10203 (खसरा नं० 1973/
1257) ब्लाक 5, नाईवाला स्कीम गुद्वारा रोड, करोल बाग,
नई दिल्ली में जो कि 433 वर्ग गज में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—खसरा नं० 1474/1257
पश्चिम—खसरा नं० 1498/1380
उत्तर—मविम रोड
दक्षिण—रोड

आर० बो० ए८० अग्रवाल

मक्कम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, विकास भवन, एच ब्लाक,
इन्ड्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक: 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I एच० ब्लॉक विकास भवन आई० प०० एस्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई०ए० म००/एश्य०-I/एम आर०III/3-80/

1151—ग्रत: मुझे आर० ब०० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसके मंभ्या एम 377 हैं तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यारुप (पन्तरण) प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(न) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रमिता मुलाना नारंग पत्नी हर्ष नारंग

एम 337 ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली:

(अन्तरक)

(2) श्री हर्या सिंह पुत्र श्री ईश्वर मिह, बसन्त मिह पुत्र माधु सिंह दोनों निवास: एम 416 ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली 48

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयितां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृशताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्टी नं. एम-377 ग्रेटर कैलाश II नई दिल्ली।
क्षेत्रफल 300 वर्गगज

आर० ब०० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लॉक,
इन्द्र प्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक: 13 नवम्बर 1980
मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 एच ब्लॉक विकास भवन आई० पी० एस्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश मं० आई०ए० मो०ए०ए०-1/एस०आर०—III/3—
8 0/1112—अतः मुझे आर० बो० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

प्रांग जिसका सं० II-0/13 है तथा जो लाजपत नगर नई दिल्ली
में स्थित है (प्रांग इसमें उपाबद्ध अनुसूचि में पूर्व रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 7-3-80

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारीतयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री ओ० प० सेठी पुत्र स्वर्गीय श्री बो० आर० सेठी
II-0/12 लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ईश्वर दास पुत्र स्वर्गीय श्री खूब चन्द
निवासी II-0/13 लाजपत नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लोज होल्ड प्राप्टी नं० II-0/13 लाजपत नगर, नई दिल्ली
200 वग गज

आर० बो० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, विकास भवन एच० ब्लॉक,
इन्द्र प्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक: 12 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आजन रेंज-I, एच० ब्लाक विकास भवन, आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली 110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० मा०/एक्य०-I/एस०आर-III/3-8 ०/
१२५०—अतः मुझे आर० ब्ल० ए८० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 1/5 है तथा जो जंगपुरा 'ए' नई दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपायदृष्टि अनुसूच में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन वरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 8 ०
को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा की 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपौत् :—

(1) थ० सजीव कपूर पुत्र थ० बा० के० कपूर निवासी 45 दि भाव पेहला द्वारा थ० बा० एन० कपूर पुत्र स्वर्गीय डा० एम० के० कपूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रामिक अर्ण कार पत्नी अमृत मिह निवासा०ए-165/ 166 इया नन्द कालोनी लाजपत नगर IV नई दिल्ली।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताभारी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

संदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्ती नं० 1/5 जंगपुरा 'ए', नई दिल्ली एरिया, 203 वर्ग गज।

आग० बं० एल० अग्रवाल,
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन एच० ब्लाक,
इन्द्र प्रस्थ स्टट, नई दिल्ली।

दिनांक : 12 नवम्बर 1980 ।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन०एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, एच ब्लाक विकास भवन, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

सं० आई०ए०सी०/एक्य० I/एम० आर० III/3-8०/1183—

अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-12 है तथा जो कालिन्दी कालोनी
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मार्च 1980
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकृत नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषाल
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. मैंपर्यं मनीष कुमार मूँद एड के इंग्रेज मिनेमा
बिल्डिंग जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रोमनी मन्तोष खन्ना पत्नी स्वर्गीय वाई० के० खन्ना
और मास्टर राजू खन्ना पुत्र स्वर्गीय वाई० के० खन्ना
21 सकिट हाउस एरिया (ओल्ड) पी० एम० बिस्तूपुर
टाउन जमशेदपुर, जिला सिहूम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्टी नं० बी०-12 कालिन्दी कालोनी नई दिल्ली एरिया
46, 34 वर्ग मीटर।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख : 12 नवम्बर 1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक विकास भवन, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980
सं० आई० ए० सी०/एक्य० J/एम० आर० III/3-80
1174—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- इव्वते से अधिक है और जिसकी संख्या III/एच 2 है तथा जो लाजपतनगर III नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 6 मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि विष्वासीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और सरकार (प्रधारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है।—

(क) प्रभारण से दुई किसी आय की वादन उठत अधिनियम, के प्रधीन कर देसे के प्रधारक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य व्यास्तियों को, जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट कर्ता किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-356 GI/80

1. श्री भुवनजीत सिंह पुत्र एम० नरोत्तम सिंह ए-2 डी० ए० ए० फैट्स मुनोरका नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मत्तनाम कौर जी-21, लाजपतनगर III नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधंन के मंबंध में कोई भी आज्ञा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शिलबद्ध किसी भी अधिकता द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहों जा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० /एच 2, लाजपतनगर, नई दिल्ली 200 वर्ग गज में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व :—प्रापर्टी नं० एच-3/III

पश्चिम : प्रापर्टी नं० एच-1/III

उत्तर : रोड

दक्षिण : सर्विस लेन

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1980

मोहर :

प्रकल्प प्राई० ठी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, एच० ब्लाक, विकास भवन, नई दिल्ली

आई० पी० एस्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1980

सं० आई० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस० आर० III/3-80/1161—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या ए० 15 है तथा जो एन० डी० एस० ई० I नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चौथे से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आवय की बाबत, उक्त अधिनियम के पश्चीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आवय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की घारा 269-ख के अनुचरण में, ये, उक्त अधिनियम की घारा 269-ख की समाना
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, पर्याप्त।—

1. श्री रविन्द्र कुमार रुद्र 42/388 मोती कुंज रोड राजा की मण्डी आगरा।

(प्रत्यक्ष)

2. कुमारी यशोदा देवी सी०-४ हाउसिंग सोसाइटी एन० डी० एस० ई० I नई दिल्ली और श्री राम दित्ता मल 3 राम पार्क किशन गंज दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहे में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० ए० 15 एन० डी० एस० ई० पाट्ट-न्यू दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली।

तारीख: 12-11-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2262—यतः, मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। जो वरेटा में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुडलाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृह्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रविक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री परमानन्द पुत्र इन्दर सिंह निवासी वरेटा तहसील कान्सा (अन्तरक)
- (2) श्री जसेम चन्द्र पुत्र रघुनाथ निवासी वरेटा तहसील कान्सा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

मौजूदा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लग्नाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्यंत होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 68, दिनांक अप्रैल, 80 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बुडलाडा में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 14-11-1980

मोहर:

प्रस्तुप धाई० टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

दोस्रा संरक्षार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 80

निवेश सं० ए० पी० 2263—यतः मृद्दे, आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में लिखा है तथा जो
बेहराम में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवां शहर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस
दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए (1) की उपलाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रणधीर सिंह पुत्र उजागर सिंह गाँव बेहराम
तहसील नवां शहर (अन्तरक)
- (2) श्री हजूरा सिंह पुत्र श्री गुरवद्वा सिंह गाँव बेहराम
नवां शहर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में होई भी प्राप्तेः—

- (क) इस मूल्यन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधि या तत्स्वदस्थी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूल्यन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोटोर्डा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिचालित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलोख नं० 5286 मार्च 1980
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-11-1980

मोहरः

प्रलूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए०पी० नं० 2264—यतः मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो ग्रोपर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मेहर सिंह पुत्र सुन्दर सिंह गांव ग्रोपर नवा०
शहर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जान कौर पुत्री सन्ता सिंह पुत्र नवा० सिंह
गांव नगल परथाल तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिक-
भोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5396 मार्च
1980 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखः 14-11-1980

मोहरः

प्रकाश प्राईंटी फॉन् एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निवेशसं ० ए०पी० नं० 2265—यतः मुझे, आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो
मुद्रारिक पुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-
क्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिशत से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-घ के प्रतिशत वें,
में, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-घ की उपचारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्री मूच्चा, दर्शन पुत्र संसारा, केसर सिंह पुत्र
गुरमेल सिंह, पुत्र संसारा सिंह गांव मुद्रारक पुर
नवां शहर (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्दर कौर पति विलावर सिंह गांव
मुद्रारिक पुर, नवां शहर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
निए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-घ में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5350
दिनांक मार्च, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर
में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख]: 14-11-1980

मोहर]:

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2266—यतः मुझे, आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो नवां शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध नुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के [पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरेती (अन्तरितीयों) के लिए ऐसे; अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व में [कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनु० सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिसंघों, प्रवाति ।—

(1) श्री सुरिन्दर कुमार, नरिन्दर कुमार, तरसेम लाल पुन्न गिरधारी लाल श्रीमती राज कुमारी विधवा गिरधारी लाल मुहल्ला बुचरा नवां शहर।
(अन्तरक)

(2) श्री हरवंश सिंह पुन्न मेला सिंह गांव रामपुर राय नवां शहर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सूची नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तरंगवंशी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5227 दिनांक मार्च, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-11-1980
मोहर।

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० 2267—यतः मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नवां शहर में स्थित है (और इससे उपाब द्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत। प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जितें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपरोक्त (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधातः—

- (1) श्री सुरिन्द्र कुमार, नरिन्द्र कुमार पुत्र गिरधारी लाला, राज कुमारी विधवा गिरधारी लाला सोहन लाल, मोहन लाल सुपुत्र बाबू राम मुहल्ला बुधरां नवां शहर (अन्तरक)
- (2) श्री अजीत सिंह पुत्र मेला सिंह निवासी रायपुर राय नवां शहर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5228 दिनांक मार्च, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
तारीख: 14-11-1980
मोहर:

प्रूप आई० टो० एन० एस०—————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2268—यतः मुझे, आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा बेहराम-
पुर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवा०
शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1980
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यद्यपि
प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रथ्य घारितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—
9—356GI/80

- (1) श्री शान्ति स्वरूप पुल ज्ञान चन्द, रेलवे रोड, नवा०
शहर (अन्तरिक)
- (2) श्री बलजीत कुमार पुल ओम प्रकाश रेलवे रोड,
नवा० शहर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5203
मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवा० शहर में लिखा
है।

आर० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-11-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-व(1) के अंतर्गत सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० 2269—यतः मुझे, आर० गिरधर
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
 के अंतर्गत समाप्ति प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/-
 इष्टे से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बेगम
 पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
 और पूर्ण रूप से दर्शाया है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिकूल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पद्धति प्रतिशत से अधिक है और भ्रंतरक (भ्रंतरकों)
 और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए
 तथा पाया गया अंतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण
 लिखित में राष्ट्रीय रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के प्रतीन कर देने के घन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 छन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिगने में
 सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, वै, उक्त अधिनियम की सारा 269-व की उपधारा (1)
 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिकृतयों, अधर्ता:—

- (1) श्री शान्ति स्वरूप पुन ज्ञान चन्द, निवासी रेलवे
 रोड, नवां शहर (अन्तरक)
- (2) श्री बलबन्त राय पुन श्रीम प्रकाश, निवासी
 रेलवे रोड, नवां शहर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
 भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
 जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
 है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5208 दिनांक
 मार्च, 1980 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा
 है।

आर० गिरधर
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जालन्धर
 तारीख : 14-11-1980
 मोहर :

आर० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निवेश सं० ए० पी० नं० 2271—यतः मुझे, आर०
गिरधर्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा "है तथा जो कोटली
भगवान में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
करतारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दृढ़ी किसी आय की बावल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या, उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

(1) श्री प्रकाश सिंह पुत्र शिव सिंह मुज्जयारे आम श्रीमती
लेखकीर पुत्री विश्वा सिंह, कोटली भगवान
(अन्तरक)

(2) श्री तीर्थ तिह अमर जीत सिंह, अवतार सिंह सुपुत्र
प्रकाश सिंह, कोटली भगवान (करतारपुर)
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में शब्द रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति (में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 188, मार्च
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करतारपुर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सदायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्ररूप आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 14-11-1980

मोहर :

प्रृष्ठ पाई ० टी० एन० एस० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सक्षम आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० 2273:—यतः मुझे आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है। तथा जो विजय
नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हूर्द किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मती सर्वजीत कौर पली वजीन्दर सिंह निवासी
1162/33सी चण्डीगढ़ (यू० टी०)।
2. श्री श्रीचन्द्र पुत्र श्री परस राम मारफत श्रीमती
गुरबल्ला कौर स्टाफ नर्स मकान नं० 11 सिविल
हस्पताल जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टोकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि लिखा नं० 8824 दिनांक
मार्च 1980 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
है।

आर० गिरधर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर।

दिनांक 14 नवम्बर 1980
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर (कार्यालय)

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर, 1980

सं० ए० पी० 2275:—यतः मुझे आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो अमन
नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (पन्तरकों) और पन्तरिती
(पन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्ननिवित उत्तर से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न दूर्दि किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी
करने या उपरे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक पन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में
सुविधा के लिए;

1. श्री करम सिंह पुत्र दलीप सिंह निवासी जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्री सतनाम दास पुत्र चन्द्र भान मार्फत मैसर्ज किरन
रबड़ इण्डस्ट्रीज जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
(जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि पा तसंबंधी अविक्षयों पर मूचन।
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों
में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी भी अविक्षित द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के ग्रन्थाव 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रन्थाव में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8344 दिनांक
मार्च 1980 के रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
है।

आर० गिरधर,
सकाम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर।

दिनांक : 14 नवम्बर 1980
मोहर :

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बनु-
स्तुत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए. पी. 2276:—यतः मुझे आरा० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव
कून्ट तहसील जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरप्रीत सिंह हरिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री दीविन्द्र सिंह
माडल टाउन जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री अजीत सिंह, पुत्र ज्ञान सिंह, लखा सिंह पुत्र
पश्चा राम, श्रीमती राज दुलारी पत्नी बीरभान श्रीमती
सवरन कौर पत्नी हंस राज श्री तिलक राज पुत्र
अमर चन्द जालन्धर।

(अन्तरिती)

* 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

* 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(जो व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वर्वाधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्वाधि, जो भी
वर्वाधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8363 दिनांक
मर्च 1980 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
है।

आरा० गिरधर,
सक्रम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

दिनांक : 14 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय
जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० नं० 2279:—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
पक्षा बग में स्थित है) और इससे उपादान अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक मार्च 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, भूक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः:—

1. श्रीमती जोगिन्द्र कौर पत्नी सरदार सिंह निवासी
इ० क्य०-199 पक्का बाग जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री त्रिलोक सिंह पुत्र सुरमुख सिंह निवासी 173,
बी० रेलवे, कालोनी जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8857 दिनांक
मार्च 1980 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
है।

आर० गिरधर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर।

दिनांक : 14 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं. ए० पी० नं० 2280:—यतः मुझे आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो पक्का बाग जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधर्ता:—

1. श्रीमती जीगिन्द्र कौर पत्नी सरदार सिंह निवासी ई० क्य० 199 पक्का बाग जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी विलोक सिंह निवासी 173 बी० रेलवे कालोनी, जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या हत्तेवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 22 दिनांक अप्रैल 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

शार० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।
दिनांक : 14 नवम्बर 1980
मोहर :

प्रेरूप धाई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालमध्यर

जालमध्यर, दिसंबर 14 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० स० 2281:—यस: मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संसें जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो तलबण्डी
माध्यों में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नकोदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थं प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

10—356GI/80

1. श्री मेजर सिंह, मलकीयत सिंह सुप्रब भगतू अवतार
सिंह और श्रीमती चनन कौर विश्वा भगतू मुख्तयार
साधू सिंह पुल केशार सिंह निवासी रेख तहसील
नकोदर। (अन्तरक)

2. श्री हरजिन्द्र सिंह, कुलविन्द्र सिंह पुत्र मलकीत सिंह गांव
तलबड़ी माध्यो, तहसील नकोदर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर मैं 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जी व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितगद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 3186 दिनांक
मार्च 1980 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा
है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालमध्यर

दिनांक: 14 नवम्बर, 1980
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० न० 2282:—यतः मुझे, आर० गिरधर,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके 'उत्तर' उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रीति उत्तर प्राधिकारी को यह विष्वास फरने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
शकर तहसील नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के निए अन्तरित की गई है प्रीति मुझे यह विष्वास फरने का कारण है
कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच भी अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य न उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नियत नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण ये हूई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बदलने में पुरिष्ठा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रतिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पश्चात उक्त अधिनियम की द्वारा द्वारा प्रदृष्ट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में पुरिष्ठा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा(1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदियाल सिंह पुत्र केसर सिंह गांव शकर
तहसील नकोदर द्वारा उजागर सिंह पुत्र अमर सिंह
समराई नकोदर।

(अन्तरक)

2. ओंकार सिंह पुत्र सबरन सिंह गांव शकर तहसील
नकोदर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके बाधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

संपादकोकरण:—इसमें प्रपूत्र लावड़ों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3215 दिनांक
मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नकोदर में लिखा
है।

आर० गिरधर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 14 नवम्बर 1980

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० नं० 2283:—यतः मुझे भार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो अली बाल में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री घनश्याम दास, बाल कृष्ण सुपुत्र के सर दास गांव अलीवाल नकोदर।

(अन्तरक)

2. कुमारी रजिन्द्र कुमारी पुत्री हरी चन्द निवासी अली बाल नकोदर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है।¹

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यम में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2866 दिनांक मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा है।

भार० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रकल्प कानून, टी. पर. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, कायालिय विनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० नं० 2284—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सकाम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसे अनुसूची में लिखा है तथा जो दूट
कला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कायालिय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थगान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थगान प्रतिफल से, ऐसे स्थगान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरीती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हरौं किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बद्धने में सुविधा के लिए;
बीहु/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री फकीरया पुत्र अमर सिंह गांव दूट कला नकोदर
(अन्तरित)

2. श्री करनैल सिंह गुरदेव सिंह जरनैल सिंह, परमजीत
सिंह सुपुत्र श्री बन्ता सिंह गांव दूट कला नकोदर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मिलित है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्मिलित के अर्जन के सम्बन्ध में कांहौं भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णव्रत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ लागता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृदृष्टि

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3035 विनांक
मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी नकोदर में लिखा है।

आर० गिरधर
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

विनांक : 14 नवम्बर 1980
मोहर :

प्रस्तुत शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

मं० ए० पी० मं० 2285:—यतः मुझे आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसको सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
कट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बंगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक मार्च, 1980
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति :—

1. श्री निरंजन सिंह पुत्र उत्तर सिंह निवासी कट सब
बंगा

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी जोगिन्दर सिंह प्रकाश
कौर पत्नी गरमेल सिंह गांव कट तहसील सब
तहसील बंगा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 324 दिनांक
मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बंगा में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

दिनांक: 14 नवम्बर 1980

मोहर :

प्र० पृष्ठा ३४० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० प० पी० 2288:—यतः मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'डिक्टर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये में अधिक है और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गोपाल नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पात्र गया प्रतिफल, निम्नलिखित स्फूर्त्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रुपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसर में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविवायों, अर्थात् :—

1. श्री कैलाश खुराना निवासी 497/ए० गोपाल नगर जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार पुल गोपाल दास मकान नं० ९ टीचंस कालोनी गोपाल नगर जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. सम्पत्ति में जो व्यक्ति रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविवायों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविवायों में से किसी अविवाय द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविवाय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्राप्त वर्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्तं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अविवाय जैसा कि विलेख नं० 8431 दिनांक मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

दिनांक : 14 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्रत्येक शार्ट टी० एन० एस०—

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

1. श्रो कैलाश खुराना निवासी 497 /ए गोपाल नगर
जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रो मनोहर लाल पुन गोपाल दास मकान नं० ९,
टोबर्स कालोनी गोपाल नगर जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

मं० ए० पी० 2289:—यतः मुझे आर० गिरधर,
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गोपाल
नगर में स्थित है और इससे उपाद्व अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप में कष्टित
नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से दुर्दि कियी गयी गो बादा उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए जो छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन सं० 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किया जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रथं दीया जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख का नं० 8661
दिनांक मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

दिनांक : 14 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए०पी० नं० 2290-यतः मुझे, आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसको सं० जैमा अनुसूची में लिखा है तथा जो माडल
दाउन में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रिस्ट्राक्टरी अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक मार्च 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीसयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति नसीब कौर पत्नी उद्यम सिंह निवास, मंसार
पुर तहसील जालन्धर।

(अन्तर्क)

2. श्रीमति प्रताम कांर पत्नी हरतार शिंह निवास/
फूल पुर तहसील जालन्धर मजूद पता 649 हन
माजल टाउन जालन्धर।

(अन्तरिता)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है) ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर
जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 43
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अभ्यास

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8760 दिनांक
मार्च 1980 के रिस्ट्राक्टरी अधिकारी जालन्धर में दिया
है।

आर० गिरधर

मध्यम अधिकारी

महाशक्ति आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, जालन्धर।

दिनांक : 14 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए० पो० नं० 2291:—यतः मुझे आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसके सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो माडल
टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में शांगा है) उक्त अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के निपुणतया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित नैवास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुवारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—356GI/80

1. श्री उद्धम सिंह पुल लुजारा जिह निवासी संसार
पुर तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमति मोहिन्दर कौर पत्न, शमशेर जिह निवासी
फूल पुर तहसील जालन्धर मजूद पता 649 एवं
माडल टाउन जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवात्रिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीं व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8761 मार्च
दिनांक 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा है।

आर० गिरधर
मक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़ जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० 2292:—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसका सं० जैसा प्रनुसूची में लिखा है तथा जो माडल
टाउन में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजि ट्री. ता अधिकार के कार्यालय
जालन्धर में रि.स्ट्रॉकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधिन दिनांक अप्रैल 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपक्रान्त (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

... 1. श्री उधम सिंह पुत्र हरारा सिंह निवास: संसार पुर
जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती महिन्दर कौर पत्नी: शमशेर सिंह गांव फूल
पुर तहसील जालन्धर मजूदा पना 649 एल माडल
टाउन जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।
को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 596 दिनांक
अप्रैल 1980 को रि.स्ट्रीक्यूट को अधिकारी जालन्धर में लिखा
है।

आर० गिरधर,
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेज, जालन्धर।

दिनांक : 14 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रृष्ठा आई० ई० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269—घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए० पं० नं० 2293:—यत मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाउन में स्थित है (और इसके उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्टर्टरी अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्टरेशन अधिनियम 1908 (1908 ला 16) के अधीन दिनांक जून 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269—ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269—घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति नरेंद्र कौर पत्नी उष्म सिंह निवास: संसार पुर जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमतो प्रातम कौर पत्नी करतार सिंह निवासी फूल पुर तहसील जालन्धर मजूदा पना 649 एन माडल टाउन जालन्धर।

(अन्तरित)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित है, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जसा कि विलेख नं० 1613 दिनांक जून 1980 को रजिस्टर्टरी अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक : 14 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर,

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए० पो० 2294:—यतः मुझे, आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बाजार
शेखा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनमोहन नाथ प्रभु पुत्र नविन्दर नाथ 130
सैक्टर 21 चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. तरसेम लाल पुत्र हरबंस लाल निवासी ग्रली मौहल्ला
जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जसा कि विलेख नं० 8776 दिनांक
मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रसूप शाई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० नं० 2295:—यतः मुझे, आर० गिरधर अय्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धा० 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो गंव लिघ्यान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधर्ति:—

1. श्री हेमराज पुत्र मौरों संकर निवासी पुंज पीर जालन्धर द्वारा किरण सिंह, जी० ए०।

(अन्तरक)

2. श्री रविन्द्रजीत सिंह जसजीत सिंह नलवा सुपुत्र परमजीत सिंह, गुरखचन सिंह चिमनी पुत्र गुरदयाल सिंह जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8767 मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 15 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रकल्प घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० न० 2296:—यतः, सुझे, आरा० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उचित प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बस्ती शेख, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16)
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्ननिम्नत उद्देश्य पे उक्त प्रन्तरण निवित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के घोषन कर देने के घस्तरक के वायिष्व में कभी
नहीं पा उनक बद्दों में सुविदा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविदा
के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपचाचा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्यारा लाल पुन्न थेरु राम जी ए० प्रकाश राम
पुन्न गंगा राम और श्रीमती बचनी पुन्नी थेरु राम,
जन्म सिधा, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमति बनसो देवी पत्नी श्री राम किशन गांव नंगल
करार खान तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है।)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रंथन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के संबंध में कोई भी आकंप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वींधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन को अवधि जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

संपर्कीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभ्रष्ट हैं, वही मर्य होगा जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 8622 मार्च
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

आरा० गिरधर,

संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुति प्राइंट टी० एन० एस०—

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० नं० 2297, यथा मुझे आरा० गिरधर
श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन संकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गाँव किंगरा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिशत से प्रतिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों)
और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम कुमारजी० ए०, कर्नल गिरधर सिंह,
चमन लाल पुत्र हरदयाल मैसर्स चौधरी हाऊर्सिंग
आरगेनाइजेशन, भगवती देशी, रविन्द्र कुमार, दलीप
कुमार मुपुल श्री भीम सेन जालन्धर।

(अन्तरक)

2. डा०ओम प्रकाश पुत्र मथुरा दास श्रीमति आशा मित्तल,
पत्नी संगीत मित्तल तथा सोराब मित्तल सुपुत्र
ओम प्रकाश मारफत मैसर्स मिलडी राम मथुरा दास
मोगा अब पी० ए० पी० नाईन जालन्धर छावनी।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह अवित्त जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह अवित्त, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अवित्त जैसा कि विलेख नं० 8508
मार्च 1980 का रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा
है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
संहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर,

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० ए० पो० नं० 2298.—यतः मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प(1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती गोख जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रमत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बता। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार इस में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपव्याय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रो रनबीर चावला पुत्र देस राज मकान नं० ३८८०० प० ४९, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. दो जालन्धर माडल हाउस आई० एन० एस० आय हाउस विडिंग सोसाइटी जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

2. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि लिखेका नं० ८६१८ मार्च 80 को रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्रकाश प्राईटी एस एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 15 नवम्बर 1980

मं. १० पौ. ०८० नं. २२९९ :—यतः मुझे आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव तलवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावड़; अनुसूची
में और पूर्ण स्तर से वर्णित है), रजिस्ट्रीशन अधिकारी
के कार्यालय जालन्धर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिपासे में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिखित अवितरणों

12-356(GT/8)

1. श्रा. प्रताप मिह पुत जान मिह गांव तलवाड़ा तहसील
जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रा. जगजीत सिंह, मनजीत सिंह सुपुत्र गुरुनाम सिंह
गांव तलवाड़ा तहसील जालन्धर।

(अन्तरित)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अधिक,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम के प्रम्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रम्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० ८८१२ मार्च
80 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम अधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० दी० ५८० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
फारमलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० ए० पं० नं० 2300:—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए ते अधिक है

और डिस्ट्रॉक्सन० ३० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव लिंडडी, जालन्धर में स्थित है (और इसे उपावद्ध
अनुसूची में शीर पूर्ण रूप में लिखा है), रजिस्ट्रेशन
अधिकारी के वार्षिक वार्षिक रजिस्ट्रेशन, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परद्वाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यामा
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक में ही किसी प्राय की वाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बबने में सुविधा के लिए,
और/या;

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
‘यथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनुसरण
में, ऐसे उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम, यथार्थ:—

1. श्री हेमगण पुत्र गोरु शंकर पेजपत्र जालन्धर द्वारा
किरण मिह मुजायाग आम।

(अन्तरक)

2. अमरोक मिह, निर्मल मिह सुपुत्र किरण मिह श्रीर
अमुत कोर पत्नी देविन्द्र मिह 697 माडल टोकन
जालन्धर।

(अन्तरितों)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।
(जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति, में स्वत्र रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों द्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घारेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 8766 मार्च
1980 को रजिस्ट्रेशन अधिकारी जालन्धर में लिखा।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक : 15 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं—ए० पो० नं० 2301.—यतः मुझे, आर० गिरधर आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसका सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाइट जालन्धर में स्थित है (और इससे उपादान अनुप्रवाहों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का फलदृष्टि प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अन्तर्न के अन्तर्न के दायित्व में कमी करने या उससे बचों में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या स्वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षित 1—

1. श्री हर्चंडा गिंह पुत्र अर्जन जिह वासी माडल टाइट मार्कीट जालन्धर द्वारा भूपिन्द्र कौर पुत्री मनोहर सिंह (पत्नी लैपटीनेट कर्नल एम० एस० बग्गूं) वासी 1082, 36-सौ०, चण्डगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रो अनिल अहरी पुत्र रघुवर अहरी वासी 542-माडल टाइट जालन्धर।

(अन्तरित)

*3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संलग्न :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अधिकाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 8390 मार्च 1980 को रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

आर० गिरधर,
मक्ष— अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर।

दिनांक: 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्रलूप आर्ह. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० ए० पी. नं० 2302, यतः मुझे आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा
जो प्रति नगर नाडोबाली में स्थित है (और इससे उपायद्र
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी
अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्री कर्म सिंह पुत्र जैमल सिंह वासी 144 प्रति
नगर लाडोबाली रोड जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्रीमती मतविन्द कौर पत्नी बलबार सिंह वासी
मकान नं० 145, प्रति नगर लाडोबाली रोड
जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपुः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8723 मार्च
1980 को रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक: 15 नवम्बर 1980
मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एव० एस०-----
आग्नकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

प्रारंभिक सूचना

कार्यालय, सहायक आग्नकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० पो० नं० 2303:—यतः मुक्ते आर० गिरधर,
आग्नकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसे कि अनुसूची में लिखा है नथा जो
गलों नं० 6 नई बस्ती भटिणा में स्थित है (और इसमें
उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिणा में रजिस्ट्रेशन अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च
1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये पन्नरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याय। गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के नन्तरक के वायिक्ष में कमो
करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बन या अन्य अस्तियों को
जिन्हें भारतीय आग्नकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक धनरिती
ज्ञाना प्रकट नहीं किया गया तथा या किया जाना आहिए
वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति गोरान देवी पत्नी राम लाल मकान नं०
1023 सैकटर 36-सं० चण्डोगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमति कमलेश रानी पत्नी हरी चन्द पुत्र बाबू राम बासी
1810 ई गलो नं० 6 नई बस्ती, भटिणा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कायमादिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही मर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5317 मार्च
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिणा ने लिखा है।

ग्राम० गिरधर,
सम्पम प्राधिकारी
सहायक आग्नकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 15 नवम्बर 1980
मोहर :

प्रस्तुप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० प० पो० नं० 2304 यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गली नं० 6 नई बस्ती भटिणा में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिणा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
अप्रैल 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से दुई किसी व्याय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में ही करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी धन या भव्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्मक अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गोरा देवी पत्नी राम लाल वासी मकान
नं० 1023 सेक्टर 36-सी० चण्डोगढ़।
(अन्तरक)

2. भगवती पत्नी बाबू राम वासी मकान नं० 1810
गली नं० 6 नई बस्ती भटिणा।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और घोड़ों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रणाली 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रणाली में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 49 अप्रैल
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिणा ने लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक 15 नवम्बर, 1980

मोहरः

ब्रह्म पार्टी दी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निमेश मं० ग० पी० नं० 2305:—यतः मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो परसराम नगर भटिण्डा में स्थित है (और इसमें उपाबहु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), निस्स्टोकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्टर्ट करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1980 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या गम्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपौत्:—

1. थो० मुरज्जम भिह० पुत्र बग्गा मिह०, बलबार काँ॰ पत्तो० गुरान मिह० वार्म० परम राम नगर भटिण्डा।
(अन्तरक)

2. थो० मूरज भान० द.वान० चन्द्र मुपुत्र दंग राज वासं० गांव बिश्व० दल० जिला भटिण्डा।
(अन्तरक)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस भूमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व म परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेब नं० 760 मई 1980 को रजिस्ट्री न्यूरा अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

ज

आर० गिरधर,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

दिनांक : 15 नवम्बर, 1980

मोहर :

प्रॅप्राॅडी० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० 2306 :—यतः मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, वह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
सिवल लाईन भटिणा में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय भटिणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के फँद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
रूप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मोहन्द्र सिंह डिल्सों एडब्ल्यूकेट सिविल लाईन,
भटिणा।

(अन्तरक)

2. श्री मधु सूचन शारदा पुत्र शंकर लाल वासी बी-
11 सिव लाईन, भटिणा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों 5 दर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 5299 मार्च
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिणा में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जीजज रेज, जालन्धर

दिनांक 15 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्थर

जालन्थर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

मं० ए० पी० नं० 2307:—यतः मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संश्लेषण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सिवल लाईन भटिण्डा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रव्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में रखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिकाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति:—

13-356GI/80

1. श्री मोहिन्द्र मिश्र छिल्लों एडवोकेट सिवल लाईन, भटिण्डा।
(अन्तरक)
2. मधु सूदन शारदा पुत्र शंकर लाल वासी बी-11 सिवल लाईन, भटिण्डा।
(अन्तरिती)
3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गम्भन्य में कोई भी ग्रामोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्त व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ट्रोकरग :—इसमें ग्रन्त ग्रब और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि बिलेख नं० 723 मई 1980 को रजिस्ट्री कूल अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

श्रार० गिरधर,

संस्थाम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्थर

दिनांक : 15 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० नं० 2308:—यतः मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2500/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव उड़ापर तहसील नवां शहर में स्थित है (और इससे उपादद में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्मरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इसे किसी आय की व्यापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करो करने या इससे व्यवने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या गम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अचार्ता :—

1. श्री जगत राम पुत्र इन्द्र राम वासी गांव उड़ापर तहि० नवांशहर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरबचन सिंह, अवतार सिंह मुपुत्र आत्मा सिंह वासी गांव उड़ापर तहि० नवांशहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके आरे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी गम्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाया 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 5104 मार्च 1980 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रसूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अंतर्गत मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० नं० 2309:—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदि विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव अमरगढ़ तहिं नवां शहर में स्थित है (और इससे
उपबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि पश्चात् विष्वास सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिग्राम से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
वां जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
प्रशीन निम्नलिखित अधिकारीयों, अर्थात्,—

1. श्री तरलोक सिंह पुत्र इन्द्र सिंह, भजन और पत्नी
किरण निंह और गुरुताम पिंह पुत्र किरण निंह
सिंह गांव अमर गढ़ तहिं नवां शहर।
(अन्तरक)

2. श्री मोहिन्द्र सिंह, बलजिन्द्र सिंह सुपुत्र बतन सिंह,
सुबजिन्द्र सिंह, बलबीर सिंह, कणमीर सिंह सुपुत्र
उजागर सिंह वासी गांव अमर गढ़ तहिं नवां शहर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है।)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह मूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस पूर्वांक के राजावत और प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पूर्वांक के राजावत में रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि उक्त स्थावर उम्मति में हितबद्ध
किसी ग्रन्द व्यक्ति द्वारा प्रांहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप से किए जा नहेंगे।

स्वाक्षरण :—इनमें प्राप्त पांच ग्रन्द रूप, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रथमांश 20-व में परिभाषित हैं, वही
प्राप्त ग्रन्द जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा जायजाव जैसा कि विलेख नं० 5101
मार्च, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर ने
लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

दिनांक : 15 नवम्बर 1980
मोहर :

प्रेरणा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

सं० ए० पी० नं० 2310:—यह मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हू० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गुरु नानक पुरा फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवान दाम पुत्र लदा राम वासी गुरु नानक पुरा फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री विश्वन मिह पुत्र ज्वाला मिह गुरमेज कौर, पत्नी विश्वन मिह मारफत रतन कौर मकान नं० एच० बी० 135 गुरु नानक पुरा फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

*3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

*4. जो अवित सम्पत्ति में स्वच रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि बिलेख नं० 2527 मार्च 1980 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

दिनांक : 15 नवम्बर 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश मं० ए० बी० नं० 2311—यतः, मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

मीर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुतेहरी
रोड हुशियारपुर में स्थित है (मीर इसमें उपादाद्र अनुसूची में
ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थातः—

1. श्रीमती ईशर कौर विधवा गुरदित्त मिह वासी मुंदा
प्रेमगढ़, हुशियारपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मंहगा मिह पुत्र हरी राम वासी नंगल फरीद बनाम
गढ़ी तहसील दसूहा जिला हुशियारपुर।

2 करतार मिह वासी हजारा मिह, जालंधर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकाल सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4660 मार्च 1980
का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

आर० गिरधर
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिसम्बर 15 नवम्बर 1980

निर्देश मं० ए० प० नं० 2312—यतः, मुझे, आर० गिरधर,
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
 अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
 अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटि
 रोड़, हुशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन, तारीख मार्च 1960

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती निरंजन कौर विधवा डॉ. मजैल सिंह पाल
 पुत्र दलीप सिंह, लाजपत राय रोड़ हुशियारपुर।
 (अन्तरक)
2. श्री कुलदीप सिंह पुत्र गंगा सिंह कंटरेक्टर तथा बिकरम
 सिंह दीप वासी वाधपुर थाना तहसील जिला
 हुशियारपुर।
 (अन्तरक)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
 अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति समाति में इच्छा रखता है (वह व्यक्ति, जिनके
 बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह व्यक्ति सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,
 वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4809 मार्च 1980
 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

आर० गिरधर,
 मक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980
 मोहर :

प्र॒रूप आई० टी० एन० एस० ——————

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश मं० ए० पी० नं० 2313—यतः, मुझे, अ०२०
गिरधर,

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, निसारा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

श्रीरजिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नई
आवादी अबोहर में स्थित है (श्रीरजिसमें उपान्दुष्ट अनुसूची में
श्रीर धूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय,
अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर
प्रतिरिति (अन्तरितियों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी ग्राम्य की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के किए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम्य या किसी ब्रन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातुः—

1. श्री मोम नाथ वासी गली नं० 11 नई आवादी अबोहर
तहसील फार्जिलका।

(अन्तरक)

2. श्री ग्रोम प्रकाश पुत्र मुन्जी गम वासी गली नं० 11 नई
आवादी अबोहर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हस्ति रखता है। (वह व्यक्ति जिनके
बारे में अबोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहरताक्षरी के पास
लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वहीं प्रथम होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि लिखेत्वा नं० 3043 मार्च 1980
को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी अबोहर ने लिखा है।

आर० गिरधर
मक्षम प्राधिकारी
महायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर, 1980

निवेद सं० ए० पी० 2314—यतः, मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन साम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मिलिह स्पताल फिरोजपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए प्रतिरक्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक्ति (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से छिपा नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूर ही निरी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के असरक के कार्यित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसो आय या हिसो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें पारसीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज्यमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाके में सुविधा के लिए।

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 289-घ के अनुचरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यात्,—

1. श्री मुलख राज पुत्र गम चन्द निवासी फैजिक (अन्तरक)
2. श्री सुरिन्दर लाल मारफत मैमर्स आजाद टैट हॉटस नजदीक मिलिह स्पताल फिरोजपुर (अन्तरिती)
3. जैमा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्व दोगा जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विनेख नं० 6015 दिनांक 17-3-1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

अर्जित गिरधर
मक्तम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्र० प्र० श्री० टी० एन० एस०—
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2315—यतः, मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सिविल हस्पताल फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा प्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के वन्नवद्ध प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

-356GI/80

1. श्री मुख्य राज पुत्र राम अंद निवासी फैजिल्का (अन्तरक)
2. श्री प्रशोक कुमार मारफत मैसर्स आजाद टैन्ट हाऊस नजदीक सिविल हस्पताल फिरोजपुर (अन्तरिती)
3. जैसाकि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6016 दिनांक मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्टा प्रधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-11-1980
मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापार
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2315—यतः, मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापार 269-व
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सिविल
हस्पताल फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फिरोजपुर में रजिस्टर्ड करण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थायमान
प्रतिफल के लिए अन्तीम की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का स्वान्ना है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्री-फल में ऐसे स्थायमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिक्रिया
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वैधानिक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रबन्धक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की व्यापार 269-व के प्रनुभरण
में, उक्त अधिनियम की व्यापार 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुलव राज पुत्र राम चन्द निवासी फाजिल्का
(अन्तरक)
2. श्री महिन्दर कुमार मारफत मैसर्स आजाद टैट हाउस
नजदीक सिविल हस्पताल फिरोजपुर
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अंतर के
लिए कार्रवाचियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पंचांगी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6017 दिनांक
1980 मार्च को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा
है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-11-1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं. ए० पी० नं. 2317—यतः, मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो दाना मण्डी में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में भी पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायोलय, गढ़ जंकर में रजिस्ट्री उत्तर अधिनियम, 1908 (1908 का 16)) के अधीन, तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, ऐसी उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत् ।—

1. श्रीमती पुष्पा वर्ती खोसला पत्नी रनबीर सिंह गांव गढ़शंकर तहसील गढ़शंकर जिला हुशियारपुर। (अन्तरक)
2. श्री सोहन लाल दरोच पुत्र लेख राज गांव आईमान मुगलान तहसील गढ़शंकर जिला हुशियारपुर। (अन्तरिती)
3. जैसाकि ऊपर नं. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कायंवाहिया करवा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3983 मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़शंकर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980
मोहर

प्रकल्प आई०टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए०पी०नं० 2318—यहाँ, मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)में (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को आया 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो न्यू दाना मण्डी मुक्तसार में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (मत्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में घासद्विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय को उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की ओरा 269-घ के मनुसरण में, में उक्त अधिनियम की ओरा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्ति—

1. श्री जर्नेल सिंह पुत्र शेर सिंह वासी मुरादाबाद (अन्तरक)
2. श्री कोर चन्द, शिव हन्द्र कुमार, जगदीश लाल परषोत्तम लाल सुपुत्र मंगल राम वासी बैरीचाला (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही पर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 425 मई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटो टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2319—यतः, मुझे, आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विषयास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट
कपूरा रोड़, मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लूप्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण
है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके लूप्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितकों) के बीच ऐसे
प्रतरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से
उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाया
है।—

(क) प्रतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के प्रतरक के वायिक में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, घोषणा

(ख) देसी किसी आय या किसी बन या अन्य साहित्यों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तररकी द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री रमेश कुमार पुत्र प्रकाश चन्द्र,
प्रकाशवती तथा सुदर्शन, सुमील तथा मालती वासी
मुक्तसर द्वारा रमेश कुमार मुख्यार आम
(अन्तरक)

2. मेसर्जू मुकेश बासंल ट्रस्ट मुक्तसर द्वारा ज्ञा० तरसेम
कुमार बासंल, एम० बी० बी० एस० कोट कपूरा रोड़,
मुक्तसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपरनं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए जारीवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं,
वहों अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 3087 मार्च 1980
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980
मोहर :

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2320—यतः, मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जैसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गड़ा
रोड़, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितरी
(अन्तरितरीताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अष्टौतु—

1. श्री जंगजीत सिंह डेल पुत्र डा० अर्जन सिंह, द्वारा दरबारा
सिंह डिल्ली ग्रामीण मारकत डा० अर्जन सिंह 414,
मौजा सिंह नगर, जालन्धर

(अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल, किशोरी लाल सपुत्र मौजी राम
बहल, मारकत मैसर्ज बाबू ट्रैवल्स 6 (बी-44)
गड़ा रोड़ नज़दीक जनरल बस स्टैण्ड जालन्धर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सम्पूर्ण

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8410 मार्च 1980
को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जालन्धर में लिखा है ?

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980
मोहर :

प्रकाश प्राइंटोरी प्रदूष प्र० १००-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० न० 2321—यगः मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट कपूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 208 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित छोड़ दिया गया है और अन्तर्काल में उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये उत्तराधिकारी के अधिकार अन्तरित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बीच/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रबृ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब की उन्नधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारियों, अर्थात् :—

1. श्री बलवन्त सिंह पुत्र गनेश सिंह वासी कोट कपूरा (अन्तरक)
2. मैमै अग्रवाल कॉटन गिरिंग फैस्टरी कोटकपूरा (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभौग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकारियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त अधिकारियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि लिखेख नं० 3819 मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्रैलुप आई० टी० एन० एस०--

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निवाश सं० ए० फी० नं० 2322—यतः, मुझे आर गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन संभास प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट-कपूरा में स्थित है (और इससे उपाखद्वा अनुसूची में और पूर्वी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री सोहन सिंह, रोध सिंह सपुत्र सावन सिंह वासी कोटकपूरा (अन्तरक)
2. श्रीमती कलावंती पत्नी दीनानाथ मारकत गुप्ता पौलटरी फार्म, कोटकपूरा (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3803 मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

आर० गिरधर
संभास प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
तारीख : 15-11-1980
मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०——

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2323-यतः, मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटि
कपूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्राल को गहरा है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हरहौं किसी आय की आवृत्त उक्त उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
किसी करने या उसमें बचने में सूचिधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

15-353 GI/80

1. श्री सोहन सिंह, रोध सिंह सपुत्र सावन सिंह वासी
कोटकपूरा।

(अन्तरक)

2. श्री घनशाम वास गुप्ता पुत्र दीना नाथ गुप्ता वासी
कोटकपूरा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर निम्ने 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन को लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3799 मार्च
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

ग्राह० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्रधान प्राईन टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा
धारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2324—यतः, मुझे, आर० गिरधर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्ट से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रप्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि प्रधानपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रधारकों) और अन्तरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निर्धारित में बास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के अधिनियम में कमी करने वा सस्ते बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी घम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धरने र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्देश्यानुरूप अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपरोक्त में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपावारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुन्दन लाल, हरबन्स लाल, तोदर चन्द सपुत्र मुन्दर भल, गरेन मार्कोट कोटकपूरा

(अन्तरक)

2. श्री महन लाल पुत्र जुगराज भल वासी कोटकपूरा (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के बाबत में होई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तस्वीरधीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पर्याप्तता द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानपूर्वोक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही पर्याप्त होगा जो उप याताय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2681 मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2325—यतः, मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीरजिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है (तथा जो कोटकपूरा
में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पब्लिक प्रतिशत से अधिक है श्रीर
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं विद्या गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-

सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यात:—

1. श्री कुन्दन लाल, हरबन्स लाल, तोदर चन्द सुपुत्र सुन्दर
मल गरेन मार्किट कोटकपूरा तहसील फरीदकोट
(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा रानी पत्नी मदन लाल कोटकपूरा
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखन नं० 1287 जून 1980
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

आर० गिरधर,
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

लायनिय, सहाय शायकर शायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर,

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए०पी० नं० 2326—यतः मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन राजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोज पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फन्दह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रन्तरण विविध में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की आवश्यत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायिसव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनमर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगताथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् 1—

1. कुमारी गुरुचरन कौर पुन्नी लाल सिंह निवासी फिरोजपुर

(अन्तरक)

2. कु० जोग माया निवासी फिरोजपुर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिष्ठोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रवोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी नहीं पूर्वोक्त गमति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां दरता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख ते 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में यमात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से निसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भमति में हितबद्ध कियी अन्य अविक्त द्वारा, श्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षोकरण :—उमे प्राकृत गब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उप अन्याय में दिया गया है।

अमृसची

सम्पत्ति तथा अविक्त जैसा कि विलेख नं० 4885 दिनांक मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के फिरोजपुर में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं 2327—यतः मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यद् विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है (तथा जो
फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फिरोज पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है प्रौढ़ मूल्य यह विश्वास करने का
कारण है कि यथात् उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वरूप प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौढ़ प्रतिशतों (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे असरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिरोध लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद किसी आप को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन हर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमो तरने या उपरे वर्तों में पुरिया के लिए;
वै/ग्रा/गा

(ख) जेसो जिसो आप या किसी और पर्याप्त विवरण को
जिन्हें भारी० आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आया आहिए पा, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ता :-

1. कुमारी गुरचरन कीरुती लाल सिंह गिवासी फिरोज पुर
(अन्तरक)
2. श्री मोहिन्दर कुमार निवासी फिरोजपुर
(अन्तरिती)
3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है) जै
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यद्य सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्यम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
वर्ता होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 8886 दिनांक

मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

आर० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्राधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2328—यतः, मुझे, आरोग्य विभाग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोज पुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च 1980

को पूर्वोन्मत्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दरमान प्रतिफल से एसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बद्धने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविहए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कुमारी गुरचरण कौर पुर्णी लाल सिंह निवासी फिरोजपुर
(अन्तरक)
2. श्रीमती ज्ञान देवी निवासी फिरोजपुर
(अन्तरित)
3. जैसा कि ऊपरनं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है विष्वास
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5907 दिनांक
मार्च 1980 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

आरोग्य विभाग
सभ्यम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एन० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2329—यतः, मुझे आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सेखू
तहसील मुक्तसर में स्थित है (ओर इससे उपाकृत अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय,
मलोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से उई किसी आय को बाहर उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
त्रुटिया के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिराने में
मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम सी घारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व (1) की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. तथाल काइनेस एंड चिट फण्ड कम्पनी रजिस्टर्ड मलोट
द्वारा नर्थ राम पुत्र जगन्नाथ, राम सरन पुत्र तुलसी
राम वासी मलोट तथा अशोक कुमार तथा सरोज बाला
पुत्र धर्म प्रकाश पुत्र देवी चन्द मलोट मण्डी द्वारा धर्म
प्रकाश मलोट मण्डी मुख्यत्यार-ए-आम

(अन्तरक)

2. श्री अविनाश कुमार पुत्र रोशन लाल वासी मलोट
मण्डी।

(अन्तरिती)

3. श्री राफिऊर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जाने करने पूर्वोक्त नमानि के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 66 अप्रैल 1980
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980

मोहर :

प्रधान धाई० टी० एस० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2330—यतः, मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए में अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सेखु
नहीं मुक्तसर में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मलोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख अप्रैल 1980

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और पन्नरक (अन्तरकों) और अत्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उपधारा (1) के प्रधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. नयाल फाइनेन्स चिट फण्ड कम्पनी रजिस्टर्ड मलोट
द्वारा नत्यू राम पुत्र जगन्नाथ, राम सरन पुत्र तुलसी
राम वासी मलोट तथा अशोक कुमार और सरोज
बाला पुत्र धर्म प्रकाश पुत्र देवी चन्द, मलोट मण्डी
द्वारा धर्म प्रकाश, मलोट मण्डी मुख्यार-ए-आम
(अन्तरक)

2. श्रीमती वीरावाई पत्नी अविनाश कुमार वासी मलोट
मण्डी
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह त्रुता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
तयाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
से किये जा सकें।

साड़ीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अडाय 20-क में परिभाषित हैं, कही
प्रयोग होता, जो उक्त पदाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 86 अप्रैल 1980
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 15-11-1980
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कीर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निरेण सं० ए० पी० नं० 2331-यतः, मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो जी० टी० रोड़, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपब्राह्म (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः:—

16-356 G I/80

1. (1) श्री तेलू राम पुत्र राम दास,
2. निर्मल कुमार पुत्र तेलू राम
3. सुन्दरा देवी पत्नी तेलू राम वासी नजदीक फगवाड़ा

(अन्तरक)

2. श्री परमजीत सिंह पुत्र बीर सिंह, अमरीक सिंह पुत्र बीर सिंह, रणपाल कौर पत्नी बीर सिंह, रमिन्द्र सिंह पुत्र परम जीत सिंह, बलबीर कौर पत्नी अमरीक सिंह, तजिन्द्र सिंह पुत्र अमरीक सिंह, चनन कौर पत्नी बीर भिं वासी हरदास पुर, हरभजन कौर पत्नी सुखा सिंह, महंगा सिंह पुत्र प्रताप सिंह, मोहिन्द्र कौर पत्नी महंगा सिंह वासी ऊँच्चा जिला जालन्धर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरिये व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2648 मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-11-1980

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निदेश मं० ८० पी० न० 2332—यतः, मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० जैसा कि अनुमूली में लिखा है तथा जो जी०
टी० रोड़, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूली
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
भूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री तेलू राम पुत्र राम वास
(2) श्री निर्मल कुमार पुत्र तेल राम,
वासी नजदीक पेराडाईज
सिनेमा जी० टी० रोड़, फगवाड़ा (अन्तरक)
2. परमजीत सिंह पत्नी बीर सिंह, अमरीक सिंह पुत्र
बीर सिंह, रक्षापाल कौर पत्नी बीर सिंह, रमिन्द्र सिंह
पुत्र परमजीत सिंह दलबीर कौर पत्नी अमरीक सिंह
तजिन्द्र सिंह पुत्र अमरीक सिंह, तजिन्द्र सिंह पुत्र अमरीक
सिंह, चनन कौर पत्नी बीर सिंह, वासी गांव हरदास
पुर तहसील फगवाड़ा जिला कपूरथला हर भजन कौर
पत्नी सरवन सिंह पुत्र चनन सिंह, महंगा सिंह पुत्र
प्रताप सिंह, मोहिन्द्र कौर पत्नी महंगा सिंह वासी
ऊचा जिला जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते;

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तरूपी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 474 मई 1980
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा र।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-11-1980
मोहर :

प्रृष्ठ पाई, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० न० 2333—यतः, मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोपाल
नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूचण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा /1/
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

1. श्री बहादुर सिंह पुरुष दौलत राम वासी हरबन्स नगर
पीछे आदर्श नगर जालन्धर क्लाउंट मर्केट, जैन
मार्केट, नजदीक गुड मण्डी जालन्धर
(अन्तरक)
2. श्री कैलाश खुराना वासी 497-ए, गोपाल नगर जालन्धर
(अन्तरक)
3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हाचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 8340 मार्च
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 17-11-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. पट्टम्—
आधिकार अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) को
भारा २६९ घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक १७ नवम्बर १९८०

निदेश सं० ए० प०० न० २३३४—यतः, मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा २६९-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोपाल
नगर, जालन्धर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का
१६) के अधीन, तारीख मई १९८०

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
तिक्तक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीदित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
भत्तकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के, अनुसरण
में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

१. श्री बहादुर सिंह पुत्र दोलताम वासी हरबन्स नगर
(पीछे आदर्श नगर) जालन्धर क्लाथ मचेन्ट,
जैन मार्कीट नजदीक गुड मण्डी, जालन्धर
(अन्तरक)

२. श्री गुरवरण दास वासी ४०७-ए गोपाल नगर,
जालन्धर
(अन्तरिती)

३. जैसा कि ऊपर तं० २ में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

४. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हथि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः——इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिस्थिति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० ८७८ मई १९८०
को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : १७-११-१९८०
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2335—यतः मुझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कुट्टरान रोड़, कागवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कागवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहों किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कपी करने या उससे बच्ने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(क) पूर्सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया
था या किया जाना चाहीए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर पाखर सिंह पी० ए० श्रीमती वन्त कौर विधवा
दुक्कम सिंह निवासी मकान नं० 243 ग्राम लुधियाना
(अन्तरक)
2. श्री विरेन्द्र सध्वानी बकील गऊ शाला रोड़ कागवाड़ा
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्थित रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विसूच नं० 2496 दिनांक
मार्च 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कागवाड़ा में लिखा है।

आर० गिरधर:
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 18-11-1980

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन.: एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, -बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 अक्टूबर, 1980

निम्न सं. ए० आर० -II/2957-8/मार्च 80 यतः मुझे,
जे० ए० तेताले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ० प्लाट नं. 49 टि० पी० एस० 4
थ० सी. टि० सर्व० नं. एफ०/1049:—है तथा चो बांद्रा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 24 मार्च, 1980,

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रांतफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत हूँ:—

1. डा० श्रीमती कमला ए० फेंचमन
(अन्तरक)
2. न्यू पास्म स्प्रिंग प्रियामसीस को श्रांप० सो० लिमिटेड
(अन्तरिती)

अनुसूची के अनुसार

1. सी० लेस्टर डिसोजा
मिसेस हिन्सीन डिसोजा
ओरलैंड डिसोजा।
2. मि० बलफेड डिमेसो
मिसेस डिमन एम० डिमेलो।
3. मि० फेडिक जे० एफोन्से
मिसेस सिंधीया एम० एफोन्सो
4. मि० लहस जी डिसा
मि० अग्नेलेय डिसा
5. मिस एल० परेरा
मिसेस एल० परेरा
6. मिस टेरेसा डिसील्वा।
7. मि० लक्ष्मीस मेनेशिस।
मिसेस सेलिन मनेशिस।
8. मि० केसर ए० खान।
9. मि० अष्टार हसन रीझबी।
10. मि० अलि तकधीर।
11. मिसेस मिना ए० रीझबी
12. मेससेम रीझबी बिल्डर्स।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं. 51/79 बम्बई उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 24-3-1980 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

जे० ए० तेताले,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज बम्बई।

दिनांक: 22 अक्टूबर 1980

मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, मई, 1981

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

सं. फा. 7/5/80-प. (ख) — राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थलसेना, नौ सेना तथा वायु मेना स्कॉल्स में प्रवेश हेतु जनवरी 1982 से आरम्भ होने वाले 67वें मध्य के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 20 मई, 1981 से एक परीक्षा आयोजित की जायेगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियाँ की अनुमानित संख्या 300 (थल सेना के लिए 195, नौसेना के लिए 39 और वायु सेना के लिए 66) होंगी।

ध्यान दें :—

उम्मीदवार को आवेदन-पत्र के कालम 8 में यह स्पष्ट रूप से बतलाता होगी कि वह किन सेवाओं के लिए वरीयता क्रम में विचार किया जाने का इच्छक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते मध्य उसकी वरीयताओं पर भली-भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट उन सेवाओं के वरीयता-क्रम में परिवर्तन में संबंधित किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा ध्यान बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली स्तर और पाठ्यक्रमों (ख) अकादमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश पात्र वाले उम्मीदवारों की सेवा आयोजित संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमशः परिशिष्ट I, II, और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोट:-परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तु-पूरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट V में उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका देखें।

2. परीक्षा के केन्द्र : अगरतला, अहमदाबाद, एजेल, इलाहा-बाद, बंगलौर, भोपाल, बॉम्बे, कलकत्ता, चण्डीगढ़, क्रोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपूर (गोहटी), हैदराबाद, इमफाल, इटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहीमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोदा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेशर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और प्रिवेन्ट्रम्।

3. प्राप्ति की शर्तें :

(क) राष्ट्रिकता :

उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो; या
- (ii) भटान की प्रजा हो; या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो; या

(iv) भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से 1 जनवरी 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो; या

भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जाम्बिया, मलावी जैसे तथा इथियोपिया और वियतनाम से प्रवृत्त कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) और (v) के अंतर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने प्राप्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह प्राप्ति प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए यह प्राप्ति प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा, उसको इस शर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और अकादमी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार से वह उत्तर प्रसान पत्र प्राप्त करे।

(ख) आयु सीमाएं, स्त्री या पुरुष और वैवाहिक स्थिति :— केवल वे ही अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जून 1963 से पूर्व तथा 1 जनवरी, 1966 के बाद न हुआ हो।

नोट:-जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैट्रिक-लेशन/हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा-प्रमाण-पत्र में लिखी गई हो।

(ग) शैक्षक योग्यताओं : राज्य शिक्षा बोर्ड या मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की हायर सेकेन्डरी परीक्षा या समकक्ष। वे उम्मीदवार भी पात्र हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अंतर्गत 11वीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली है।

ऐसे उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने अभी हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा या स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अंतर्गत 11वीं परीक्षा पास करनी है।

से. च. बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त करने काले उम्मीदवारों को 19 दिसम्बर, 1981 तक जपने हायर सेकेन्डरी या समकक्ष प्रमाण-पत्र मूल रूप में सेना मुख्यालय आर.टी.जी. 6 (एस.पी.) (ए.), वेस्ट ब्लाक, III आर. के. पुरम, नई दिल्ली-110022 को प्रस्तुत करने होंगे। ऐसे न करने पर उनकी उम्मीदवारी रख दी जाएगी। ऐसे मामलों में जहां बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा अभी तक प्रमाण-पत्र जारी नहीं किए गए हों, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के द्वारा दिए गए मूल प्रमाण-पत्र भी आयोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

अपवाह की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार के द्वारा नियम से निर्धारित योग्यताओं में से किसी से यूक्त न होने पर, भी शैक्षक रूप से योग्य मान सकता है बशर्ते कि उसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर, आयोग के विचार से उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहराता हो।

नोट 1 :—वे उम्मीदवार, जिन्हें हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा में अभी अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दी दी है, नोट कर लें कि उनके दी गई यह विशेष छाट है। उन्हें हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बोर्ड/विश्वविद्यालय परीक्षा के द्वारा से आयोजित किए जाने, परिणाम-

घोषणा में, विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट 2:-जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पास नहीं होंगे। अगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जायेगी।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क :--रु. 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिए रु. 7.00)। जिन आवेदन पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकबद्ध अस्वीकार कर दिया जायेगा।

5. शुल्क से छूट :--(1) आयोग, यदि चाहे तो निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रवृज्ञ कर आया है या वह दर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय भूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 के या उसके बाद भारत में प्रवृज्ञ कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया है या आगे दाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(2) भल सेना के जूनियर कमीशन्ड अफसरों, नान-कमीशण्ड अफसरों तथा अन्य रैक्फ़े और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वाय-सेना के समकक्ष रैक्फ़ों के बच्चों और थल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशन्ड अफसरों, भूतपूर्व नान कमीशन्ड अफसरों तथा भूतपूर्व अन्य रैक्फ़ों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वाय-सेना के समकक्ष रैक्फ़ों के बच्चों की उस स्थिति में निर्धारित शुल्क देने की जल्दत नहीं होगी जब वे निम्नलिखित शर्तों पूरी कर देते हैं; अर्थात् :--

- (i) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से जाते)/सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, और
- (ii) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा इस अनशंसा के साथ अग्रेषित कर दिए जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न पत्रों में कल अंकों के कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की आशा है।

6. आवेदन को से किया जाए :--केवल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा भई, 1981 के लिए निर्धारित प्रपत्र में छपे हए आवेदन-पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हए हैं। आवेदन-पत्र पर दार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली 110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं:--

- (i) संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को दो रुपये सी-आर्डर या नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रखां-कित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा;
- (ii) दो रुपये नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउन्टर पर;
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी परिया/सब एरिया मर्खालय, वाय सैनिक चयन केन्द्रों एवं सी.सी.ए.के एकत तथा नौसेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुल्क।।।

आवेदन प्रपत्र तथा पांचती कार्ड उम्मीदवार के हाथों से ही भरे जाने चाहिए। सभी प्रविष्टियां शब्दों में होनी चाहिए, रेखाओं या विन्दुओं में नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन पत्र रद्द किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले आद्यार्थिक उपकरणों या उसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थानों में नियुक्त हों, आयोग के सीधे आवेदन पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में दोर से पहुंचे तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, आक्रिस्मक या दैनिक दर कर्मचारी से द्वारा स्थायी या अस्थायी हैंसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैंसियत से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परिवर्तन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने नियोक्ता रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को मूर्चित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

जो उम्मीदवार सशस्त्र सेना में सेवारत है, उन्हें अपने आवेदन पत्र अपने कमांडिंग ऑफिसर को प्रस्तुत करने चाहिए जो प्रस्तुत (आवेदन-पत्र के भाग 'स' के अनुसार) को पूरा करके आयोग को अप्रेषित करेंगे।

नोट:-भारतीय नौसेना के नाविक (बाल तथा कारीगर प्रशिक्षण सहित) पहली तरजीह भारतीय नौसेना को दें। उनके आवेदनों पर तभी विचार होगा जब वे कमान अफसर द्वारा विधिवत अनुशंसित कर दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कालिज (पहले सैनिक स्कूल के नाम से जात), देहरादून के कोडेटों, मिलिटरी स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से जात) तथा सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को कालिज/स्कूल के प्रिंसिपल के माध्यम से अपने आवेदन-पत्र भेजने चाहिए।

7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तारीख :--

(i) अंतिम तारीख :--27 जनवरी 1981

(विवेदों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोराम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम तथा जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख क्षेत्र में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 9 फरवरी, 1981।

नोट :--जो उम्मीदवार एसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले पैरा 7 के उप-पैरा 2 के अधीन आवेदन की प्रस्तुति है, अतिरिक्त समय के हक्कार है उन्हें आवेदन पत्र के संगत कायम में अपने पतों में उस क्षेत्र विशेष का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लद्दाख क्षेत्र) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।।।

8. प्रलेख जो आवेदन के साथ प्रस्तुत हों।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :--

(i) रु. 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु. 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नहीं

दिल्ली प्रधान शाक धर पर दैव रंगारित भारतीय पांस्टल आईआर के जरिए या सचिव, मंध लोक संघ आयोग के नाम भारतीय स्टेट दैव शुभ्य शाक दैव दिल्ली पर दैव भारतीय स्टेट दैव के किसी भी शाक से जारी किए गए रंगारित दैव डाफ्ट के जरिए।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहाँ के भारत के उच्च आयुक्त, गजदूत या विदेश मिथि प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हों, के कार्यालय में निर्धारित शूलक इत्याकर, जिसमें वह “051 लोक लोदा आदेश परीक्षा शूलक” के अन्तर्गत में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदनपत्र के साथ भेज दौ।

(ii) उपमिथि पश्च, (उत्तरेश पश्च के साथ मंलग्न) विधिवत भरा हूँ।

(iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 मं.मी. X 7 मं.मी.) के कांटों की एक जैसी दो प्रतियां जिनके उत्परी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत आंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन पत्र के प्रथम पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्र पर निर्धारित मान पर छिपका देनी चाहिए।

(iv) लगभग 17.5 मं.मी. X 27.5 मं.मी. आकार के दो बिना टिकट लग लिफाफे, जिन पर आपका पता लिखा हुआ हो।

(स) अनुसूचित जातियाँ/अनुसूचित जनजातियाँ के उम्मीदवारों द्वारा :—अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हाल के दावों के समर्थन में जहाँ उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हैं, उसे जिले के किसी सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) परिशिष्ट IV में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र भी अभिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिनिधि।

(ग) शूलक से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :—

(i) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संसद या राज्य विधान-संडिल के सदस्य में लिए गए प्रमाणपत्र की अभिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शूलक देने की स्थिति में रही है।

(ii) बस्तूत: विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के शब्द के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गये प्रमाण-पत्र की अभिप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान में विस्थापित व्यक्ति

(i) दड़कारण्य परियोजना के ट्रांजिस्ट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर कमिट्टी।

अथवा

(ii) उस इलाके का जिला सैर्जिस्टेट जहाँ पर वह, फिलहाल रह रहा है।

अथवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभागी अतिरिक्त जिला सैर्जिस्टेट।

अथवा

(iv) सब-डिविजनल अफसर अपने अधीनस्थ सब-विवीजन की सीमा तक।

अथवा

(v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(vi) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित :—

श्रीलंका में भारत का उच्चायोग

(g) बर्मा से प्रत्यावर्तित :—

भारतीय राजदूतावास, रगून या उस इनाके का जिला मजिस्ट्रेट जहाँ पर वह रह रहा है।

9. शूलक की वापसी :—आवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया शूलक वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता :—

(i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शूलक दे दिया है, पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसके रु. 15.00 (अनुसूचित जातियाँ/अनुसूचित जनजातियाँ के उम्मीदवारों के सामने में रु. 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अन्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार हायर संकेण्टरी या समकक्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या हायर संकेण्टरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पायेगा तो उसके लिए शूलक की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

(ii) जो उम्मीदवार दिसम्बर, 1980 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिए उसका नाम अनुशासित हुआ हो तो उनके मामले में रु. 28.00 (अनुसूचित जातियाँ/अनुसूचित जनजातियाँ के सामने में रु. 7.00) का शूलक वापस दिया जा सकता है, पर यह जमीन है कि मई, 1981 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी स्दूर कराने और शूलक वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 अगस्त, 1981 को या उससे पहले पहुँच जाए।

10. आवेदन प्राप्ति की सूचना :—इस परीक्षा के लिए निर्धारित फार्म में भिन्न सभी आवेदनों के पहुँचने की सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पर्याप्त तारीख से एक महीने के अंदर न भिन्ने तो उसको प्राप्ति-सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग में संपर्क करना चाहिए।

11. आवेदन का परिणाम :—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के निए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश :--किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अन्तिम होगा। आयोग में प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं किया जाएगा।

13. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के सिलाफ कार्यवाही :-- उम्मीदवारों को चंतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दे और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपायें। उम्मीदवार को यह भी चंतावनी दी जाती है कि उनके दूदारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उनको अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न फेर-बदल किए गए/जाली प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के वो या अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिसियों में कोई अशुद्ध या असंगति हो तो डस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी पार्दीपत होता है या हो चुका :--

- किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना ; या
- किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना ; या
- अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना ; या
- जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना ; या
- अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना ; या
- परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुसूचित लाभ उठाने का प्रयास करना ; या
- परीक्षा के समय अनुसूचित तरीके अपनाए हों ; या
- उत्तर पुस्तका (आ) पर असंगत बातें लिखी हों जो अल्लील भाषा या अभद्र आशय की हों, या
- परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घट्याहार किया हो ; या
- परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्त्तव्यारियों को परंशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो ; या
- उपर के लिए में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की ओर आयोग को उल्लेजित करना।

वह अपने को दण्ड-अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त--

- वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग दूदारा आयोग ठहराया जा सकता है।
अथवा
- (ii) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए ;
(ii) केंद्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ निर्विष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है ; और

(g) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमों के अनुसार अनुशासनिक कारबाही का पात्र होगा।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्त्रीय तब तक नहीं दी जाएगी जब तक

- उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह दंना चाहे प्रस्तुत करने का अवमर न दिया गया हो, और
- उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

14. मूल प्रमाण पत्रों का प्रस्तुतीकरण

जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर से. च. बोर्ड के हस्ताक्षर से अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें साक्षात्कार के तुरन्त बाद अपनी आयु तथा शैक्षिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण-पत्र मेना भुलाय, आर.टी.जी. (एस.पी.) (ए.), वेस्ट ब्लाक आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110022 को प्रस्तुत करने होंगे।

15. आवेदन के संबंध में पत्र-व्यवहार :--आवेदन के संबंध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नांकित विवरण अवश्य होना चाहिए।

- परीक्षा का नाम
- परीक्षा का वर्ष और महीना।
- योंल नम्बर या जन्म तारीख (अगर गेल नम्बर नहीं मिला हो)
- उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हजा)
- पत्र-व्यवहार का पता, जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

ध्यान दें :-- जिन पत्रों में उपर का लिखा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कारबाही न हो।

ध्यान दें :-- यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार को पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कारबाही नहीं की जाएगी।

16. पते में परिवर्तन :--उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उनके आवेदन-पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पते आदि आवश्यक होने पर उसके नीचे पते पर भिजवा दिए जाएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे उपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीघ्र मूलित कर देना चाहिए।

मेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनशंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के निलंबित आवेदन करने के बाद उपना पता बदल दिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल मेना भुलाय, ए.जी. बॉन्च रिकॉर्डिंग 6 (एस.पी.) (ए) वेस्ट ब्लाक 3, विंग-1 रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को मूलित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करता वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के बावें से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस संबंध में वे अपने उपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के संबंध में पृष्ठ-सालः—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अनुशासित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पृष्ठाओं और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए. जी. बॉर्च, रिकूटिंग, 6 (एस. पी.) (ए.) बेस्ट ब्लाक 3, विंग-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों के साक्षात्कार के लिए भेजे गए समन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार के स्थगित करते से सम्बद्ध अनुरोध पर केवल अपवावात्मक परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णयिक प्राधिकारण सेना मुख्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लांक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई अंतिम योग्यता-सूची में हैं यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूचीना मुख्यालय, ए. जी. बॉर्च, रिकूटिंग 6 (एस. पी.) (ए) बेस्ट ब्लाक 3 विंग, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के द्वारा चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार संभालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सकें। यदि एंसा नहीं किया गया तो कार्यभार संभालने के अनुदेशों के न मिलने की जिम्मेदारी उम्मीदवारों की होगी।

18. निखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यताप्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अंतिम परिणाम की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाये गये उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेशः—संघ लांक सेना आयोग, लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेंगे। ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे जहाँ थल सेना/नौसेना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा वायुसेना के उम्मीदवारों का पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में अधिक से अधिक 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जांचम पर वहाँ के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षति पूर्ति या सहायता पाने के बे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के माता-पिता या अभिभावकों को इस आश्य के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

(ग) केन्द्र मरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के निए स्थायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है; और

स्वीकृति हेतु, थल सेना/नौसेना के उम्मीदवारों को (i) निखित परीक्षा तथा (ii) अधिकारी क्षमता परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किये जाएंगे और वायुसेना के (i) लिखित परीक्षा। (ii) अधिकारी क्षमता

परीक्षण तथा (iii) पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किए जाएंगे। इन शर्तों पर अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता के अंतिम क्रम में वो अलग-अलग सूचियों में—एक थल सेना तथा नौसेना के लिए और द्वारा वायुसेना के लिए—रखा जाएगा। जो उम्मीदवार सेना के सभी अंगों के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों योग्यता-सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना तथा नौसेना के विंगों में प्रवेश के लिए अंतिम चयन थल सेना नौसेना की योग्यता-सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम दोनों योग्यता-सूचियों में हैं उन पर दोनों सूचियों में चयन हेतु विचार उनके वरीयता क्रम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची में अंतिम रूप से धून लिए जाने पर दूसरी सूची में उनका नाम रद्द कर दिया जाएगा।

ध्यान दे :—वायुसेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वायुसेना चयन बोर्ड के सामने बाद में होने वाले प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जायेगा। जो उम्मीदवार पाइलट एप्टीच्यूट के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के वायुसेना विंग या जनरल ड्यूटी (पाइलट) बांध या केवल एंडर ए. आर. एस. में प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा. र. अकादमी कोर्स में पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण हो गया हो और उसमें अर्हता प्राप्त कर लेने की सूचीना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायुसेना विंग के लिए ही अपना आवेदन करना चाहिए।

अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किये जाएं, इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कांइ पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने साथ से अकादमी में प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। उम्मीदवार को नियुक्ति प्राधिकारी को संतुष्ट करना होगा कि वह अकादमी में प्रवेश के लिए सभी तरह से उपयुक्त है।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अनर्हताएँ :—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा चुके थे पर अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण या अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिए गए थे, उनको अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों के अस्वस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से वापस लिया गया हो या जिन्होंने अपनी इच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवेश मिल सकता है बास्तवें कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निर्धारित शर्तों परी करते हों।

20. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण के दौरान विदाह पर प्रतिबंधः—उम्मीदवारों द्वारा इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवंदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिए चना नहीं जाएगा, जहाँ वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा सच्च किया है, वह सब उससे बमूल किया जाएगा।

21. नियमावली और प्रश्न पत्रों से युक्त पुस्तकाएँः— राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, दिसम्बर, 1977 से इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित सभी प्रश्नपत्रों से 'वस्तु परक' प्रकार के प्रश्नों का आरम्भ होने से इस परीक्षा की नियमावली और प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तकाओं का महान बन्द कर दिया गया है। किन्तु मई 1977 में ली गई राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा सहित पिछली परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तकाओं की प्रतियों की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइस्स, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मैल आडर द्वारा अथवा सीधे नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब भहल, रिखोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया दिल्लीग 'मी' ब्लाक, बाबा खड़क रिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, प्रकाशन शाला, उद्घो भवन, नई दिल्ली-110001 के बिक्री काउन्टर और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक लिपो, 8, के.एस. राय, रोड, कलकत्ता-700001 से भी केवल नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तकाएँ विभिन्न मुफ्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेन्टों से प्राप्त की जा सकती हैं।

22. बौद्धिक परीक्षण संबंधी मुच्चना :—रक्षा मंत्रालय (मनो-वैज्ञानिक अनुसंधान निदेशलय) ने 'संवा-चयन बोर्ड' में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन (एस्टडी आफ इंटेलिजेंस टेस्ट कोर्स आफ केंडिट्स एस्ट सर्विसेस सेलक्शन बोर्ड्स) शीर्षक वाली पुस्तक प्रकाशित की है। इस प्रस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार संवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षाओं के स्वरूप और स्वभाव से परिचित हो जाएं।

यह पुस्तक समूल्य प्रकाशन है और उपर्युक्त पैरा 21 में बताए गए स्थानों से मिल सकती है।

विनय भा, उप सचिव

परिशिष्ट

(परीक्षा की योजना और पाठ्य विवरण)

(क) परीक्षा की योजना

1. नियमित परीक्षा के विषय, नियत समय तथा प्रत्यंक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

विषय	मम्य	अधिकतम अंक
1	2	3
1. अंग्रेजी	2 घंटे	250
2. गणित-प्रश्न-पत्र I	2 घंटे	125
प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	125

1	2	3
3. सामान्य ज्ञान--प्रश्न पत्र (विज्ञान) प्रश्न-पत्र (सामाजिक अध्ययन, भूगोल तथा सामाजिक मामले)	2 घंटे	200
	2 घंटे	200
		900

2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों महित अन्य विवरण के लिये कृपया परिशिष्ट V में उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणका देखें।

3. प्रश्न-पत्रों में जहाँ भी आवश्यक होंगा, केवल तालं और माप की मीटरी पद्धति में मंबंधित प्रश्नों को ही पूछा जायेगा।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी हालत में उन्हें प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता न नहीं की जायेगी।

5. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अहंक अंकों का निर्धारण आयोग की विवाद पर हो।

6. केवल सत्ती ज्ञान के लिये अंक नहीं दिये जाएंगे।

(ख) परीक्षा का पाठ्य विवरण

अंग्रेजी

प्रश्न-पत्र इस प्रकार से बनाया जाएगा कि जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा को समझने तथा उसे सही और महावरदार ढंग से लिखने की योग्यता की जांच की जा सके। इसमें उम्मीदवार के व्याकरण, महावर तथा प्रयोगों संबंधी ज्ञान की जांच के लिये भी प्रश्न शामिल किये जायेंगे। प्रश्न-पत्र में सारांश या मार्ग लेखन के लिए भी गद्दांश सामान्यतः रखा जाएगा।

गणित

प्रश्न-पत्र I

अंक गणित

संख्या पद्धतियाँ--घनपूर्ण संख्याएँ, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्याएँ, मूल संक्रियाएँ--जोड़, घटाना, गणन और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

एकांक विधि--समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता--माधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हार्फन, अनुपात और मसान्‌पात विचरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत--विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्याएँ 1, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 विभाज्यता के परीक्षण अपनतर्य और गणन खण्ड। गणन खंडन प्रमय। महत्तम-ममापवर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य, यूक्लिड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगणक, लघूगणक के नियम, लघूगणकीय गणितों का प्रयोग।

बीज गणित

आधारभूत संक्षिप्ताः : साधारण गणन संषेद् । ज्ञान कल प्रमेय, वह पदों का महमत समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य । द्विव्यात समीकरणों का हल, इसके मूलों और गुणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मूल विचार किया जाए) । दो अज्ञात राशियों में युगपत् समीकरण—द्विलेपण और ग्राफ सम्बन्धी हैं । प्रायोगिक प्रदर्शन जिनमें दों अंगों में दों यथापत् रैखिक समीकरण बनते हैं या एक अंग में द्विव्यात समीकरण तथा उनके हल, सम्बन्ध भाषा तथा समूच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यक्ति तथा सप्रतिबन्ध तत्समक घातांक नियम ।

त्रिकोणमिति :

ज्या \times , कोटिज्या \times , स्पर्श रेखा, जब $0^\circ \leqslant \angle \leqslant 90^\circ$ ।
 ज्या \times , कोटिज्या \times , स्पर्श रेखा का मान क्योंकि $\angle = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ और 90° , मरल त्रिकोणमितीय तत्समक ।
 त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग ।
 ऊंचाइयों और दूरियों के मरल कोण ।

प्रश्न-पत्र-IIज्यामिति

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति । निम्नलिखित पर प्रमेय :—

- (i) किसी विन्द पर कोणों के गुण-धर्म,
- (ii) समांतर रेखाएँ,
- (iii) किसी श्रिभूज की भुजाएँ और कोण,
- (iv) श्रिभूजों की सर्वांगसमता ।
- (v) समरूप श्रिभूज,
- (vi) माध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमन,
- (vii) समांतर चतुर्भुजों, आयत और वर्ष के कोणों, भुजाओं के विकणों के गुण धर्म,
- (viii) वृत्त और उसके गुण धर्म जिसमें, स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल हैं ।
- (ix) स्थानिक संघक ।

विस्तार कलन

वर्गों, आयतों, समांतर चतुर्भुजों, श्रिभूजों और वृत्तों के क्षेत्रफल । उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं । (क्षेत्रवाही) धनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब वृत्तीय शंकाओं और बैलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन ।

सांख्यिकी

सांख्यिकीय तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन । आलंबी निरूपण-दारम्बारता बहुभूज, आयत चित्र, शलाका चार्ट, पाइ चार्ट आदि ।

अपरिशुद्ध और समूहित अंकड़ों का परिकलन साध्य ।

सामान्य ज्ञान

दों प्रश्नों पर होंगे ।

प्रश्न-पत्र (i) :—इसमें भौतिकी, गणित और सामान्य विज्ञान होंगा; और

प्रश्न-पत्र (ii) :—इस में सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामायिक मामले होंगे ।

इन प्रश्न-पत्रों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्नलिखित पाठ्य विवरण पर आधारित होगा । उल्लिखित विषयोंगत दों, सर्वांग नहीं मान लेना चाहिए, तथा इसी प्रकार के प्रश्नों विषयोंगत पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है । उम्मीदवारों के उत्तरों में प्रश्नों को बोधगम्भीर ढंग से समझन की सेवा और ज्ञान का पता ढलना चाहिए ।

प्रश्न-पत्र
विज्ञान

सामान्य विज्ञान प्रश्न-पत्र /I में निम्नलिखित पाठ्य विवरण शामिल होंगा—

(क) द्रव्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियाँ, संहृति, भार, आयुतन, बहन्तव सत्ता विशिष्ट गुरुत्वार्थण । आर्कमिडीज का नियम, दाव, दायुदाव भारी ।

बिंब की गति । वेग और त्वरण । त्वरण के गति नियम । बल और संवेदी । बल समान्तर चतुर्भुज । पिंड का स्थायित्व और मंतुलन । गुरुत्वार्थण कार्य, शक्ति और उर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान ।

उज्ज्वा का प्रभाव । तापमान का नाप और उज्ज्वा । स्थिरता परिवर्तन और गृह्ण उज्ज्वा । उज्ज्वा अभिगमन विधियाँ ।

श्वनि तरंगों और उनके गुणधर्म । मरल वाय यंत्र ।

प्रकाश का अज्जरेखीय संचरण । एवरवर्तन और अपवर्तन । गोलीय दर्पण और लैन्स, मानव नेत्र ।

प्राकृतिक तथा कृत्रिम चूम्बक । चूम्बक के गुणधर्म । पृथ्वी चूम्बक के रूप में ।

स्थैतिक तथा धाग विचृत । चालक तथा अचालक । आंग नियम । माधारण दिच्छुत परिपथ । धारा के तापन, प्रकाश तथा चूम्बकीय प्रभाव । बैश्युत शक्ति के माप । प्राथमिक और गोण सेवन । एक्ल-रैं के उपयोग ।

निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य मिद्धांत :

गरल लोलक । मरल घिरनी, माइफन, उत्तोलक, गुब्बारा, पम्प । हाइड्रोमीटर, प्रेशर कॉकर, थर्मस लास्क, ग्रामोफोन, टैलीग्राफ, टैनीफोन, परिस्कोप, टैलीस्कोप, माइक्रोस्कोप, नारिवत दिवसूचक, ताइन चालक सुरक्षा फ्यूज ।

(ब) भौतिक तथा गणितिक परिवर्तन तत्व । मिश्रण तथा यांगक । प्रतीत सूक्ष्म और मरल गणायनिक समीकरण । गणायनिक संयोग के नियम (गमस्याओं को लाइंडकर) वाय और जन के गणायनिक गुण धर्म ।

हाइड्रोजन, आक्सीजन, नाइट्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड की रचना और गुण धर्म । आक्सीकर और अपचयन ।

अम्ल, क्षारक और लवण ।

कार्बन--भिन्न रूप ।

उर्वरक--प्राकृतिक और कृत्रिम ।

साबून, क्रंच, स्याही, कागज, सीमेंट, पेंट, दियासलाई और गन्ने पाउडर जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिए प्रयुक्त सामग्री ।

परमाणु की रक्खा, परमाणु तुल्यमान और अणुभार अनुभाग, संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान ।

(ग) जड़ और चेतन में अन्तर ।

जीव कौशिकाओं, जीव वृद्धि और उत्तरों का आधार ।

वनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन ।

मानव शरीर और इसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारम्भिक ज्ञान ।

सामान्य महामारियां, उनके कारण तथा रोकने के उपाय ।

खाद्य--मनुष्य के लिए उत्तर्जा का स्रोत । खाद्य का संघटन ।

संतुलित आहार ।

सौर परिवार; उल्का और घूमकेट । ग्रहण ।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियां ।

टिप्पणी--इस प्रश्न-पत्र के अधिकतम अंकों से सामान्यतया भाग (क), (ल) और (घ) के लिए क्रमशः 50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे ।

प्रश्न-पत्र -II

(सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामाजिक भाष्मल)

सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्र में निम्नलिखित पाठ्य विवरण शामिल होंगा--

(क) भारतीय इतिहास का मोटे तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति और सभ्यता की विशेष जानकारी ।

भारत का स्वतंत्रता आन्दोलन ।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन ।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियां और सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी

भूदान, सद्बोध्य, राष्ट्रीय एकता और कल्याणकारी राज्य । महात्मा गांधी के मूल उपदेश ।

आधुनिक विश्व को प्रभावित करने वाली शक्तियां, पूनर्जागरण। अन्वेषण और स्वाज । अमरीका का स्वाधीनता संग्राम । फ्रांसीसी अंति, आंदोलिक अंति, रूसी अंति । समाज पर विज्ञान और आंदोलिकीका प्रभाव ।

एक विश्व की संकल्पना, संयुक्त राष्ट्र । पंचशील, लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद, वर्तमान विश्व में भारत का योगदान ।

(ल) पृथ्वी, इसकी आकृति और आकार, अक्षांश और रेखांश। समय । मंकल्पना । अन्तर्राष्ट्रीय तारीख रेखा । पृथ्वी की गतियां और उसके प्रभाव । पृथ्वी का उद्भव, चट्टानों और उनका वर्गीकरण ।

अभ्यय--रासायनिक और भौतिक । भूचाल तथा ज्वालमुखी । महासागर धाराएं और ज्वार भाटे ।

वायुमंडल और इसका संघटन । तापमान और वायुमण्डलीय दाब, भूमण्डलीय पवन, चक्रवात और प्रतिचक्रवात आपूर्ता । द्रवण और वर्षण । जलवायु के प्रकार ।

विश्व के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र ।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल--जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, खनिज और शक्ति साधन, कृषि और आंदोलिक कार्यकलापों के स्थान और वितरण ।

महत्वपूर्ण समुद्री पत्तन, भारत के मूल्य समुद्री, भू और वायु मार्ग । भारत के आयात और निर्यात की मूल्य मर्द ।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हृदृश महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी । सामाजिक महत्वपूर्ण विश्व घटनाएँ ।

महत्वपूर्ण व्यक्ति--भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय, शनमें सांस्कृतिक कार्यकलापों और खेल कूद सं सम्बन्धित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल हैं ।

टिप्पणी--इस प्रश्न पत्र के अधिकतम अंकों में से सामान्यता भाग

(क), (ख) और (ग) के लिए क्रमशः 40 प्रतिशत, 40 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे ।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बृनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए माझात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा नी जाएगी । उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे, जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप यांजना बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर मंक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा । ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेघाशक्ति की जांच के लिए हैं । मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बांदिधक गुणों की जांच के लिए हैं अपित् इनसे उसकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामाजिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता छलेगा ।

परिशिष्ट II

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए शारीरिक मानक संबंधी मूल्य वाते

टिप्पणी--उम्मीदवारों को निर्धारित स्वस्थता मानक के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए । स्वस्थता संबंधी मानक नीचे बताए गए हैं ।

बहुत से अहंताप्राप्त उम्मीदवार बाद में अस्वस्थता के आधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं । अतः उम्मीदवारों के अपने हित के लिए सलाह दी जाती है कि अन्त में निराशा से बचने के लिए उन्हें अपना आवेदन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच कर लेनी चाहिए ।

मेंदा चयन बोर्ड द्वारा अनुरूपित बहुत से उपयोगित उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी । जो उम्मीदवार मंडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसके अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा । संना-

के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिए जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निकाला जाएगा कि उम्मीदवार अंतिम स्पृष्टि से छुन लिया गया है। मेंडिकल बोर्ड की कार्यवाही गृह्ण हीती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुप्रयुक्त/अस्थायी रूप से अनुप्रयुक्त घोषित उम्मीदवारों का परिणाम उन्हें स्वस्थता प्रमाण-पत्र तथा अपील प्रस्तृत करने को कार्यविधि के साथ सूचित कर दिया जाता है। मेंडिकल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मेंडिकल बोर्ड के परिणाम से नम्बद्ध कोई अनुरोध भवीकार नहीं किया जाएगा।

थल सेना के लिए उम्मीदवारों के अपने हित में पर्णमर्श है कि यदि उनकी दीप्ति अपेक्षित स्तर की न हो तो सेना चयन बोर्ड द्वारा माक्षात्कार/स्वास्थ्य परीक्षा होता बलाए। जाने पर उन्हें अपने साथ मंशोधक एनक लानी चाहिए।

1. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए उस उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी अशक्तता नहीं होगी जिससे कशतलापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. किन्तु निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तमन्त्री कर नीजाएगी :—

- (क) कमजोर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गम्भीर क्रचना या स्थलस्ता तो नहीं है।
- (ख) हड्डियों और संधियों का कमिकास तो नहीं हूआ है और उनमें किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं हो गई है।

टिप्पणी(i) :—अत्यविधित ग्रेव पर्शका बाले उम्मीदवार को भी स्वस्थ माना जा सकता है, यदि उसमें उद्तर रंग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड का कार्यवाही में इस दोष का उल्लेख छोटी-मोटी अशक्तता के रूप में कर दिया जाएगा।

टिप्पणी: (i)—अत्यविधित ग्रेव पर्शका बाले उम्मीदवार को भी स्वस्थ रीढ़ की हड्डी का एक्से-रे किया जायेगा।

- (ग) बोलने में तो बाधा नहीं पड़ती है।
- (घ) सिर की रक्खा में तो दोष नहीं है या खोण्डी की हड्डी टूटने या दबने से विरुद्धता तो नहीं आ गई है।
- (ङ) कम सनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है या रोग ग्रस्त तो नहीं है। टिम्पेनिक मम्बने में कच्चा जल्म तो नहीं है या आमूल या संशोधित आमूल कर्ण गल आपरेशन तो नहीं है।

टिप्पणी:—यदि कान के पद्दों का छोड़े परी तरह से भर गया हो, इस को और क्षिति ने पहांची हो तथा मनाई ठीक पड़ता हो तो हम अवस्था के थल सेना के लिए उम्मीदवार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझता चाहिए।

- (च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई गेंग तो नहीं है या नोज पालिपंथ तो नहीं है अथवा नास ग्रमनी या महायक क्लेंटों का कोई गेंग तो नहीं है।

टिप्पणी (i)—नामा पट के छोटे अलक्षणी उल्कातंज छोड़े के कारण उम्मीदवार को एक दम अस्वीकृत नहीं किया जाएगा बरन ऐसे मामलों को कर्णीविज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।

टिप्पणी(ii):—जंभिका विवरण संबंधी पृष्ठ के लिए निम्नान्तर्गत गृह्य वर्ग संबोधन केवल अपील किए गए मामलों में ही किया जाए कि किसी प्रारंभिक परीक्षा के दौरान नेमी कार्य के रूप में। प्रारंभिक परीक्षण के दौरान तांत्रिक विकास संबंधी परीक्षण यदि निर्दिष्ट किया गया हो, करना ही पर्याप्त होगा।

- (छ) तपेदिक या अन्य रोगों के कारण गर्वन या शरीर के अन्य भागों की ग्रंथियाँ बढ़ी हुई तो नहीं हैं और थाइग्राइड ग्रंथी सामान्य हैं।

टिप्पणी:—तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के लिए किए गए आपरेशन के निशान उम्मीदवार की अस्वीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं बशर्ते कि गत 5 वर्षों में सीक्रिय रोग न हुआ हो तथा छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्से-रे करने पर गोमुक पार्द जाए।

- (ज) गल, ताल, दौंसिल या मसूड़ों का कोई गेंग नहीं है तथा किसी भी चिंचबकीय संधियों की सामान्य क्रिया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।

टिप्पणी:—यदि बारबर दौंसिल शोथ होने का कोई वृत्त न हो तो दौंसिलों की अतिवृद्धि का कारण नहीं होती।

- (झ) हृदय तथा रक्त बाहिकाओं का क्रिया सम्बन्धी या अंग रोग के लक्षण तो नहीं हैं।
- (ञ) फेफड़ों की तपेदिक या इस बीमारी का पर्यावरण का फेफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का प्रभाव तो नहीं है।
- (ट) जिगर और तिल्ली की किसी विलक्षणता सहित पापक तन्त्र के किसी रोग का चिह्न तो नहीं है और स्पर्श परीक्षण में उदरीय क्लोमलता न हो।
- (ठ) बंक्षण हर्निंया (जिसकी शल्य-चिकित्सा न की गई हो), या उसकी आशंका हो अस्वीकृत का कारण होगा।

टिप्पणी:—जिनका हर्निंया का आपरेशन हो चुका है उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ माना जाएगा बशर्ते कि :

- (i) आपरेशन हुए एक वर्ष व्यतीत हो गया हो। इसके लिए उम्मीदवार को निम्निति प्रमाण प्रस्तृत करना होगा;
- (ii) पेट की पेशीममूळ सामान्यता ठीक है; और
- (iii) हर्निंया की पूररावृत्ति नहीं हुई है, या इसकी शल्य चिकित्सा में संबंधित कोई उल्लंघन पैदा नहीं हुई।
- (ङ) हाइड्रोसिल या निश्चित बैरिकोसील जननेंद्रियों का अन्य कोई गेंग या बराबी तो नहीं है।

टिप्पणी: (i) यदि हाइड्रोसिल के आपरेशन के बाद कोई रज्ज और अण्डांग्रन्थियों की विलक्षणताएँ न हों और फाइलें-रियसिस का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जाएगा।

- (ii) यदि एक और की अन्तःउदरीय अण्डग्रन्थि आगे हो तो इस आधार पर उम्मीदवार को अस्वीकृत नहीं किया जाता बशर्ते कि दूसरी अण्डग्रन्थि सामान्य हो तथा इस आगे ही अण्डग्रन्थि के कारण कोई जारीरीक या मनोवैज्ञानिक प्रभाव न हो। यदि आगे ही अण्डग्रन्थि वंक्षण नलिका में अथवा उदरीय दन्तमें

- (ii) उपदीवार के लिये न्यूनतम स्वीकार्य 157.5 मेट्री-मीटर (जो सना के लिये 157 मेट्रीमीटर) है किंतु गरिमा, नंपानी आसामी, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिये 5.0 मेट्रीमीटर कम किया जा सकता है। भिण्ठपुर, नंफा, अरुणाचल प्रदेश, संघातय और मिजोगाम नागालैंड और त्रिपुरा के नौसंना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 मेट्रीमीटर और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामलों में कद 2 मेट्रीमीटर कम कर दिया जाएगा।
- टिप्पणी:**--कद में 2.5 मेट्रीमीटर (नौसंना के लिए 5 मेट्री मीटर) तक की छूट उन मामलों में दी जा सकती है जहाँ चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रसारण एवं दें कि उम्मीदवार को बढ़ने की संभावना है तथा प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा। इसके अलावा भारतीय नौसंना के कोडिंगों के लिए जिनकी आयु 18 वर्ष में कम न हो आनुप्राप्तिक छूट दी जा सकती है।
- () केवल वायु सेना : पाहलट के लूप में प्रशिक्षण हेतु विशेष अपेक्षाओं की पर्ति के लिए न्यूनतम कद 162.5 में.मी. होंगा। टांग की लम्बाई, जांध की लम्बाई और बैठने पर कद का भाष्प निम्न प्रकार होंगा।
- | | | |
|-----------------------------|---------|---------------|
| टांग की लम्बाई ¹ | न्यूनतम | 99.0 सें.मी. |
| जांध की लम्बाई ² | अधिकतम | 120.0 सें.मी. |
| बैठने पर कद | अधिकतम | 64.0 सें.मी. |
| | न्यूनतम | 81.50 सें.मी. |
| | अधिकतम | 96.90 सें.मी. |
- टिप्पणी:**--किसी उम्मीदवार की कम आयु के कारण कद में 5 सें.मी. तक, टांग की लम्बाई में 2.5 में.मी. (न्यूनतम) तक तक और बैठने पर कद में 1 में.मी. न्यूनतम तक की छूट दी जा सकती है बशर्ते कि चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण पत्र दे कि उम्मीदवार को बढ़ने की संभावना है तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा।
- (म) वजन:--(i) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उतार कर या केवल जांधिएं के साथ लिया जाएगा। वजन करते समय 1/2 किलोग्राम के भिन्न को रिकार्ड नहीं किया जाएगा। आयु, कद और असेत वजन विषयक परस्पर संबंधित सारणी में निर्देश के लिए दी जा रही है:--

टिप्पणी:--इलाज के लिए आपरेशन प्रवेश से पूर्व करवाए जाएं। अंतिम रूप से स्वीकार किए जाने की गारंटी नहीं दी जाती है तथा उम्मीदवारों को यह स्वेच्छतया समझ लेना चाहिए कि क्या आपरेशन बांछनीय है या आवश्यक है, इस बात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा भलाहकार को ही करना है। आपरेशन के परिणाम अथवा किसी और खर्जों का दायिन्व भरकार अपने उत्पर नहीं लगते।

3. कद, वजन तथा छाती नोपां के लिए मानक :--

(क) कद :

- (i) उम्मीदवार के कद की नाप उसे सापदण्ड के सामने दोनों दौर मिला कर लड़ा करके ली जाएगी। उस समय वजन एंडियों पर होना चाहिए एंडें पर या पांव के बाहरी पाश्वां पर नहीं। बह बिना आंकड़े इस प्रकार सीधा लड़ा होगा कि उसकी एंडियां, पिंडलियां, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे, उनकी छाती नीचे की ओर रखी जाएगी ताकि रिकार्ड का स्तर आड़ी छड़ के नीचे आ जाए। कद सेटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। 0.5 सें.मी. की अपेक्षा की जाएगी। 0.5 सेंटीमीटर के इसी रूप में रिकार्ड किया जायेगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इसमें अंधिक को एक सेटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

आयु अवधि	15-16	16-17	17-18
कद (सेटीमीटर)	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम
157.00	43.5	45.0	47.0
160.00	45.0	46.5	48.0
162.00	46.5	48.0	50.0
165.00	48.0	50.0	52.0
167.50	49.0	51.0	53.0
170.00	51.0	52.0	55.0
173.00	52.5	54.5	57.0
175.00	54.0	56.0	59.0
178.00	56.0	58.0	61.0
180.00	58.5	60.0	63.0
183.00	61.0	62.5	65.0

(ii) कव तथा आयु के संबंध में ठीक वजन का ठीक-ठीक मानक निश्चय करना संभव नहीं है। अतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निवैश्विका मात्र है तथा सभी मामलों में इसे लागू नहीं किया जा सकता है। सारणी में दिए गए औसत वजन में 10 प्रतिशत (नौसेना के लिये 6 किलोग्राम कम ज्यादा) होने पर उसे वजन के सामान्य सीमा के बन्तर्भात माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है, कि कुछ व्यक्तियों का वजन नपर्युक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की हाइट से बे हर प्रकार से घोग्य हों। ऐसे व्यक्तियों के अधिक वजन का कारण भारी हड्डियों और पैदियों का विकास हो सकता है त कि मोटापा। इसी प्रकार जिनका वजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी के मानकों का पूरी तरह से पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और अनुपातिक विकास ही कमाई होना चाहिए।

(g) छाती:—छाती पूरी तरह अनुपातिक तथा भली प्रकार विकसित होनी चाहिए और फैलाने पर न्यनतम फैलाव 5.0 सेंटी-मीटर होनी चाहिये। उम्मीदवार की छाती का माप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा सड़ा किया जाए कि उसके पांव जड़े हों और उसकी बाहरी सिर से उपर लट्ठी हों। फीतों को छाती के गिर्द इस प्रकार लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका उपरी किनारा असफलतांक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एनिल्स) के माध्यम लगा रहे और इसका निचला किनारा सामने चक्करों के उपरी भाग से लगा रहे। फिर बाहरों को नीचे किया जाएगा और इन्हें शरीर के माथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु साथ हस्त बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे उंचे उठे या भीले की ओर झटके न हों ताकि फीता अपने स्थान से हटने न पाए। अब उम्मीदवार को कहें बार गहरा सांस लेने के लिये कहा जाएगा। और छाती का अधिकतम और न्यनतम फैलाव सावधानी से निम्न लिया जाएगा। अधिकतम तथा न्यनतम फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। नाप को रिकार्ड करने समय 0.5 सें.मी. से कम के दशमलव भिन्न को छोड़ दिया जाएगा। नैकिन 0.5 सेंटीमीटर को 0.5 सेंटी-मीटर रिकार्ड किया जाएगा और 0.6 सेंटीमीटर से अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

वायु सेना के लिए : सभी उम्मीदवारों की गीढ़ की हड्डी का एक्स-रे लिया जाएगा और यदि उसमें नीचे दी गई असमान्यताएँ पाई गईं तो उम्मीदवार को अरद्दीकृत किया जा सकता है:—

(i) कांब विधि के द्वारा 7° से अधिक स्कोरिंगोसिस

(i) एस.वी. 1 के अलावा अयूक्त में रुदांड

(iii) एल.वी. 5 का एक्रप्टीय त्रिकास्थ मंयोजन

(iv) श्यामन रोग, श्युरुमन संधि, कशेरुकासन्धिग्रह या कशोर काग्रंसर्थण

(v) अन्य कोई विशिष्ट मेरुदंड रोग, वायु मेना प्रवेश के लिए सभी उम्मीदवारों का ई.सी.जी. किया जाएगा, जिसमें विशिष्ट असमान्यताएँ होगी उन्हें अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

टिप्पणी : छाती का एक्स-रे अनिवार्य है।

4. दांतों की हालत

इस बात को सूनिश्चित कर लेना चाहिए कि अबाने का काम अच्छी तरह करने के लिये प्राकृतिक तथा मजबूत वांस काफी मंख्या में है।

(क) स्वीकृत होने के लिए मह आवश्यक है कि उम्मीदवार ने दांतों के लिए कम से कम 14 प्वाइंट प्राप्त किए हों। किसी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर अच्छी तरह सटे और दूसरे जबड़े के अनुरूप दांतों के लिये निम्न प्रकार के प्वाइंट दिए जायेंगे :—

(i) बीच के काटने वाले वांत, बगल के काटने वाले वांत रद्दनक प्रथम तथा द्वितीय, छोटी दाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिए एक प्वाइंट।

(ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाढ़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ के लिए दो प्वाइंट। पूरे 32 वांत होने पर कुल 22 प्वाइंट दिए जाएंगे।

(ल) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हों हों कि उनसे अच्छी तरह काम लिया जा सके,

(i) आगे के 6 में से क्रोर्ड 4 दांत।

(ii) पीछे के 10 में से क्रोर्ड 6 दांत।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवारों को स्वीकार नहीं किया जायेगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया वाल अधिकारी की राय में बिना दांत निकाले अच्छा किया जा सकता हो उसे स्वीकार किया जा सकता है।

5. हाइटमानक

(क) हाइट तीक्ष्णता

दूर हाइट

मानक-I

अच्छी आंख	खराद अंख
बी -6/6	बी-6/9

चरमा लगाकर	6/6 तक
	मानक-II

अच्छी आंख	खराद आंख
-----------	----------

दूर हाइटता (चरमा लगाकर)

6/6 6/9

निकट हाइट (मायोपिया) जिसमें व्यक्त अविन्वृक्ता (एस्टिग-मैटिज) समिलित है—2.5 डी. से अधिक नहीं। (नौ सेना के मामले में .5 डी.)।

दीर्घ हाइट (हाइपर मैट्रोपिया) जिसमें अविन्वृक्ता (एस्टिग-मैटिज मैनीफॉस्ट) समिलित है—3.5 डी. से अधिक नहीं।

टिप्पणी:—1. फंडस तथा मीडिया स्वस्थ तथा सामान्य सीमा में होने चाहिए।

2. वर्धमान मायो रोटिना के सूचक विट्रियस या क्रोरियरोटिना के अनावश्यक व्यपजनन चिन्ह न हों।

3. नेत्री (वाइनोकुलर) दृष्टि अच्छी होनी चाहिए
(दोनों आंखों में संयोजन शक्ति और पूर्ण दृष्टि
अन्त्र)।

4. एंसा कोर्ट आंधिक शग नहीं होना चाहिए
जिसके प्रकारेन तथा खराब होने की संभावना है।

(ख) रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान :

जो उम्मीदवार अधिकारीभाषित न्यूनतम वर्ष अवधार मानक सी.पी.-3 (सदांष सुरक्षा) न रखते हैं उन्हें अग्रेय माना जाएगा।

सी.पी.-3 (सदांष सुरक्षा)--उम्मीदवार इस गोग्य हों कि वे 1.5 मीटर की दूरी से सफेद लाल संकेत और हरे संकेत रंगों को ठोक प्रकार से पहचान सकें जैसा कि मार्टिन लैटर्न में दिखाया गया है या इशिहारा बुक/टोकियो मैडिकल कालिज बुक की अपेक्षित प्लैटों को पढ़ सकें।

(ग) सेनाओं के लिए अपेक्षाएँ:

थल सेना दृष्टि मानक II (न्यूनतम मानक)

गीसेना (i) दृष्टि मानक I-कार्यपालक शास्त्र के उम्मीदवार चश्मा नहीं पहन सकते हैं परन्तु यदि नौसेना मूस्यालय अनुमति देतों कछु सीमित संख्या तक अन्यथा उम्मीदवारों के संबंध में इन मानकों में छूट दी जा सकती है। इंजिनियरी, विद्युत और पर्ति तथा सचिवालय शास्त्राओं के लिए दृष्टि मानक 6/18, 6/38 चश्मा लगाकर दोनों आंखों के लिए 6/6 है।

(II) विशेष अपेक्षाएँ:

सामान्यता नहीं सेना की सभी शास्त्राओं के कोडेटों/डायरेक्ट एन्टी अफसरों की राशि दृष्टि तीक्ष्णता के बास्ते नभी तोर पर डेला कासा की जांच नहीं की जाएगी और स्वास्थ्य परीक्षा के समय इनसे निम्नलिखित प्रमाण पत्र देने के लिये कहा जाएगा जो मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के साथ नथी कर दिया जाएगा :--

“मैं प्रमाणित करता हूं कि मुझे रत्नांधी नहीं हूं और जहां तक मेरी जानकारी हूं मर्ने परिवार के किसी सदस्य को भी जन्म से रत्नांधी नहीं हूं।”

ह. उम्मीदवार,

चिकित्सा अधिकारी के प्रति हस्ताक्षर

किन्तु जिन उम्मीदवारों में शूष्काक्षिपाक (वीरोप्तेल्मस्य) पिग्मेंट्री अपविकास/क्रोरियारोटिना में विचलन, अपसामान्य परितारिका और उसके लक्षण होने का संदेह होगा लेकिन वो अन्यथा हर प्रकार से स्वस्थ होंगे उनकी विस्तृत रात्रि दृष्टि तीक्ष्णता जांच सामान्य तौर पर की जायेगी।

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

नेत्र विचलन प्रवृत्ति

मानक--I एम.एल.टी.

(मार्टिन लालटेन परीक्षण)

नेत्र विचलन प्रवृत्ति मेडोक्स राइ विगटेस्ट के साथ (बश्टर्न कि अभिसरण द्वारा तथा अन्य गेग लक्षण न हों) निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए :--

(क) 6 मीटर की दूरी में

एक्सोफोरिया
इंसोफोरिया
हाइपरफोरिया

8 प्रिज्म
8 प्रिज्म
1 प्रिज्म

डायोप्टर
डायोप्टर
डायोप्टर

(ख) 30 सें.मी. की दूरी से

इंसोफोरिया
एक्सोफोरिया
हाइपरफोरिया

6 प्रिज्म	डायोप्टर
16 प्रिज्म	डायोप्टर
1 प्रिज्म	डायोप्टर

दूर दृष्टिता की सीमा

(होमाट्रोपिना के अन्तर्गत)

सही आंख

दूर दृष्टिता

1.5 डायोप्टर

साधारण दीर्घ दृष्टिता
वैषम्य

0.75

संयुक्त दीर्घ दृष्टिता
वैषम्य

दीर्घ दृष्टिता मर्टेडियम का
दोष 1.5 डायोप्टर से अधिक
नहीं होना चाहिए। इसमें से
0.75 डायोप्टर से अधिक दृष्टि
वैषम्य के कारण नहीं होनी
चाहिए।

दूर दृष्टिता

सबसे सराब आंख 2.5 डायोप्टर-
रस

साधारण दूर दृष्टिता वैषम्य
संयुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य

1.5 डायोप्टरस
दूर दृष्टिता वैषम्य दोष 2.5
डायोप्टरस से अधिक नहीं होना
चाहिए, इसमें से 1.00
डायोप्टरस से अधिक दृष्टि वैषम्य
के कारण नहीं होनी चाहिए।

निकट दृष्टि (मायोपिया)--किसी भी एक मर्टेडियम में 0.5
डायोप्टर से अधिक नहीं होना चाहिए।

चाहिए। (दोनों आंखों में फ्युजन फैक्लटी और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र
चाहिए। (दोनों आंखों में फ्युजन फैक्लटी और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र
होनी चाहिए।)

वाय सेना (i) दृष्टि मानक ।

चश्मा नहीं लगाना हूं।

(ii) विशेष अपेक्षाएँ

व्यक्त दूर दृष्टिता 2.00 डी.
में अधिक नहीं होनी चाहिए।

नेत्र पंशी संतुलन

मडास्क राइ परीक्षण में नेत्र विचलन प्रवृत्ति निम्नलिखित से
अधिक होनी चाहिए।

(क) 6 मीटर की दूरी में

एक्सोफोरिया
इंसोफोरिया
हाइपरफोरिया

6 प्रिज्म	डायोप्टर
6 प्रिज्म	डायोप्टर
1 प्रिज्म	डायोप्टर

(ल) 33 स.मी. की दूरी से

एक्सोफोरिया	16 प्रिज्म	डायोप्टर
इसोफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर
निकट दृष्टि	शून्य	
अविन्धुकता	+0.75	
		डी. मी. ए.ल. वाई.

द्विवनंगी दृष्टि:- द्विवनंगी दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (आयाम और गहराई के साथ संयोजन स्टीरियोपेसिस)
रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान-मानक एस.एन.टी.

6. अवण मानक

श्रवण परीक्षा वाक् परीक्षण द्वारा की जाएगी। जहाँ आवश्यक होगा श्रव्यता मापी (आडियोमीट्रिक) रिकार्ड भी ले लिये जाएंगे।

(क) वाक् परीक्षा:- उम्मीदवार को जो एक उचित छंग से शांत करारे में परीक्षक की ओर पीठ करके 610 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुसफूसाहट की आवाज सुनाई पड़नी चाहिए। परीक्षक को अवशिष्ट वायु से फुसफूसाना चाहिए। अर्थात् वह साधारण निश्चास अन्त में लेगा।

(ल) श्रव्यता मितिक परीक्षण। --250 एच.जैड. और 4000 एच.जैड. के बीच आवृत्तियों में श्रव्यतामितक कीमी +10 डीस-बल से अधिक नहीं होनी चाहिए। श्रव्यता आलेख का मूलांकन करते समय श्रव्यता मापी की आधार-रेखा के शून्य को और जिन वाता-वरणीय रेख अवस्थाओं में श्रव्यता आलेख प्राप्त किया गया है उसको ध्यान में रखा जाना चाहिए और किसी वायुसेना कर्ण-नासिका-कंठ विशेषज्ञ की अनुशंसाओं पर विनिर्दिष्ट मानक से थोड़ा-झूक विश्वलन नंजर अन्वाज किया जा सकता है।

7. नेमी आभासित ई.ई.जी. --वायुसेना हेतु सभी उम्मीदवारों की ई.ई.जी. परीक्षा की जाएगी। विशिष्ट अपसामान्यता रखने वालों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

परिशिष्ट

(सेवा आदि का संक्षिप्त विवरण)

1. अकादमी में भर्ती होने से पूर्व माता पिता या संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाण पत्रों पर हस्ताक्षर करने होंगे:—

(क) इस आवश्यक पत्र कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई छोटे लग जाए या उपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी सर्जिकल आपरेशन या मंबेशनाहरक दवा के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मर्त्य हो जाने पर वह या उसके बैंध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ल) इस आवश्यक पत्र कि यदि किसी एस.कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्तीकारू कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भाजन, वस्त्र पर किए गए व्यय तथा विए गए धौन और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करें, उस वापस करनी होगी।

2. आवास, पुस्तकों, खर्च, बॉर्डिंग और चिकित्सा सहित, प्रशिक्षण के खर्च को सरकार बहन करेगी। उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक से यह आदा की जाती है कि उम्मीदवार का जेब खर्च वे खुद बदर्शित करेंगे। सामान्यतया इन खर्चों के 40.00 रु. में अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कोडेट के माता पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बदर्शित करने में असमर्थ हों तो पहले और दूसरे वर्ष के लिए रु. 40.00 तक और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीसरे वर्ष के शिक्षण के लिए रु. 45.00 और थल सेना/नासेना/वायुसेना प्रशिक्षण इसिलानों में आगे विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए रु. 55.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता पिता या संरक्षक की मासिक आय रु. 450.00 या इससे अधिक हों, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पाद्धति निर्धारित करने के लिए अचल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता पिता/संरक्षक मरकार से किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षक के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के त्रैत बाद अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन पत्र देना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट अपनी अनुशंसा सहित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला पूणे (411023) के कमांडेट को अप्रीवित कर देगा।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर, कमांडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी:—

(क) प्रति मास 40.00 रु. के हिसाब से	रु.
पांच महीने का जेब खर्च	200.00
(घ) वस्त्र तथा उपस्कर्ता की मदां के लिए	650.00

योग	850.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी गाँश वापस कर दी जाएगी:—

(क) 40.00 रु. प्रति माह के हिसाब से	रु.
पांच महीने का जेब खर्च	200.00
(घ) वस्त्र तथा उपस्कर्ता की मदां के लिए	
लगभग उपलब्ध है:—	475.00

4. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां

(1) परशुराम भाऊ पटवृद्धन छात्रवृत्ति:—

यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कोडेटों को दी जाती है जिनके माता पिता की आय सभी साधनों से रु. 350.00 तथा रु. 500.00 के बीच हो। छात्रवृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कोडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अन्य कमीशन पर्याप्त प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहना तब तक के लिए वह प्राप्त होगी किन्तु शर्त यह है कि कोडेट का व्यवहार अच्छा रहे और वह भांती-भांती करना चाहिए। जिन कोडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार में अन्य वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी:—

(2) कर्नाटक डिल फ्रेंच मौमोरियल छात्रवृत्ति:—

यह छात्रवृत्ति 360.00 रु. प्रति वर्ष की है और उस सराठा कोडेट को दी जाती है जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होगी।

(3) कुंबर सिंह मैमोरियल छात्रवृत्ति:

दो छात्रवृत्तियाँ उन दो कोडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतम स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्र-वृत्ति 37.00 रु. प्रति मास की है तथा अधिकतम बार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी द्वेरादन तथा वायु सेना फ्लाइंग कालिज तथा नौसेना अकादमी कोर्सिन में जहां कोडेट वे प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, वही जाती रहेगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती रहेगी जबकि कोडेट उपर्युक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहे।

(4) असम सरकार छात्रवृत्तियाँ:—जो छात्रवृत्तियाँ असम के कोडेटों को प्रदान की जाएंगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति 30.00 रु. प्रतिमास की होगी। तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम कोडेटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान दिए बिना प्रदान की जाएंगी। जिन कोडेटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ओर से अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

(5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियाँ:—जो छात्रवृत्तियाँ 30.00 रु. प्रतिमास की तथा 400.00 रुपये की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कोडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में सर्वोत्तम क्षेत्रों को उनके माता-पिता की आय पर तीन वर्ष के लिए दी जाएगी। जिन कोडेटों को यह छात्रवृत्ति मिलेंगी उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।

(6) केरल सरकार छात्रवृत्ति:—पूरे वर्ष के लिये 480 रु. की एक योग्यता छात्रवृत्ति रा. र. अकादमी में प्रशिक्षण को पूरी अवधि के लिये केरल राज्य सरकार द्वारा उन कोडेटों को दी जाती है जो केरल राज्य का अधिवासी निवासी हो और जो रा. र. अकादमी हेतु अखिल भारतीय सं.लो.से.आ. प्रत्येक प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है, भले ही उसने वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल से उत्तीर्ण की हो। ऐसा करते समय कोडेट के पिता/संरक्षक की आर्थिक स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

(7) बिहारी लाल मंवाकिनी पुरस्कार:—यह 500.00 रुपये का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के की अकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिये मिलता है। आवेदन प्रपत्र कमांडेट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलते हैं।

(8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियाँ:—तीन छात्र वृत्तियाँ—एक धर्म सेना, एक नौसेना तथा एक वायु सेना के कोडेट के लिये प्रत्येक 80.00 रु. प्रति मास के हिसाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कोडेटों को दी जायेगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं। इनमें से दो छात्रवृत्तियाँ कोडेटों की योग्यता तथा आय साधन के आधार पर दी जायेंगी जिनके माता पिता या अभिभावक की आय रु. 5,000 प्रतिवर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति बिना उसके माता पिता या अभिभावकों की आय को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कोडेट को दी जायेगी।

(9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियाँ:—निम्नलिखित वर्गों की छात्रवृत्तियाँ पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कोडेटों को दी जाएंगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासी हैं।

(क) वर्ग 1:—ये छात्रवृत्तियाँ—(धर्म सेना, नौसेना तथा वायु सेना के लिये एक एक) 360.00 रुपये प्रतिवर्ष पहले और दूसरे वर्ष के लिये और अकादमी में तीसरे वर्ष के लिये तथा विशेष

प्रशिक्षण संस्था में चार्थे वर्ष के लिये 480.00 रुपये तथा इसके अतिरिक्त 400.00 रुपये परिधान वृत्ति। यह उन कोडेटों को दी जायेगी जो अकादमी में कोई अन्य छात्रवृत्ति पाने के पात्र नहीं हैं।

(ख) वर्ग 2:—तीन छात्रवृत्तियाँ 100 रुपये प्रतिवर्ष एक मूल सरकारी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त दी जायेगी।

(10) पायलट अफसर गूरमीत सिंह बेदी मैमोरियल छात्रवृत्ति:—रु. 420 प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति ऐसे कोडेट को दी जाती है जो वायु सेना कोडेटों के चार्थे सत्र के अन्त में योग्यता में सर्वोत्तम होगा। यह एक वर्ष की अवधि के लिये होगी। पांचवें और छठे सत्र के दौरान यह छात्रवृत्ति बन्द कर दो जायेगी यदि प्रात्कर्ता रंलोगेड कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की अवधि में छाड़ कर चला गया हो। जो कोडेट इस प्रकार की पहल से ही कोई योग्यता छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता ले रहा है, उसे यह छात्रवृत्ति नहीं दी जायेगी।

(11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियाँ:—हिमाचल प्रदेश के कोडेटों को चार छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जायेंगी। प्रशिक्षण के प्रथम वर्ष के लिये छात्रवृत्तियाँ 30.00 रुपये प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिये 40.00 रुपये प्रतिमास मिलेंगी। यह छात्रवृत्ति उन कोडेटों को मिलेंगी जिनके माता पिता की मासिक आय 500.00 रुपये प्रति मास से कम होगी। जो कोडेट सरकार से वित्तीय सहायता ले रहा हो उसे छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।

(12) तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति:—तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 30 रु. प्र.मा. की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में 400 रु. सज्जा भत्ता (कोडेट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कोडेटों को दिया जायेगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक/संरक्षक की मासिक आय 500 रु. से अधिक न हो। पात्र कोडेट अपना, आवेदन, कमांडेट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी को वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

(13) कर्नाटक सरकार की छात्रवृत्ति:—कर्नाटक सरकार ने प्रति वर्ष 18 (बठारह) छात्रवृत्तियाँ—9 जनवरी, से शुरू होने वाले कोर्सों के लिए और 9 जुलाई से शुरू होने वाले कोर्सों के लिए—कर्नाटक राज्य के उन कोडेटों को दी हैं जो सैनिक स्कूल बीजापुर/राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कालिज द्वेरादून में अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं। इन छात्रवृत्तियों की राशि 480 रुपये प्रतिवर्ष है।

रु. 480 प्रतिवर्ष की चार (4) और छात्रवृत्तियाँ (दो प्रति सत्र) कर्नाटक राज्य के उन छात्रों को दी गई हैं जो सैनिक स्कूल बीजापुर/राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कालिज द्वेरादून के अलावा अन्य स्थान पर अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की शर्त राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला पूरे (411023) से प्राप्त की जा सकती है।

5. चूने हुए उम्मीदवारों के अकादमी में आने के बाद तत्काल उनके लिये निम्नलिखित विषयों में एक प्रारंभिक परीक्षा होगी।

(क) अंग्रेजी

(ख) गणित

(ग) विज्ञान

(घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिये परीक्षा का स्तर भारतीय विद्यालय या हायर सैकेन्डरी शिक्षा बोर्ड की हायर सैकेन्डरी परीक्षा के स्तर से उच्चा नहीं होगा। (ब) पर तिथित विषय की परीक्षा में यह जांचा जाएगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भर्ती होने के समय इन्हीं का कितना ज्ञान है।

अतः उम्मीदवारों के सलाह वी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अध्ययन के लिये उदासीन न हों जायें।

प्रशिक्षण

6. तीनों सेनाओं अर्थात् थल सेना, नौसेना और वायु सेना के लिये चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए पौरीक तथा शीरीरीक दोनों प्रकार का प्रारंभिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पहले छाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिये समान है। सफल होने पर कोडेटों को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा वी.एस.सी./झी.ए. डिग्री प्रवान की जाएगी।

7. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद थल सेना कोडेट भारतीय सेना अकादमी, दहेरादून में, नौसेना कोडेटों प्रशिक्षण पोस्ट में और वायु सेना कोडेट ई.एफ.एस. विदार जायेंगे।

8. भारतीय सेना अकादमी में सेना कोडेटों को 'जेन्टलमैन कोडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फॉर्मेटी के उप यूनिटों का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सकें। प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के बाद जेन्टलमैन कोडेटों की उनके शेष Shape शारीरिक दृष्टि से योग्य होने पर सैकेन्ड लैफिटनेट के पद पर स्थाई कमीशन दिया जाता है।

9. नौसेना कोडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नौसेना की कृपापालक इंजीनियरों, विजली और शाखाओं के लिए धना जाता है। उन्हें छः महीने के लिए कोडेट प्रशिक्षण-पोस्ट पर समूची प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडिशिपमैन रैंक में पदोन्नति किया जाता है। संबंध शाखा में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी तथा लैफिटनेट के रैंक में पदोन्नत किया जाता है।

10. वायु सेना कोडेटों को हवाई उड़ान का डंड़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर अनन्तिम रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है उसके बाद छः महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर स्थायी रूप से कमीशन अफसर के रूप में समाप्त कर दिया जाता है।

सेवा की शर्तें

11. थल सेना अधिकारी

(i) वेतन

रैंक (1)	वेतनमान (2)
रुपये	
सैकेन्ड लैफिटनेट	760-790
लैफिटनेट	830-950

	(1)	(2)
कैप्टन	1100-1550	
मेजर	1450-1800	
लैफिटनेट कर्नल (चयन द्वारा)	1750-1950	
लैफिटनेट कर्नल (समय वेतनमान)	1900 नियत	
कर्नल	1950-2175	
दिग्गेडिपर	2200-2400	
मेजर जनरल	2500-125/2-	2750
लैफिटनेट जनरल	3000 प्रतिमास	

(ii) योग्यता वेतन और अनुदान

लैफिटनेट कर्नल और उससे नीचे के रैंक के कछु निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600 रु., 2400 रु., 4500 रु. अथवा 6000 रु. के एकमुश्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') 70 रु. की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

(iii) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों के इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :-

(क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार ही इन्हीं भी नगर प्रतिकर तथा महांगाई भत्ते दिए जाते हैं।

(ख) रु. 50 प्रतिमास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।

(ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भत्ते की तदनुरूपी एकल दर का 25% से 46% तक होगा।

(घ) नियुक्ति भत्ता : जब विवाहित अफसरों को एसेंस्ट्राई लाइनों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब अफसर 70 रु. प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(ङ) सज्जा भत्ता प्रारंभिक सज्जा भत्ता रु. 1400 है। प्रथम कमीशन की तारीख से रु. 1200 की दर से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नए सज्जा भत्ते के दावे का भुगतान किया जा सकता है।

(iv) तैनाती

थल सेना अफसर भारत में या विदेश कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

(v) पदोन्नतियां

(क) स्थाई पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं:-

समय वेतनमान से	न्यूनतम सेवा सीमा
लैफिटनेट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लैफिटनेट कर्नल	
यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो	
त्रुट्ही हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

चयन द्वारा

लेफिटनेन्ट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफिटनेन्ट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमायें पूरी करने पर अफसर उच्चतर रैंकों, पर कार्यकारी पदोन्नति के लिये पात्र होंगे वशर्तें कि रिक्तियाँ उपलब्ध हों :—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लेफिटनेन्ट कर्नल	6 1/2 वर्ष
कर्नल	8 1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफिटनेन्ट जनरल	25 वर्ष

12. नौसेना अफसर(i) वेतन

रैंक	वेतनमान	
	सामान्य सेवा	नौसेना
		विमानन और पनडुब्बी
	मासिक रु०	मासिक रु०
मिडशिपमैन	560	560
कार्यकारी सब लेफिटनेन्ट	750	825
सब-लेफिटनेन्ट	830-870	910-950
लेफिटनेन्ट	1100-1450	1200-1550
लेफिटनेन्ट कमांडर	1450-1800	1450-1800
कमांडर	1750-1950	1750-1950
कैप्टन	1950-2400	1950-2400
	कौमोड़ोर को वही वेतन मिलता है जिसके लिये वह कैप्टन के रूप में अपनी वरिष्ठता के अनुसार हकदार है।	
रियर एडमिरल	2500-125/2-2750	
वाइस एडमिरल	3000/-	प्रतिमास

कुछ निर्धारित योग्यतायें रखने वाले कमांडर और उसके नीचे के रैंक के अफसर की अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु०, 2400/- रु०, 4500/- रु० या 6000/- रु० के एकमुश्त अनुदान के हकदार हैं।

(ii) भत्ते

नौसेना विमानन अफसर उड़ान भत्ता के लिये उन्हीं दरों तथा शतों के अधीन होंगे जो वायु सेना अफसरों के अनुरूपी रैंकों के लिये लागू हैं।

नौसेना अफसर समकक्ष रैंक में वह सेना अफसरों को मिलने वाले भत्ते के लिये भी हकदार हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें हार्ड लाइंगमनी, पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन और गोता वेतन जैसी विशेष रियायतें भी दी जाती हैं।

(iii) पदोन्नतियाँ(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नतियाँ देने के लिये निम्नलिखित सेवा सीमायें हैं :—

समय वेतनमान द्वारा

सब-लेफिटनेन्ट

लेफिटनेन्ट

लेफिटनेन्ट कमांडर

कमांडर

1 वर्ष

3 वर्ष (वरिष्ठता लाभ/जबती के अधीन)

लेफिटनेन्ट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता।

24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा (यदि यह चयन द्वारा पदोन्नति नहीं हुई है)।

चयन द्वारा

कमांडर कार्यपालक शाखा

लेफिटनेन्ट कमांडर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता।

कमांडर इंजीनियरी शाखा

लेफिटनेन्ट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।

कमांडर विशुद्ध शाखा

लेफिटनेन्ट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।

कैप्टन

कमांडर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता।

रियर एडमिरल

कोई प्रतिबन्ध नहीं।

वाइस एडमिरल

कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

लेफिटनेन्ट कमांडर के रैंक को छोड़कर जिसके लिये किसी अफसर की लेफिटनेन्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए, नौसेना की कार्यकारी पदोन्नति के लिये कोई सेवा सीमा नहीं है।

13. बायु सेना अफसर	
(i) वेतन	
रैंक	वेतनमान रुपये
पाइलट अफसर	825-865
फ्लाइंग अफसर	910-1030
फ्लाइंग लेफिटनेंट	1300-1550
स्ववाइन लीडर	1650-1800
विंग कमांडर (चयन)	1750-1950
विंग कमांडर (समय वेतनमान)	1900 नियत
युप कैप्टन	1950-2175
एओर कमांडर	2200-2400
एओर वाइस मार्शल वी० सी० ए०	
एस०	2500-2750
एओर मार्शल	3000
एओर मार्शल (वी० सी० ए०	
एस० और ए० ओ० एस० सी०-इन-	
सी०)	3250
एओर चीफ मार्शल (सी० ए० एस०)	4000

(ii) भत्ते

उड़ान भसा—उड़ान शाखा (पायलट और नेवीगेटर)
शाखाओं के अफसर निम्नलिखित दर पर
उड़ान भसा लेने के पाव हैं—

प्रतिमास

पायलट अफसर से लेकर

विंग कमांडर तक

ग्रुप कैप्टन और एथर कमांडर

एंडर वाइस मार्शल और उससे ऊपर

(iii) योग्यता धेतन/अनुदान :—निम्नलिखित दरों पर उन उड़ान शाखा अफसरों को प्राप्त जिनके पास निर्धारित योग्यताएँ हैं :—

योग्यता वेतन	रु० 100/- प्र० मा० या रु० 70/- प्र० मा०
योग्यता अनुदान	रु० 6000/- 4500/- 2400/- या 1600/-

(iv) पदोन्नतिया

(क) मल पदोन्नति

उच्चतर रैकों पर म

उच्चतर रका पर मूल पदाभास के लिय निम्नलिखित सेवा सीमायेहैं:—

समय वेतनमान द्वारा

ਪਲਾਈੰਗ ਅਫਸਰ

सेषा ।

फ्लाइंग सेफिटनेन्ट	5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा।
स्क्वाइन लीडर	11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा।
विंग कमांडर	यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो तो 24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा पूरी कर ली हो।
<u>चयन द्वारा</u>	
विंग कमांडर	16 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी।
ग्रुप कैप्टन	22 वर्ष —वही—
एअर कमोडोर	24 वर्ष —वही—
एअर बाइस मार्शल	26 वर्ष —वही—
एअर मार्शल	28 वर्ष —वही—

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

अफ़परों की कार्यकारी पवोल्वन्टि के लिये अपेक्षित न्यूनतम सेवा सीमा इस प्रकार है:—

फ्लाइंग लेफ्टिनेन्ट	2 वर्ष
स्कवाइन लीडर	5 वर्ष
विंग कमांडर	6 वर्ष (स्कवाइन लीडर के रैंक में एक वर्ष की सेवा के बाद)।

प्राप्ति कमोडोर 11 1/2 वर्ष (विंग कमांडर
ओर ग्रुप कॉन्स्टन के रूप
में 3 वर्ष की सेवा के
बाद)।

एअर वाइस मार्शल 15 वर्ष (विंग कमांडर, शूप कैप्टन और एअर कमोडोर के रैंकों में 5* वर्ष की सेवा के बाद)।

एश्वर मार्शल 23 वर्ष

*खंडित अवधियों को शामिल करके

14. सेवा निवृत्ति लाभ

पेन्शन, उपदान और कैंजुएल्टी पेंशनी अवधार्ड समय-समय पर लाग नियमों के अनुसार स्वीकार्य होंगे।

15. ਭਾਵੀ

समय-समय पर सागृ नियमों के अनुसार छट्टी स्वीकार्य होगी।

परिशिष्ट IV

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र

का फार्म:

प्रमाणित किया जाता है कि श्री _____
सुपुत्र श्री _____ जो गांव/कस्बा* _____
जिला/मण्डल* _____

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र _____ के निवासी हैं
जाति/जन* जाति के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई हैः—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*
संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950*
संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,
1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
आदेश, 1951*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूचियां (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां* आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश,
1956*

संविधान (भंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश, (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश,

1967*

संविधान (गोप्रा, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश,
1968*

संविधान (गोप्रा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां
आदेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2. श्री _____ और/या* उनके परिवार आमतौर से गांव/कस्बा* _____ जिला/मण्डल* _____ राज्य। संघ* राज्य क्षेत्र _____ में रहता है। राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

हस्ताक्षर _____
**पदनाम _____
(कार्यालय की सोहर के साथ)
स्थान _____
तारीख _____

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोटः—यहां “आम तौर से रहता है” का अर्थ वही होगा जो “रिप्रेजेंटेशन आफ दि पिपुल एक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

**जाति/जन जाति का प्रमाण पत्र जारी करने के लिये सक्षम अधिकारी।

(i) जिना मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट सिटी मैजिस्ट्रेट/† सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एस्ट्रो असिस्टेंट कमिशनर।

+प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं।

(ii) चीफ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यु अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डबलपर्सेट अफसर (लकड़ीप)।

परिशिष्ट V

संघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

क. वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको “वस्तुपरक परीक्षण” कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको

*उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको

आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन सेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि नहीं।

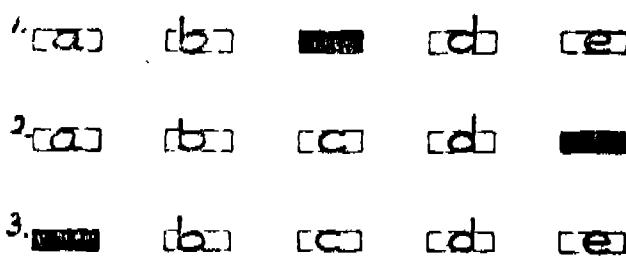
ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3.... के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे, a,b,c,... क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अन्त में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार छण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a,b,c,d,e,... के क्रम से प्रत्युत्तर लिखे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शनी वाले आयत को पेन्सिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किसी की एच० बी० पेसिल (पेसिल) ही लाएं और उन्हों का प्रयोग करें।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट आदि पड़ जाएं और वह टेढ़ा हो जाए।

घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक/निरीक्षक को सौंप दें। आपको पर्यक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ने जाने की अनुमति है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा-पर्यक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, पर्यक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ-माफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहें भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेशों का सावधानी से पढ़ने हैं कि इन अनुदेशों का सावधानी के पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविधि संदर्भ है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रबंध प्रमाण-पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेसिल, एक रबड़, एक पेसिल शार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको यह भी सलाह दी जाती है कि आप अपने माथे एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ भी न लिखा हो। यदि आपको दी गई बेज की सतह समतल नहीं है तो इसकी सतह समतल होने के कारण आपको परीक्षण पुस्तिका में उत्तर अंकित करने में सुविधा होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

ड.० विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अनेक अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के सम्बद्ध खाने में अपनी पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी।

ध. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बढ़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़े और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काढ़े जाएंगे।

छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहे, आप लिखना बन्द कर दें।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक और कच्चा कार्य करने के लिए पत्रक न ले जाएं और आपको “हाल” छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक और कच्चा कार्य करने के लिए पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है?
 - (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
 - (b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
 - (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
 - (d) अशोकोत्तर युग में आधिक रिक्तता थी।
2. संसदीय स्वरूप की सरकार में
 - (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
3. पाठ्याला के छात्र के लिए पाठ्येत्तर कार्यक्रम का मुख्य प्रयोजन
 - (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
 - (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
 - (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
 - (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।
4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है;
 - (a) शुक्र
 - (b) मंगल
 - (c) बृहस्पति
 - (d) बृद्ध
5. वन और बाढ़ के पारस्परिक सम्बन्ध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है?
 - (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, भिट्ठी का धरण ही उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
 - (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
 - (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
 - (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीर्घी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,
New Delhi, the 11th November 1980

No. A-19036/4/79/Ad-V.—Consequent on the expiry of his term of deputation, the services of Shri S. K. Pant, Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, CIU (Ant) were placed back at the disposal of the Delhi Police with effect from 31-10-1980 afternoon.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110022, the 9th October 1980

No. P. VII-4/79-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion, the following Subedar Majors/Subedars of CRP Force to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. They took over charge of the posts in the units on the dates indicated against their names:

Sl. No.	Name of the Officer	Unit to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri Dalip Singh	31 Bn	5-8-80
2.	Shiv Narayan Singh	55 Bn	12-8-80
3.	Gurmukh Singh	30 Bn	6-8-80 (AN)
4.	Samir Singh	44 Bn	31-7-80
5.	R.K. Swamy	GC-NGR	16-8-80
6.	M.A. Khan	1 Bn	4-8-80
7.	S.L. Sharma	58 Bn	11-8-80
8.	Ram Kishan Bedi	36 Bn	7-8-80
9.	Chander Bhan	5 Bn	5-8-80
10.	Ganga Ram	39 Bn	12-8-80 (AN)
11.	Dalbir Singh	GC-AVD	20-8-80
12.	Jai Dayal Singh	61 Bn	5-8-80
13.	Inder Sen Mishra	31 Bn	5-8-80
14.	Mohar Singh	54 Bn	5-8-80
15.	Harphool Singh	22 Bn	5-8-80
16.	Gurbachan Singh Bajwa	GC-NMH	7-8-80
17.	Panna Lal Gupta	2 Bn	5-8-80
18.	Kripal Singh	47 Bn	5-8-80
19.	Khajur Singh	52 Bn	31-7-80 (AN)
20.	Rup Lal Sharma	3 Bn	5-8-80 (AN)
21.	Karnail Singh	42 Bn	6-8-80
22.	Ram Lakhan Rai	37 Bn	8-8-80
23.	S.L. Duggal	21 Bn	1-8-80 (AN)
24.	S.P.S. Negi	46 Bn	19-8-80
25.	Inderjit Singh Gill	27 Bn	5-8-80
26.	Kripal Singh	8 Bn	11-8-80 (AN)
27.	S.P.S. Singh Cheema	39 Bn	11-8-80
28.	C. Gopi	GC-BBSR	8-8-80
29.	Nand Ram Yadav	35 Bn	7-8-80
30.	B. Ratnam	16 Bn	5-8-80
31.	Karnail Singh	16 Bn	9-8-80
32.	Kuldip Singh	53 Bn	31-7-80
33.	Attar Singh	53 Bn	1-8-80
34.	R.S. Agarwal	1st Sig. Bn	12-8-80 (AN)
35.	D. Venkataramaiah	63 Bn	6-8-80 (AN)

A. K. SURI, Assistant Director (Admn.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 10th November 1980

No. 11/37/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Chowdhury Investigator in the office of the Director of Census Operations, Tripura, Agartala, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 27th September, 1980, or till the post is filled in, on regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Chowdhury will be at Agartala.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Chowdhury any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade *nor* for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/37/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. Chandra Sekhara Reddy Investigator in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 26th September, 1980, or till the post is filled in, on regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Reddy will be at Hyderabad.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Reddy any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations Technical. The services rendered by him on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade *nor* for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/37/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. M. Singh, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 29th September, 1980, or till the post is filled in, on regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Singh will be at Lucknow.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Singh any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade *nor* for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/43/80 Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Kapoor, an officer belonging to the Government of Himachal Pradesh, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 10th October, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Kapoor will be at Simla.

The 12th November 1980

No. 11/33/79 Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri W. N. Deshpande, an officer belonging to the Government of Maharashtra, as Assistant Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operation, Maharashtra, Bombay by transfer on deputation with effect from the forenoon of the 27th September, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Deshpande will be at Nagpur.

No. 11/37/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Rout, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Orissa, Cuttack, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 27th September, 1980, or till the post is filled in, on regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Rout will be at Cuttack.

3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Rout any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/37/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Sharma, Investigator in the office of the Director of Census Operation, U. T. of Chandigarh, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 21st October, 1980, or till the post is filled in, on regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Sharma will be at Bhopal.

3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Sharma any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/37/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Sugriv Singh Niket, Investigator in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 21st October, 1980, or till the post is filled in, on regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Niket will be at Patna.

3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Niket any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

The 13th November 1980

No. 10/4/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri R. N. Talwar, Console Operator in the office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Assistant Director (Programme), on ad-hoc basis, in the same office, as Assistant Director (Programme) in the same office, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 15th October, until further orders.

The headquarters of Shri Talwar will be at New Delhi.

The 14th November 1980

No. 11/25/80 Ad.I.—Consequent on his repatriation from the Backward Classes Commission, Ministry of Home Affairs, after expiry of the term of his deputation there Shri S. S. S. Jaiswal took over charge as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census

Operations, Delhi with effect from the forenoon of the 1st October, 1980, vice Shri R. K. Bhatia.

The headquarters of Shri Jaiswal will be at New Delhi.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 30th September 1980

No. Admin. I/O.O.309/5-6/Promotion/79-81/1245.—The Director of Audit hereby appoints the following permanent Sections Officers of this Office to officiate as Audit Officers, with effect from the forenoon of 29-9-1980 until further orders.

S. No. Name

- 1. Sh. R. C. Jain
- 2. Sh. P. D. Aggarwal.

The 14th November 1980

No. Admin. I/0.0.356/5-6/Promotion/79-81/1422.—The Director of Audit, hereby appoints the following permanent Section Officers of this Office to officiate as Audit Officers in the Scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 30-10-1980 until further orders.

S. No. Name

- 1. Sh. P. S. Gambhir.

Sd./- ILLEGIBLE
Joint Director of Audit (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Bombay-400 020, the 1st November 1980

No. Admin.I/Genl/31-Vol.III/C-1(1)|12.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following members of the S.A.S. to officiate as Accounts Officers from the date mentioned against them, until further orders.

- (1) Smt. N. M. Chodankar.—6-10-80 A.N.
- (2) Shri K. G. Das Gupta.—23-10-80 F.N.

S. R. MUKHERJEE,
Sr. Dy. Accountant General/M.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Trivandrum-695 001, the 12th November 1980

No. Estt.A/VII/9-86/Vol.II|159.—The Accountant General Kerala, is pleased to appoint the undermentioned Section Officers (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the date shown against each until further orders :—

- 1. Shri T. V. Gopalan.—1-11-1980 F.N.
(Proforma)
- 2. Shri K. Bhaskaran.—1-11-1980 FN.

D. SIVARAMAKRISHNAN,
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I

Calcutta-1, the 15th November 1980

No. Admn.I/1038-XV.II/213.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 1st November 1980 or from the date/dates on which they actually take over charge as Accounts Officers whichever is later until further orders.

S/Shri

- 1. Paritosh Kumar Mukherjee
- 2. Anil Kumar Mukherjee

The inter-se-seniority of the newly promoted Accounts Officers will be indicated in due course.

POSTING

1. Shri Paritosh Kumar Mukherjee on his promotion as Accounts Officer is posted to Pension Group of the Office of the A.G.I., West Bengal against existing vacancy in that group.

2. Shri Anil Kumar Mukherjee on his promotion as Accounts Officer is posted to Accounts Group of the Office of the A.G.I., West Bengal against the vacancy caused due to retirement of Shri K. B. Sarkar, Accounts Officer, w.e.f. 31-10-80 (AN).

SUDHA RAJAGOPALAN,
Sr. Deputy Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi-110001, the 14th November 1980
CORRIGENDUM

No. 3452/A.Admn/130/79-80.—In this office notification, forwarded under No. 2264/A.Admn/130/79-80 dated 30-8-80, the following may be substituted :—

For "Shri D. K. Roy Chaudhury"
Read "Shri D. K. Roy Chowdhury"

K. B. DAS BHOWMIK,
Joint Director of Audit, DS
New Delhi.

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 10th November 1980

No. CER/3/80.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69 dated the 19th September, 1969, namely :—

In the said Notification :—

Item (a) of sub-paragraph (2) of Paragraph 1 shall be substituted to read as under :—

(a) Yarn containing not less than 60 per cent by weight of art silk.

M. MADURAI NAYAGAM,
Additional Textile Commissioner.

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 29th October 1980

No. A-32013/5/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 4th October, 1980 and until further orders Shri S. C. Jain, Assistant Director Grade I (Processing) as Deputy Director (Processing) in the Weavers Service Centre, Panipat.

No. A-32013/5/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 4th October, 1980 and until further orders Shri G. R. Gurumurthy, Senior Lecturer in Textiles Chemistry as Deputy Director (Processing) in the Indian Institute of Handloom Technology, Salem.

P. SHANKAR,
Jt. Development Commissioner for Handlooms.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 13th November 1980

No. 12/653/70-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Chief Editor in the Department of Family Welfare, Ministry of Health & Family Welfare, Shri J. L. Saaz, has relinquished charge of the post of Director (Technical Publicity) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the afternoon of 27th October, 1980.

M. P. GUPTA,
Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 6th November 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7) dated the 11th July, under Class 2—NITRATE MIXTURE, add the following, namely :

- (i) "INDOCOAL-5 for carrying out field trials at specified locations upto 31-12-1981" after the entry "INDOCOAL-3";
- (ii) "INDOBOOST for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-12-1981" before the entry "INDOCOAL-1"; and
- (iii) "INDOGEL-250 for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-12-1981" after the entry "INDOGEL-230".

The 22nd October 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7) dated the 11th July, 1969, under Class 6 Division 2, add "NONE TUBE—Swedish make for carrying out field trials at the specified locations upto 30-4-1981" after the entry "NOBEL SHAPED CHARGE".

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7) dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division 1, add "DYNAMITTIA—DYNAMIT AND DYNAMITI—(Finland make)" after the entry DYNAMITE III—Belgium make".

CHARANJIT LAL,
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A—6)

New Delhi, the 31st October 1980

No. A-6/247 (350).—Shri Suniti Kumar Bose, a permanent Assistant Inspecting Officer (Engg) in the Calcutta Inspection Circle, retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th September, 1980 on attaining the age of Superannuation (58 years).

P. D. SETH,
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the

No. 3/2/61-SII.—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri J. K. Chel, Accountant, All India Radio, Sambalpur on an adhoc basis to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Jeypore with effect from 22-10-80 (F.N.).

S. V. SESADRI,
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi-I, the 12th November 1980

No. 4(18)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Somnath Sanyal as Programme Executive, All India Radio, Calcutta in a temporary capacity with effect from 23-9-80 and until further orders.

No. 4(24)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri N. K. Acharya as Programme Executive, All India Radio, Suratgarh in a temporary capacity with effect from 29-8-80 and until further orders.

No. 4(33)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Geeta Markam as Programme Executive, All India Radio, Jagdalpur in a temporary capacity with effect from 6-9-80 (A.N.) and until further orders.

No. 4(44)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri B. D. Mazumdar as Programme Executive, All India Radio, Panai in a temporary capacity with effect from 22-10-80 and until further orders.

No. 4(49)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri P. Raja Rao as Programme Executive, All India Radio, Jeypore in a temporary capacity with effect from 1-10-80 and until further orders.

No. 4(51)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. B. Mirdha as Programme Executive, All India Radio, Ranchi in a temporary capacity with effect from 5-9-80 and until further orders.

No. 4(52)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri P. K. Raina as Programme Executive, Radio, Kashmir, Srinagar in a temporary capacity with effect from 27-8-80 and until further orders.

No. 4(68)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri D. P. Rao as Programme Executive, All India Radio, Jagdalpur in a temporary capacity with effect from 6-10-80 and until further orders.

No. 4(84)80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri D. U. Bandsode as Programme Executive, All India Radio, Jalean in a temporary capacity with effect from 1-9-80 and until further orders.

The 15th November 1980

No. 10/2/80-SII.—The Director General is pleased to appoint Shri S. K. Rajagopalan Sr. Engineering Asstt. All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Asstt. Engineer, All India Radio and post him at Research Deptt. All India Radio New Delhi with effect from the forenoon of 8th Oct., 1980, until further orders.

H. C. JAYAL.
Dy. Director of Administration
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 13th November 1980
ORDER

No. A.39012/90/78-CHS.I.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965, the Director General of Health Services hereby gives notice to Dr. (Smt.) Veena Rai (nee Thabbar), Junior Medical Officer (ad-hoc), Central Government Health Scheme, Delhi that her services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which it is published in the Gazette of India. The unauthorised portion of her absence with effect from the 21st April 1978 till the date of termination of her services shall be treated as dies non for which she will not be entitled to any pay and allowances.

JOGINDER SINGH.
for Director General of Health Services

New Delhi, the 11th November 1980

No. A.38012/4/79(HO)/Admn.I.—On attaining the age of superannuation Dr. V. A. Moghe, Assistant Drugs Controller of (India), Directorate General of Health Services,

New Delhi retired from Government Service on the afternoon of the 29th February, 1980.

S. L. KUTHIALA,
Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi, the 11th November 1980

No. A.19012/4/80-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. K. Sen Gupta in the post of Accounts Officer Govt. Medical Store Depot Calcutta, on deputation terms with effect from the forenoon of 10th October, 1980 and until further orders.

SHIV DAYAL,
Dy. Director Administration (Stores)

New Delhi, the 14th November 1980

No. A. 19019/29/79 CGHS-I.—The Director General of Health Service is pleased to appoint Dr. Shyam Balaji Sorte to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme, on temporary basis with effect from the forenoon of 21-10-1980.

K. L. BHATIA,
Dy. Director Admn. (CGHS)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 14th November 1980

No. A. 19027/1/80-A-II.—Shri P. Y. Shirke is appointed to officiate as Editor (Market Journal) in this Directorate at Nagpur for a period of 3 years with effect from 9-10-80 on usual deputation terms.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWFR PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 31st October 1980

No. PPED/3(4)/76-Adm.14426—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K. V. Mathews, a quasi permanent Asstt. Security Officer in this Division as Security Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 18, 1980 to afternoon of October 21, 1980 during the leave period of Shri M. M. Mathew, Security Officer.

B. V. THATTE,
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 28th October 1980

No. EST/ACC/221/80.—The Controller is pleased to appoint Shri K. G. Soman as Asstt. Accounts Officer in officiating capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of October 6, 1980.

C. R. SHAH,
Admn. Officer-II (Fst.).

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th November 1980

No. A-32013/17/78. EA.—The President has been pleased to sanction the continued *ad-hoc* appointments of the following Officers to the grade of Aerodrome Officer upto 24-9-80 :—

S. No.	Name	Station
1. S/Shri		
1. Kavitaj Singh	A.S.O. (ATC) Hdqrs.	
2. J.S.R.K. Sharma	Madras	
3. Amir Chand	Gwalior	
4. H.D. Lal	Bhopal	
5. G.B. Bansal	Rajkot	
6. M.S. Gossain	Pasam	
7. C.N.S. Moorthy	Madras	
8. A.N. Mathur	Khumbirgram	
9. P.K. Khanna	Indore	
10. D.S. Deswani	A.O. (P) Hdqrs.	
11. K.P.S. Nair	Madras	
12. A.K. Jha	North Lakhimpur	
13. S.J. Singh	Palam	
14. S.K. Vohra	Santracruz	
15. Vinod Kumar Yadav	Santracruz	
16. Daljit Singh Chatrath	Palam	
17. D.D. Vuthoo	Srinagar	
18. K.K. Malhotra	Dum Dum	
19. G.S. Kalsi	Leh	
20. A.T. Richard	Madras	
21. Rajinder Pal Singh	Bombay Airport	
22. Arul Anand	Tirupathi	
23. C.M. Kothiyath	Bombay	
24. P.N. Bhaskar	Bhavnagar	
25. H.C. Malik	Amritsar	
26. H.R. Joshi	Bombay	
27. S.C. Huria	Begumpet	

S. GUPTA,
Director of Administration

New Delhi, the 11th November 1980

No. A-32014/1/80-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri D. S. Dhurve, Store Assistant as Store Officer (Group 'B' Post) on ad-hoc basis in the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta for a period of 6 months with effect from the forenoon of the 9th October, 1980.

The 12th November 1980

No. A.38015/3/80-ES.—Shri T. R. Sharma, Administrative Officer (Group 'B' post) in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st October, 1980, on attaining the age of superannuation.

The 15th November 1980

No. A. 32013/6/78-EC.—The President is pleased to appoint the four following Asstt. Communication Officers at present working as Communication Officer on ad-hoc basis to the grade of Communication Officer on regular basis with effect from 22-7-80 (FN) and to post them at the station indicated against each:—

Sl. No.	Name	Station of posting	1	2	3
			1	2	3
1. Shri N. Muniandy	Office of the Regional Controller of Communication, Madras Airport, Madras				
2. Shri T.C.S. Moosad	Controller of Communication ASC, Madras.				

1	2	3
3. Shri S.L. Mehra	.	Office of the Controller of Communication, Safdarjung Airport, New Delhi.
4. Shri B.N. Sil	.	Office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung, Airport, New Delhi.

No. A. 32014/3/79-EC (Pt. IV).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on an ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each :—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1. S/Shri				
1. O.P. Chadha	ACS, Palam	ACS, Palam	(FN)	8-9-80
2. S.P. Srivastava	CATC, All. habd	CATC, Allahabad	(FN)	9-9-80
3. B.K. Mukherjee	ACS, Gauhati	ACS, Gauhati	(FN)	19-9-80
4. Sirinderjit Singh	CATC, Allahabad	CATC, Allahabad	(FN)	9-9-80

No. A. 32014/3/79-EC (Pt. IV).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on an ad-hoc basis with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each:—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1. S/Shri				
1. J. Sanyal	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	(FN)	18-9-80
2. H.L. Chawla	RC&DU New Delhi	ACS, Nagpur	(FN)	25-9-80
3. K.K. Ichhupunani	Do.	ACS, Nagpur	(FN)	26-9-80
4. M.K. Sathaya	ACS, Bombay	ACS, Bombay	(FN)	3-10-80
5. S.P. Chowdhury	ACS, Agartala	ACS, Calcutta	(FN)	22-9-80

No. A.38013/1/80-EC.—Shri N. S. S. Money, Communication Officer in the Office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay Airport, Bombay relinquished charge of office on 31-7-80 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation. (Item No. 3 of this Department Notification No. A. 38013/1/80-EC dated 29-8-80 is hereby cancelled).

R. N. DAS,
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 5th November 1980

No. 1/463/80-EST.—Shri Jai Bhagwan Sharma, Assistant Engineer, A.S.E.S., Lachhiwala, Dchra Dun, resigned his duties with effect from the afternoon of the 26th September, 1980, on the expiry of Earned Leave granted to him for 3 days with effect from 26-9-80 to 28-9-80.

H. L. MALHOTRA,
Dy. Director (Admn.)
for Director General

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1980

Ref. No. G.I.R. No. H-36/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half portion of two shops and residential accommodation and land, situated at Shivaji Marg, Alamgirigunj, Bareilly.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 14-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the coosideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shiv Narain Singh, 2. Smt. Savitri Devi, 3. Smt. Sharda Devi, 4. Smt. Rani Devi, 5. Km. Shobha Rani 6. Shri Kailash Narain 7. Shri Prakash Narain, 8. Shri Rajesh Narain 9. Smt. Rampa Devi

(Transferees)

- (2) 1. Shri Hari Om 2. Shri Jagdish Saran 3. Shri Satish Kumar

(Transferee)

- (3) Shri Shiv Narain Singh
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of two shops and residential accommodation and land situate at Shivaji Marg, Alamgirigunj, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and the form 37G No. 2828 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 14-5-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 4-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW**

Lucknow, the 4th October 1980

G.I.R. No. H-37/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half part of land Arazi measuring 2.11 decimal situate at Mauza SIHORA GOVIND, CIRCLE NO. 3, MORADABAD

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 27-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Raghunath Singh
(2) 1. Haji Kishwar Ali

2. Babu Husain
3. Mohd. Usman.
4. Mohd. Salim.
5. Haji Mohd. Shafi,
6. Mohd. Naim

(Transferees)

- (3) Above seller
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Half part of land Arazi measuring 2.11 decimal situate at Vill. & Mauza-Sihora Govind, Circle No. 3, Tehsil and Pargana—Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 1201 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 27-3-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—356GI/80

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Brijendra Kumar
(Transferors)
- (2) Smt. Premwati Devi
(Transferee)
- (3) Above seller.
(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1980

G.I.R. No. P-82/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. A house No. 11-24 constructed on lease-hold land No. 797 situate at Jail Road, Hiranagar, Haldwani, Nainital, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 24-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house No. 11-24 constructed on lease-hold land No. 797, situated at Jail Road, Hira Nagar, Haldwani, Distt. Nainital, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1003/80 both of which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Haldwani, on 24-5-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 4th October 1980

G.I.R. No. R-150/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Half portion of shops and residential house situate at Mohalla-Alamgiriganj, Bareilly.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 14-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shiv Narain Singhal
- 2. Smt. Savitri Devi,
- 3. Smt. Sharda Devi,
- Smt. Rani Devi,
- 5. Km. Shobha Rani,
- 6. Shri Kailash Narain
- 7. Shri Prakash Narain
- 8. Shri Rajesh Narain.
- 9. Smt. Rampa Devi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Rammanilal Saheb Khandelwal,
- 2. Smt. Laxmi Devi.

(Transferee)

- (3) Shri Shiv Narain Singhal
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half portion of shops and residential house situated at Mohalla-Alamgiriganj, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2827 both of which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 14-5-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Syed Baqar Husain.

(Transferor)

(2) Shri S. Ali Naqi.

(Transferor)

(3) Above seller.
(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th October 1980

G.I.R. No. S-194/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House No. 221 situate at Mohalla-Qaziara, Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sitapur on 26-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 221 including building and land situated at Mohalla-Qaziara, Sitapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Sitapur, on 26-3-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-10-1980
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Rajeev Kumar.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi.

(Transferee)

(3) Smt. Nirmala Devi.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th October 1980

G.I.R. No. N-32/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 85, Land measuring 205 sq. metres. situated at Mauza-Tulsipur, Pargana-Dehat Amanat, Distt. Varanasi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 4-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 205 sq. mtrs at property M. No. 85, situated at Mauza-Tulsipur, Pargana-Dehat Amanat Distt. Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and the form 37G No. 2376, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 4-3-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-10-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajeev Kumar

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th October 1980

G.I.R. No. V-48/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot of land measuring 406 sq. metres, N. M. No. 85, 86 & 287 situated at Mauza-Tulsipur, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 4-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri Vijai Kumar Singh
 2. Arun Kumar,
 3. Ashok Kumar
 4. Upendra Kumar

(Transferee)

- (3) Shri Vijai Kumar Singh
 (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 406 sq. mtrs., N.M. Nos. 85 86 and 287 situated at Mauza-Tulsipur, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2374/80, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 4-3-1980.

A. S. BISEN
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-10-1980
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Pramod Kumar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Kumar Singh.

(Transferee)

(3) Shri Vijay Kumar Singh.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th October 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

G.I.R. No. V-49/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of plot of land of property No. 286 and 287 measuring 605 sqm. situated at Mauza-Tulsipur, Pargana-Dehatamanat, Distt. Varanasi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 4-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of plot of land of property No. 286 and 287 measuring 605 sq. metres situated at Mauza-Tulsipur, Pargana-Dehat Amanat, Distt. Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 2375/80 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 4-3-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-10-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Prem Kumarie,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th October 1980

G.I.R. No. P-83/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 29/7 (old No. 16) and land 15989 sq. ft. situate at Rana Pratap Marg, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 14-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Prem Kumarie,

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Rastogi
2. Master Sanjay Prasad
3. Master Ascem Rastogi,
Minor sons through their father & natural guardian Dr. Ramesh PD. Rastogi.

(Transferee)

(3) Self.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 29/7 (Old No. 16) including land measuring 15989 sq. ft. situate at Rana Pratap Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1416, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 14-3-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Prem Kumarie.

(Transferor)

(2) Shri Kally Prasad Gupta.

(Transferee)

(3) Self.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,****57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW**

Lucknow, the 15th October 1980

G.I.R. No. K-93/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A plot of land measuring 4540 sq. ft. situated at 29/7 (old No. 16), Rana Pratap Marg, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 14-3-1980.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A vacant plot of land measuring 4540 sq. ft. situate at 29/7 (old No. 16), Rana Pratap Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 144 of 80, which have only been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 14-3-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—356GL/80

Date : 15-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Prem Kumarie.

(Transferor)

(2) Shri Sarjoo Prasad Gupta.

(Transferee)

(3) Self.

(Person in occupation in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

ACQUISITION RANGE,
 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW
 Lucknow, the 15th October 1980

G.I.R. No. S-195/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29/7 (old No. 16) & land measuring 5840 sq. ft. situate at Rana Pratap Marg, Lucknow, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 18-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A vacant plot of land measuring 5840 sq. ft. Premises No. 29/7 (old No. 16), situate at Rana Pratap Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1446/80 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 18-3-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-10-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Prafulla Chandra Banerjee,
 2. Shri Sushil Chandra Banerjee,
 3. Shri Bimal Chandra Banerjee,
 4. Shri Anupam Chandra Banerjee,
 5. Smt. Chaya Devi,
 6. Shri Atul Chandra Banerjee
 7. Shri Robin Chandra Banerjee.

(Transferor)

- (2) Smt. Leelawanti

- (3) Above transferee.

(Person in occupation in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 21st October 1980

G.I.R. No. L-32/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A double storeyed building No. 106/32 situate at Mohalla-Nazarbagh, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 2-4-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One pakka double storeyed house about 50 years old with land and land appurtenant, Nagar Mahapalika No. 106/32 Nazarbagh, Lucknow, Area-1,800 sq. ft., and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1986/80, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 2-4-1980.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 21-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Smt. Ganga Har Narain Agarwal,
2. Shri NARESH NARAIN Agarwal.
- (2) M/s. Gandhi Griha Nirman Sahkari Samiti Ltd.,
Varanasi, through Shri Laxmi Prasad Rai.
(Transference)
- (3) Above sellers.
(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,**

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th October 1980

G.I.R. No. R-50/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. C-27/253 including land, Arazi Nos. 184, 185, 186 Area-4795 sq. mtrs. situated at Mauza-Habibpura (Jagatganj), Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varanasi on 4-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. C-27/253 including land Arazi Nos. 184, 185 and 186, land area-4795 sq. mtrs. situated at Mauza-Habibpura (Jagatganj), Varanasi, and all the description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2399/80, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 4-3-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

Date : 29-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harihar Nath Bharaga

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961, (43 OF 1961),

(2) Smt. PADMAWATI, NARULA.

(Transferee)

(3) Owner:

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE.**

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th October 1980

G.I.R. No. P-84/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of H. No. 40 (Municipal No. 131/30 and 31-A) Area 3224 sq. ft. situated at Qaiserbagh Avenue, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 28-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Portion of house No. 40 Municipal No. 131/30 and 31-A area 3324 Sq. ft. situate at Quaiserbagh Avenue, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1916/80, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 28-3-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-10-1980.
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Harihar Nath Bhargava. (Transferor)
 (2) Shri Iswar Das Narula (Transferee)
 (3) Above seller.
 (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th October 1980

G.I.R. No. I-13/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of House No. 40 (Municipal No. 131/30 and 31-A) situate at Qaiserbagh Avenue, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 2-4-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Portion of House No. 40 (Municipal No. 131/30 and 31-A), area-1200 sq. ft. situate at Qaiserbagh Avenue, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1915 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 2-4-1980.

A. S. BISEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Lucknow.

Date : 29-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 30th October 1980

G.I.R. No. S-196/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/122, Sheela Kuteer situate at Faizabad Road, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-3-1980.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Annie Kapoor,
W/o Shri S. K. Kapoor,
R/o Kapoor Hotel
52, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Magan
W/o Shri Gyan Chand Magan
R/o. 5/122, Sheela Kuteer.
Faizabad Road, Lucknow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storeyed house situated at 5/122 Sheela Kuteer, Faizabad Road, Lucknow, registered at the office of the Registering Officer, Lucknow, on 17-3-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 30-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN J.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-80/1144.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 20 bigha 4 biswas situated at Village Dera Mandi Tehsil Mehrauli New Delhi (and those fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Phool Singh,
(2) Shri Bishamber and
(3) Shri Jai Chand S/o Shri Iqram of Village Dera Mandi Tehsil Mehrauli New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Narinder Bindra W/o S. Tara Singh Bindra, R/o B-2/202, Safdarjang Enclave, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land area 20 bigha 4 biswas M. No. 43 killa Nos. 16/2(1-14) 25/2(2-8), 24(4-16), M. No. 52 killa No. 4(4-1), 4(4-16), 8(2-6), M. No. 43 killa No. (0-3), village Dera Mandi Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 12-11-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kuldip Singh D.J.S. Commercial Sub-Judge Tis Hazari Court Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kundan Lal Kalra S/o Shri J. R. Kalra, R/o 52/50 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1157.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 52/50 situated at W.E.A. Karol Bagh New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 52/50 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi measuring 252 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

2—356GI/80

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sarla Vaid,
B-117, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madan Lal and Shri Krishan Lal,
5, Old Market Malviya Nagar New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1160.—Whereas, J. R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-117, situated at Malviya Nagar New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-117, Malviya Nagar, New Delhi measuring 2600 sq. ft.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOMETAX
TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1143.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. C-18 situated at Nizamuddin East New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on March 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

- (1) Shri Hashmat Rai Bawej S/o Shri Bilbagh Rai
Bawej,
R/o I/F-140, Lajpat Nagar New Delhi.
(Transferor)
- (2) (1) Shri Bakshi Siri Raing Singh,
(2) Shri Bakshi Jagteshwar Singh and
(3) Smt. Prem Kaur,
R/o K-9, Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Ac., shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C/18, Nizamuddin East Extn., New Delhi area
about 256 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons, namely :—

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) M/s. Rattan Singh & Surjy S/o Shri Gheesa Village Deoli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Delhi Towers Pvt. Ltd.
115, Ansal Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1132.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 33 bigha 17 biswas situated at Village Deoli New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 33 bigha 17 biswas comprising of Khasra Nos. as below; in village Deoli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

Killa No.	Keasra No.	Area Bigha	Area Biswas
50	2	4	12
	9	4	12
	12	4	12
	19	4	12
	20	4	16
	11	4	16
	21	1	12
	22	4	05
Total		33	17

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be closed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1091.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 5 bighas situated at in village Satbari Tehsil Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Chand Jain S/o Shri Sher Singh Jain, C-29, Panchsheel Enclave New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh Minhas S/o Shri Chanan Singh, R-543, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land area 5 bighas bearing khasra Nos. 26(1-80), 25(0-11), 24/2(2-11) with tubewell farm house, water tank, boundary wall, village satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Delhi/New Delhi

Date : 12-11-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1088.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-81, situated at Greater Kailash 1 New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) (1) Smt. Jamna Devi,
(2) Shri J. M. Lal,
(3) Shri H. M. Lal,
(4) Shri R. M. Lal,
(5) Smt. Sushila Sharma,
(6) Mrs. Kamla Bhatas, and
(7) Monika Verma,
A-32, Friends Colony, New Delhi.
- (Transferor)

- (2) Mahajan Woolens Pvt. Ltd. and Panipat Foods Ltd. South Extension Part II New Delhi.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. B-81, Greater Kailash, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 12-11-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

(1) Smt. Rani Komal Kumari of Bissau W/o Late Major Thakur Raghbir Singh Bissau House Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rajinder Kaur & S. Daljit Singh C-82, Defence Colony New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/3-80/1216.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

No. C-82, situated at Defence Colony New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1)
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-82, Defence Colony New Delhi area 325 sq.
yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Elbee Dugal Engineering Co. P. Ltd. B-Community Centre Basant Lok New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Harkanwal Pal Singh S/o S. Sahib Singh D-18, Green Park New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.**

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/3-80/1159.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/-
and bearing

No. 10 bigha agrl. land situated at Village Khirkee Tehsil
Mehrauli New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 5-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10 bighas bearing khasra
No. 431 and 432 at village Khirkee Tehsil Mehrauli New
Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Km. Krishna Thadani, 31-Sunita Building Colaba
Bombay.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

2. Smt. Sucheta K. Jhangiani 6-B, Bela Court
No. 1, Colaba, Bombay.
(2) Mrs. Vijay Poddar
F-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transference)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi-110002, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1166.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7 Street No. 6 situated at Shanti Niketan, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land & Building at Plot No. 7 Street No. 6, Shantiniketan New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—356GT/80

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Ram Prakash Sachdev S/o Balmokand and
Shakantla Sachdev W/o Ram Prakash Sachdev
R/o M-18, Saket New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1158.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-1/1, situated at Vasant Vihar New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property No. A-1/1, Vasant Vihar New Delhi. Area 620, sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I.
 H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
 NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC-Acq-I/SR-III/3-80/1197.—Whereas I,
 R. B. L. AGGARWAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 28 situated at Pusa Road New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred
 under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. P. Sharma,
 Registrar, High Court of Delhi, Delhi and on behalf of Smt. Usha Gupta defendant No. 1 in suit No. 294 of 1972.

(Transferor)

(2) Smt. Harjinder Kaur W/o Seth Narain Singh
 2. Onkar Singh,
 3. Jagtar Singh,
 4. Prithpal Singh,
 5. Nirankar Singh,
 6. Daya Singh,
 7. Narinder Singh,
 8. Purshotam Singh,
 9. Gurdip Singh sons of late Seth Narain Singh,
 10. Marjeet Kaur W/o Sahinder Singh,
 11. Miss Kuljit Kaur,
 12. Sukhbir Kaur daughters of Late Seth Narain Singh all resident of 12-A/12, W.E.A. Karol Bagh New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing No. 28 including in Khata Khewat No. 1, Khatoni No. 1393 Khasra Nos. 2022/1258 measuring 1585 sq. yds. 1042 sq. meters) approximately, situated at Pura Road/Ajmal Khan Road Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Delhi/New Delhi.

Date : 12-11-1980
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1231.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-222 situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 22-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamlesh Kapoor W/o S. K. Kapur C/o R. Chopra & Co. C.As., Dera Road, Batala Punjab.

(Transferor)

(2) Shri Nimit Gupta S/o Ishwar Chand Gupta 23/2, Yusaf Sarai New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 222 Block S, measuring 454 sq. yds in the residential colony known as Greater Kailash II New Delhi bounded as Under :—

East : Service Lane.
West : Road.
North : Plot No. S-220.
South : Plot No. S-224.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-11-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) DLF United Limited, 21-22,
Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN J. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1190.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Portion No. 205 (1Ind Floor) situated at DLF House
F-40, Con. Place New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on March 1980
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

(1) DLF United Limited, 21-22,
Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi.

(2) Smt. Manjit Ahluwalia W/o Yoginder Singh, C/o
39, Hanuman Road New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 205, 2nd Floor, Front Portion, DLF House,
F-40, Connaught Place New Delhi, Area 492.2 sq. ft.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 12-11-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Diwan Sham Lal Sawhney S/o Diwan Ram Lal
Sawhney R/o 40, Friends Colony New Delhi as
Karta of HUF.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC-Acq-I/SRIII/3-80/1233.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agriculture land 24 bigha situated at Chhattarpur Tehsil Mehrauli New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 22-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(2) Sunanda Kapoor D/o late Karam Chand Kakkar
C/o Rene Diffusion Inde F-31, Hauz Khas New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land area 24 bighas, Khasra Nos. 1875 (4-16), 1876 (4-16), 1877 (4-16), 1878 (4-16), 1879 (4-16) with tubewell and facing wires, village Chhattarpur Tehsil Mehrauli New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Muni Ram S/o Ramji Lal R/o Vill. Kishan Garh (Mehrauli) New Delhi.
(Transferor)
(2) Smt. Satwinder Kaur Sahni W/o Sh. Pritam Singh Sahni R/o B-203, Greater Kailash I New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/3-80/1153.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land mg. 48 bighas situated at Village Kishan Garh (Mehrauli) New Delhi. (and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 48 bighas bearing Killa No. 52/21(4-12) 22(4-12), 23(4-12), 24(2-10) 72/26 (0-12), 73/1(4-16), 2(4-16), 3(4-16), 4, 5 north (2-6), 8(4-16), 9(4-16), 10(0-16) situated at Village Kishan Garh Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/3-80/1238.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop Plot No. M-14, situated at Greater Kailash II New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Raj Rani W/o S. C. Jain, Subhash Jain R/o 191, Satya Niketan New Delhi, Fateh Chand Gupta, Smt. Maya Devi, Sh. Kulwant Rai, Ashok Kumar all R/o D-32, Panchsheel Enclave N. Delhi & Smt. Kasturi Devi R/o 191, Satya Niketan New Delhi. (Transferor)
- (3) M/s Indian Artwares Pvt. Ltd. W-93, Greater Kailash II, New Delhi. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Commercial plot No. M-14, admeasuring 195 sq. yds. situated in Greater Kailash II New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1240.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. C-36, situated at Kalindi Colony New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on 26-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s Sumati Prakash Jain & Sons (HUF) through its Karta and Manager Sumati Prakash Jain and all its co-parceners (i) Sumati Prakash Jain S/o Late Rattan Chand Jain (ii) Mrs. Phula Devi Jain W/o Sumati Prakash Jain, (iii) Rakesh Kumar Jain (iv) Suresh Kumar Jain (v) Mahesh Kumar Jain (vi) Yogesh Kumar Jain S/o Sumati Prakash Jain all R/o E-7, Kalindi Colony New Delhi-110065.
(Transferor)

(2) Sh. Mohinder Kumar Jain (ii) Satyender Kumar Jain and Upinder Kumar Jain sons of Surendra Nath Jain C-36, Kalindi Colony Ring Road New Delhi-110065.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

sq. yds. equal to approx 334.40 meters bearing No. 36 in Block C (then known as Category II Group B) at Kalindi Colony, Ring Road New Delhi bounded as under :—
East : Land of Central Road Research Institute.
West : 36 feet wide Public Road.
South : Park.
North : Property on plot No. E-26, Kalindi Colony New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24-356GI/80

FORM ITNS

- (1) Smt. Malika Thakur W/o Thakur Dhara Chand 46,
Court Road Amritsar Punjab.
(Transferor)
- (2) Harsh Narang S/o Ram Lal Narang S-337, Greater
Kailash II New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/3-80/1241.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. S-245 situated at Greater Kailash II New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on 26-3-1980.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Freehold plot measuring 300 sq. yds. and bearing No. 245
Block S, in the residential colony known as Greater Kailash II
New Delhi-48, bounded as under:—

East : Road.
West : Service Lane.
North : Plot No. S-243.
South : Plot No. S-247.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1248.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

at New Delhi on March 1980

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Brij Bhushan Gupta, Triloki Nath Gupta, Kulbhushan Gupta and Vijay Kumar Gupta sons of late Harinaraian Gupta R/o E-427, Greater Kailash II New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Inderjit Kaur W/o S. Amarjit Singh Johar R/o C-139, Defence Colony New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. E-427, Greater Kailash II New Delhi admeasuring 250 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-11-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-I,
 H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
 NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1167.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-A/31, situated at W.E.A. Karol Bagh New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sneha Kusum Roy W/o Late R. S. S. C. Roy at present residing at 12A/34, Western Extension Area, Karol Bagh New Delhi.
 (Transferor)

(2) Gayatri Sarkar W/o A. B. Sarkar at present residing 62/1, Ramjas Road, Karol Bagh New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold plot in block 15A plot No. 31, in W.E.A. Karol Bagh New Delhi area 266.7 sq yds, with double storeyed building constructed thereon.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Delhi/New Delhi

Date : 12-11-1980
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002
New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1189.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. C-39, situated at N.D.S.E. Part II New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on March 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in respect
of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Daljit Properties Pvt. Ltd. through its director
Smt. Daljit Kaur W/o Mohanji Singh R/o Flat No.
L, Sagar Apartment, Tilak Marg, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Prem Gupta S/o Nathu Ram & Smt. Sarla
Gupta W/o Prem Gupta 1st Guest House, A-1/6,
Safdarjung Enclave, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-39, measuring 500 sq. yds. N.D.S.E.-II
New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
New Delhi

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/3-80/1147.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 12 bighas situated at village Dera Mandi Tehsil Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-3-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Horam & Bhuley sons of Bakhtawar R/o Village Dera Mandi Tehsil Mehrauli New Delhi,
(Transferor)

(2) S. S. Singhal (Press) Pvt. Ltd. J-32, Lajpat Nagar III New Delhi through M/d S. Preminder Singh
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land area 12 bighas M. No. 82 Killa No. 14(4-16), 15(4-16), 16 min (2-8) village Dera Mandi Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Horam & Bhuley sons of Bakhtwara of village Dera Mandi Tehsil Mehrauli New Delhi.
(Transferor)
- (2) S. S. Singhal (Press) Pvt. Ltd., J-32, Lajpat Nagar III New Delhi through its Managing Director S. Preminder Singh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/3-80/1148.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land 12 bigha situated at Village Dera Mandi Tehsil Mehrauli New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 15-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agrl. land area 12 bighas M. N. 82 Killa Nos. 16 min (2-8) 17(4-16), 18(4-16) village Dera Mandi Tehsil Mehrauli New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-11-1980
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I. P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRJII/3-80/1203.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 189 Block No. 48 situated at Diplomatic Enclave New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) Smt. Sharda Veeramoney W/o Late Sh. K. S. Veeramoney and for her minor daughter Renuka Veeramoney, Veeramoney Arun and Veeramoney Murali R/o A/4, Anand Juhu Lane Cooperative Housing Society, S. V. Road, Andheri West Bombay 400053.

(Transferor)

(2) Shri K. Pothen Philip, 8-Kailas, Pedder Road, Cumbala Hill, Bombay-400 026.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 189, Block No. 48, Diplomatic Enclave New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi

Date : 12-11-1980

Seal :

FORM ITNS(1) Shri Dharma Vira 54,
Anand Lok New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahabir Prasad Saraijali s/o late Sh. Barudeo
Saraijali 129/7, M. G. Road Calcutta.
(Transferee)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/3-80/1202.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19 situated at Palam Marg New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 55 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 19 Palam Marg, Vasant Vihar, New Delhi measuring 2000 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Date : 12-11-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—356GI/80

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,**

**H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SRTH/3-80/1201.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10203, situated at Naiwala Karol Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Rajinder Dayal S/o Late Prem Narain,
(2) Smt. Sheela Dayal W/o Shri Rajinder Dayal,
(3) Shri Purshotam Sarup S/o Shri Rajinder Dayal,
(4) Shri Vipul S/o Shri Rajinder Dayal,
10203, Gurdwara Road, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)

- (2) M/s. Nirankari Flour & Vegetable Oil Indl. P. Ltd.
B-1, Lawrence Road, Delhi through D. R. Shah,
42/24, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed building No. 10203, (Khasra No. 1473/1257 Block S) Naiwala Scheme Gurdwara Road, Karol Bagh New Delhi measuring approximately 433 sq. yds. and bounded as under :—

East : Khasra No. 1474/1257.
West : Khasra No. 1498/1380.
North : Service Road.
South : Road.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Sulina Narang W/o Shri Harash Narang,
S-337, Greater Kailash, II New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Harya Singh S/o Shri Ishwar Singh, and
Shri Basant Singh S/o Shri Sadhu Singh both
R/o S-416, Greater Kailash II New Delhi-48.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-JII/3-80/1151.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. S.337, situated at Greater Kailash II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on March 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instruments of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer.
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
Persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S-337, Greater Kailash II New Delhi-148
measuring 300 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri O. P. Sethi S/o Late Shri B. R. Sethi,
II-0/13, Lajpat Nagar New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Isar Dass S/o Late Khab Chand,
R/o II-0/13, Lajpat Nagar New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/380/1112.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. II-0/13, situated at Lajpat Nagar New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Leasehold property bearing No. II-0/13, Lajpat Nagar New Delhi measuring 200 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) (1) Shri Sanjiv Kapur S/o Shri B. K. Kapur, R/o 45, The Mall, Delhi through G A. Shri B. N. Kapur S/o Late Dr. M. K. Kapur.
(Transferor)
- (2) Smt. Arsh Kaur W/o Shri Amrit Singh, R/o A-165/166 Daya Nand Colony Lajpat Nagar IV New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1250.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/5 situated at Jangpura 'A' New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 1/5, Jangpura 'A' New Delhi area 203 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I,
 H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
 NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1183.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-12 situated at Kalindi Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Satish Kumar Sons & Co., Eros Cinema Building Jangpura Extension New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Khanna W/o Late Y. K. Khanna and Master Rajat Khanna S/o Late Y. K. Khanna, R/o 21-Circuit House area, (Old) P. S. Bistupur, Town Jamshedpur, Distt. Singhbhum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-12, Kalindi Colony, New Delhi area 46.34 sq. mts.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhuvanjeet Singh S/o S. Narotam Singh,
A-2/C, D.D.A. Flats Munirka, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Satnam Kaur,
R/o G-27, Lajpat Nagar III New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1174.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. III/H-2, Lajpat Nagar III situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 6-3-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1)
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publ-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. III/H-2, Lajpat Nagar New Delhi measuring 200
sq. yds. bounded as under :—

East : Property No. H-3/III.
West : Property No. H-1/III.
North : Road.
South : Service Lane.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New/New Delhi

Date : 12-11-1980

Seal : ..

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th November 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/3-80/1161.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-15, situated at N.D.S.E.I. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Ravindra Kumar Rudra,
42/338, Moti Kunj Road Raja Ki Mandi Agra.
(Transferor)
- (2) (1) Km. Yashoda Devi,
C-4, Housing Society N.D.S.E. I. New Delhi,
(2) Shri Ram Ditta Mal,
3-Rama Park Kishan Ganj Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. A-15, N.D.S.E. Part I New Delhi.

Acquisition Range-I
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2262/—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule
situated at Bareta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Budhlada on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Parma Nand S/o Inder Sain
R/o Bareta Teh. Mansa.

(Transferor)

(2) Shri Tarsem Chand S/o Raghu Nath
R/o Bareta Teh. Mansa.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned know to be interested in the
property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale
deed No. 68 of April, 1980 of the Registering Authority,
Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

26—356GI/80

Date : 14-11-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Randhir Singh S/o Ujagar Singh
R/o Behram Teh. Nawanshahr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2263.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 moveable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 No. As per Schedule
 situated at Vill. Behram
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
 at Nawanshahr on March 1980
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer
 as agreed to between the parties has not been truly
 stated in the said instrument of transfer with the object
 of —

(1) Shri Hazura Singh S/o Gurbax Singh
R/o Behram Teh. Nawanshahr.

(Transferee)

(2) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(Transferee)

(3) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the
property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration
sale deed No. 5286 of March, 1980 of the Registering Authority, Nawanshahr.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 14-11-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Mehar Singh S/o Sunder Singh
R/o Vill. Gropar Teh. Nawanshahr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2264/—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe
 that the immoveable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. As per schedule
 situated at Vill. Gropar
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 Nawanshahar on March, 1980
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of—

(2) Smt. Gian Kaur D/o
Sh. Santa Singh S/o Lakha Singh
R/o Nangal Parthal, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned known to be interested in the
property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale
deed No. 5396 of March 1980 of the Registering Authority,
Nawanshahar.

R. GIRDHAR,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 14-11-1980.

Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No.2265.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
 situated at Vill. Mubarakpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parcels has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sucha, Darshan SS/o Sansara, Kesar Singh S/o Gurmel Singh S/o Sh. Sansara R/o Vill. Mubarakpur Teh. Nawanshahar. (Transferors)
- (2) Shrimati Surinder Kaur W/o Shri Dilawar Singh R/o Vill. Mubarakpur Teh. Nawanshahar. (Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5350 of March, 1980 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. GIRDHAR,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Jullundur.

Date : 14-11-1980.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2266/—Whereas, I,

R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

Nawanshahar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at Nawanshahar on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Surinder Kumar, Narinder Kumar Tarsem Lal, SS/o Girdhari Lal, Smt. Raj Kumari Wd/o Girdhari Lal R/o Nawanshahar Mohalla Bhuchran, Teh. Nawanshahar.

(Transferor)

(2) Sh. Harbans Singh S/o Mela Singh, Vill. Ram Raipur Teh. Nawanshahar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5227 of March, 1980 of the Registering Authority, Nawanshahar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-11-1980.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A. P. No. 2267/—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. As per Schedule
situated at Nawanshahar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Nawanshahar on March 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Surinder Kumar, Narinder Kumar
SS/o Sh. Girdhari Lal, Raj Kumar
Wd/o Girdhari Lal, Sohan Lal, Mohan Lal
SS/o Babu Ram Mohalla Bhuchran, Nawanshahar.
(Transferor)
- (2) Sh. Ajit Singh S/o Mela Singh,
R/o Ram Raipur, Teh. Nawanshahar.
(Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation in the property)
- *(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in the Registration
sale deed No. 5228 of March, 1980 of the Registering Authority,
Nawanshahar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-11-1980.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sh. Shanti Sarup S/o
Gian Chand, Railway Road,
Nawanshahar
(Transferer)
- (2) Sh. Baljit Kumar S/o Om Parkash
Railway Road, Nawanshahar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5203 of March ,1980 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 14-11-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2269.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Village Begampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar on March 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shanti Sarup S/o Shri Gian Chand,
R/o Railway Road, Nawanshahar.
(Transferor)
- (2) Shri Balwant Rai S/o Om Parkash,
R/o Railway Road, Nawanshahar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5208 of March, 1980 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2271.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kotli Bagwanan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kartarpur on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Parkash Singh S/o Shiv Singh G.A. of Smt. Tej Kaur D/o Shri Bishan Singh, Kotli Bagwanan. (Transferor)
- (2) (1) Shri Tirath Singh,
(2) Shri Amarjit Singh,
(3) Shri Avtar Singh S/o Shri Parkash Singh, Kotli Bagwanan. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 188 of March, 1980 of the Registering Authority, Kartarpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—356GI/80

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Sarabjit Kaur W/o Shri Barjinder Singh,
R/o 1162/33C, Chandigarh (U.T.).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2273.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vipay Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Shri Siri Chand S/o Shri Paras Ram, C/o Mrs. Gurbax Kaur Staff Nurse Quarter No. 11, Civil Hospital, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8824 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2275.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Aman Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Karam Singh S/o Shri Dalip Singh, R/o Jullundur. (Transferee)
- (2) Shri Satnam Dass S/o Shri Chander Bhan, R/o M/s. Kiran Rubber Industries, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per St. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8344 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) (1) Shri Gurpreet Singh,
 (2) Shri Harinder Singh S/o Shri Devinder Singh,
 Model Town, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2276.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Village Boot, Teh. Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) (1) Shri Ajit Singh S/o Shri Gian Singh,
 (2) Shri Lakha Ram S/o Shri Panna Ram.
 (3) Smt. Raj Dulari W/o Shri Bir Bhan,
 (4) Smt. Swarn Kaur W/o Shri Hans Raj,
 (5) Shri Tilak Raj S/o Shri Amar Chand, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8363 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No 2279.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Pucca Bagh, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Jaginder Kaur W/o Shri Sardar Singh, R/o EQ-199, Pucca Bagh, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Tarlok Singh S/o Shri Surmukh Singh, R/o 173/B, Railway Colony, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8857 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2280.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Pucca Bagh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Joginder Kaur W/o Shri Sardar Singh, R/o EQ-199, Pucca Bagh, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Suginder Kaur W/o Shri Tarlok Singh, R/o 173/B, Railway Colony, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 22 of April, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.F. No 2281.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 15,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Village Talwandi Madho Teh. Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Shri Major Singh,
(2) Shri Malkiat Singh S/o Shri Bhagtoo,
(3) Shri Avtar Singh, and
(4) Smt. Chanan Kaur Wd/o Shri Bhagtoo P.A.
(5) Shri Sadhu Singh S/o Shri Kesar Singh,
R/o Reru Teh. Nakodar.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Harjinder Singh,
(2) Shri Kulwinder Singh S/o Shri Malkit Singh,
R/o Village Talwandi Madho Teh. Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3186 of March, 1980 of the Registering Authority, Nakodar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980
Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2282.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Village Shankar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Gurdial Singh S/o Shri Kesara Singh, Shankar, Teh. Nakodar through
Shri Ujagar Singh S/o Shri Amar Singh, Samrai.
(Transferor)
- (2) Shri Onkar Singh S/o Shri Swarn Singh,
Village Shankar, Teh. Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3215 of March, 1980 of the Registering Authority, Nakodar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date 14-11-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2283.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Village Aliwal, Nakodar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Shri Ghansham Dass,
(2) Shri Balkishan So/o Shri Kesar Dass,
Village Aliwal, Teh. Nakodar.
(Transferor)
- (2) Shrimati Rajinder Kumar D/o Hari Chand,
R/o Village Aliwal, Teh. Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2866, March, 1980 of the Registering Authority, Shahkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

28—356GI/80

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2284.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Village Tut Kalan, Nakodar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Faquria S/o Shri Amar Singh, R/o Village Tut Kalan. (Transferor)
- (2) (1) Shri Karnail Singh,
(2) Shri Jarnail Singh,
(3) Shri Gurdev Singh,
(4) Shri Paramjit Singh S/o Shri Banta Singh, R/o Village Tut Kalan. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3035 of March, 1980 of the Registering Authority, Nakodar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2285.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Village Katt Sub. Teh. Banga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Banga on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Niranjan Singh S/o Shri Uttam Singh,
R/o Katt Sub. Tehsil Banga.

(Transferor)

(2) (1) Shrimati Surinder Kaur W/o Joginder Singh,
(2) Shri Parkash Kaur W/o Shri Gurmail Singh,
R/o Village Katt, Sub. Tehsil Banga.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 324 of March, 1980 of the Registering Authority, Banga.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2288.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Gopal Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Kailash Khurana, R/o 497/A, Gopal Nagar, Jullundur.
- (2) Shri Ashok Kumar S/o Gopal Dass, House No. 9, Teachers Colony, Gopal Nagar, Jullundur.
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8341 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shrimati Kailash Khurana,
R/o 497/A, Gopal Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Manohar Lal S/o Gopal Dass,
House No. 9, Teachers Colony, Gopal Nagar,
Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8661 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
46—346GI/80

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2290.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Model Town, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (1) Shrimati Nasib Kaur W/o Shri Udharam Singh, R/o Sansar Pur Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Pritam Kaur W/o Shri Kartar Singh, R/o Phool Pur Teh. Jullundur. Present address 649-L, Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8760 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1980

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2291.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at

Model Town, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jullundur on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Uddham Singh S/o Shri Hazara Singh, R/o Sansar Pur Teh. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Kaur W/o Shri Shamsher Singh, R/o Village Phool Pur Teh. Jullundur, Present address 649-L, Model Town, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8761 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Udhamp Singh S/o Hazara Singh,
R/o Village Sansarpur Teh. Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2292.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Smt. Mohinder Kaur W/o Shamsher Singh,
R/o Village Phool Pur Teh. Jullundur.
Present Address
649-L, Model Town, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed 596 of April, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2293.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at

Model Town, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29. -356GI/80

- (1) Smt. Nasib Kaur W/o Shri Udharam Singh, R/o Village Sansar Pur Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Pritam Kaur W/o Shri Kartar Singh, R/o Village Phool Pur Teh. Jullundur. Present Address 649-I., Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1613 of June, 1980 of the Registering Authority,

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-11-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2294.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bazar Sheikhan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Manmohan Nath Prabhu S/o Shri Narinder Nath, R/o 130-Sector 21-A, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Tarsem Lal S/o Shri Harbans Lal, R/o Ali Mohalla Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8776 of March, 1980 of the Registering Authority Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 229.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule
situated at Village Lidhran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hem Raj S/o Gauri Shanker,
R/o Punj Pir, Jullundur, through Shri Kirpa Singh,
G.A.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ravinderjit Singh,
(2) Shri Jasjit Singh Nalwa S/o Paramjit Singh,
(3) Shri Gurbachan Singh Chimni S/o Gurdial Singh, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registering sale deed No. 8767 of March, 1980 of the Registration Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2296.—Whereas, I R. GIRDHAR being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Pyara Lal S/o Dheru Ram
G.A. of Sh. Parkash Ram S/o Ganga Ram and
Smt. Bachni D/o Dheru Ram,
Jandu Singh, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Banso Devi W/o Sh. Ram Kishan
Vill. Nangal Karar Khan Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8622 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM ITIN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2297.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing

No. as per schedule situated at Vill. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Ram Kumar G.A. of Col. Gurdial Singh, Chaman Lal S/o Hardyal, M/s. Chowdhry Housing Organisation, Smt. Bhagwanti Devi, Sh. Ravinder Kumar, Dalip Kumar SS/o Bhim Sain Vig. Jullundur. (Transferor)
- (2) Dr. Om Prakash S/o Mathra Dass, Smt. Asha Mittal wife of Sangit Mittal and Sorab Mittal SS/o Om Parkash C/o M/s. Milkhi Ram Mathra Dass, Moga now P.A.P. Lines, Jullundur. Captt. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8508 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2298.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

- (1) Shri Ranbir Chawla S/o Des Raj H. No. WA 49, Jullundur. (Transferor)
- (2) The Jullundur Model House, Adarsh Co-op. House Building Society, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8618 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 15-11-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Partap Singh S/o Gian Singh
Vill. Talwara, Teh. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Jagjit Singh, Manjit Singh
SS/o Sh. Gurnam Singh Vill. Talwara,
Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2299.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Talwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8812 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980
Seal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2300.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Lidhran, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Hem Raj S/o Gouri Shanker, Punj Pir, Jullundur, through Sh. Kripa Singh G.A.
(Transferor)
- (2) Amrik Singh, Nirmal Singh SS/o Kirpa Singh and Smt. Amrit Kaur W/o Devinder Singh 697, Model Town, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8766 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2301.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason or believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Harbachan Singh S/o Arjan Singh
R/o Model Town, Market, Jullundur through
Smt. Bhupinder Kaur D/o Manohar Singh
(W/o Lt. Col. M. S. Bakshi)
R/o 1082, 36-C, Chandigarh.
- (2) Shri Anil Ohri S/o Raghbir Ohri
R/o 542-Model Town, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8390 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—356GT/80

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2302.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Preet Nagar, Ladowali Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Karam Singh S/o Jaimal Singh
R/o 14-Preet Nagar, Ladowali Road, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Satwinder Kaur W/o Balbir Singh
R/o H, No. 145, Preet Nagar Ladowali Road,
Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8723 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Goran Devi W/o Ram Lal
H. No. 1023 Sector 36-C, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Shrimati Kamlesh Rani W/o Hari Chand
S/o Babu Ram,
R/o 1810-E Gali No. 6, Nai Basti,
Bhatinda.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale
deed No. 5341 of March, 1980 of the Registering Authority,
Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur

Date : 15-11-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR**

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2304.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Gali No. 6 Nai Basti, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Goran Devi W/o Ram Lal
R/o H. No. 1025, Sector 36-C, Chandigarh.
(Transferee)
- (2) Shrimati Bhagwanti W/o Babu Ram
R/o H. No. 1810 E Gali No. 6, Nai Basti, Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per St. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 49 of April, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2305.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Paras Ram Nagar, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Surjan Singh S/o Bagga Singh,
Mrs. Balbir Kaur W/o Surjan Singh
R/o Paras Ram Nagar, Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Shri Suraj Bhan, Diwan Chand
SS/o Des Raj
R/o Vill. Virak Kalan, Distt. Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 760 of May, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. 2306.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As Schedule situated at Civil Lines, Bhatinda (united hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mohinder Singh Dhillon Advocate, Civil Lines, Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Shri Madusudan Sharda S/o Shankar Lal R/o B-II, Civil Lines, Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5299 of March, 1980 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2307.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Civil Lines, Bhatinda and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mohinder Singh Dhillon Advocate, Civil Lines, Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Shri Madudan Sharda S/o Shankar Lal R/o B-II, Civil Lines, Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 723 of May 1980 of the Registering Authority, Bhatinda,

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 15-11-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2308.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Vill. Urapar Teh. Nawanshahr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahr in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Jagat Ram s/o Inder Ram, r/o Vill. Urapar, Teh. Nawanshahr. (Transferor)
- (2) S/Shri Gurbachan Singh, Avtar Singh ss/o Atma Singh, r/o Vill. Urapar, Teh. Nawanshahr. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5104 of March, 1980 of the Registering Authority, Nawanshahr.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A. P. No. 2309.—Whereas I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Amar Garh, Teh. Nawanshahr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahr on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—356GI/80

(1) Shri Tarlok Singh s/o Inder Singh, Smt. Bhajan Kaur w/o Kirpal Singh, and Gurnam Singh s/o Kirpal Singh, r/o Vill. Amar Garh, Teh. Nawanshahr.

(Transferors)

(2) Shri Mohinder Singh, Baljinder Singh, ss/o Wattan Singh, S/Sh. Sukhjinder Singh, Balbir Singh, Kashmir Singh, ss/o Sh. Ujagar Singh, r/o Vill. Amar Garh, Teh. Nawanshahr.

(Transferees)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5101 of March, 1980 of the Registering Authority, Nawanshahr.

R. GIRDHAR
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur

Date : 15-11-1980
 Sep^t

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2310.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Guru Nanakpura, Phagwara (and more fully described in the Scheduled Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Bhagwan Dass S/o Ladha Ram R/o Guru Nanak Pura, Phagwara. (Transferee)
- (2) Shri Bishan Singh S/o Jawala Singh, Smt. Gurmej Kaur W/o Bishan Singh C/o Smt. Rattan Kaur H. No. HB-135, Guru Nanak Pura, Phagwara. (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2527 of March, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Jullundur.

Date : 15-11-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.**

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A. P. No. 2311.—Whereas J. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Sutetri Road, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hoshiarpur on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shrimati Ishar Kaur wd/o Gurdit Singh, r/o Mohalla Premgarh, Distt. Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Shri Mehnga Singh s/o Hari Ram, r/o Nangal Farid, alias Garhi, Teh. Dasuya, Distt. Hoshiarpur.
- 2. Sh. Kartar Singh, s/o Zazara Singh, Jullundur. (Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4660 of March, 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 15-11-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2312.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Court Road, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Hoshiarpur on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shrimati Naranjan Kaur, wd/o Dr. Majhel Singh Pall S/o Shri Dalip Singh, Lajpat Rai Road, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh Deep s/o Joga Singh, Contractor and Bikram Singh Deep, r/o Vill. Baghpur Thana, Teh. & Distt. Hoshiarpur.

(Transferees)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4809 of March, 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 15-11-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2313.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Nai Abadi, Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Som Nath, r/o Gali No. 11, Nai Abadi, Abohar Teh. Fazilka. (Transferor)
- (2) Shri Om Parkash s/o Sh. Munshi Ram, r/o Gali No. 11, Nai Abadi, Abohar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3043 of March, 1980 of the Registering Authority Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-11-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2314.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at The Mall, in front of Civil Hospital, Ferozepur city (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ferozepur on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mulkh Raj s/o Ram Chand,
r/o Fazilka, (Transferor)
- (2) Shri Surinder Lal, c/o
M/s Azad Tent House,
near Civil Hospital,
Ferozepur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6015 of March, 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980
S:al :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Mulki Raj,
s/o Shri Ram Chand,
r/o Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar, c/o
M/s Azad Tent House,
near Civil Hospital,
Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2315.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule

The Mall, in front of Civil Hospital, Ferozepur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6016 of March, 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 15-11-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Mulkh Raj,
s/o Ram Chand,
r/o Fuzilka.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Kumar c/o
M/s Azad Tent House,
near Civil Hospital,
Ferozepur City.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A. P. No. 2316.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at
The Mall, in front of Civil Hospital, Ferozepur City
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer
at Ferozepur on March 1980

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 34 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration
sale deed No. 6017 of March, 1980 of the Registering
Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 15-11-1980
Seal :

ORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2317.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Dara Mandi, Garhshankar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Garhshankar on March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Pushpa Wati Khosla w/o Sh. Ranbir Singh, Vill. Garhshankar, Teh. Garhshankar, (Transferor)
- (2) Shri Sohan Lal Droch s/o Lekh Raj, Vill. Ainan Mughlai, Teh. Garhshankar, Distt. Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above, Person in occupation of the property
- (4) Any other person interested in the property. Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3983 of March, 1980 of the Registering Authority, Garhshankar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—356GI/80

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2318.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at New Dana Mandi, Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on May 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Jarnail Singh S/o Sher Singh R/o Muradbad (Transferor)
- (2) Shri Faqir Chand, Shiv Inder Kumar Jagdish Lal Parshotam Lal SS/o Mangal Ram R/o Bariwala. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 425 of May, 1980 of the Registering Authority, Muktsar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2319.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kotkapura Road, Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at

Muktsar on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Romesh Kumar S/o Parkash Chand, Smt. Parkash Wati, and Sudershan, Sushil and Malti R/o Muktsar Through Shri Romesh Kumar L.A. (Transferors)
- (2) M/s. Mukesh Bansal Trust, Muktsar through Dr. Tarsem Kumar Bansal, M.B.B.S., Kot Kapura Road, Muktsar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3087 of March, 1980 of the Registering Authority, Muktsar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-11-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM TTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2320.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Garha Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Jagat Singh Dehl S/o Dr. Arjan Singh through S. Dabara Singh Dhillon Attorney C/o Dr. Arjan Singh, 414, Mota Singh Nagar, Jullundur City. (Transferor)
- (2) Shri Manohar Lal, Kishori Lal SS/o Moti Ram Behl C/o M/s Baba Tracks, 6(B-44) Garha Road, Near General Bus Stand, Jullundur. (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8410 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-11-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2321.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Faridkot on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balwant Singh S/o Sh. Ganesh Singh R/o Kotkapura.
(Transferor)
- (2) M/s Aggarwal Cotton Ginning Factory, Kotkapura.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.'

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3819 of March, 1980 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-11-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2322.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer of at Faridkot on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sohan Singh, Roodh Singh S/o Sawn Singh R/o Kotkapura. (Transferor)
- (2) Smt. Kalawati W/o Deena Nath C/o Gupta Poultry Farm, Kotkapura. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3803 of March, 1980 of the Registering Authority, Faridkot.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-11-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,****JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2323.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Faridkot on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sohan Singh, Roodh Singh S/o Sawn Singh R/o Kotkapura. (Transferor)
- (2) Shri Ghansham Dass Gupta S/o Deena Nath Gupta R/o Kotkapura. (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3799 of March, 1980 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980.
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No: A.P. No. 2324.—Whereas, I.R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Kundan Lal, Harbans Lal, Nohar Chand SS/o Sundar Mal, Grain Market, Kotkapura, (Transferor)
- (2) Shri Madhan Lal S/o Jugraj Mal R/o Kot Kapura. (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3681 of March, 1980 of the Registering Authority, Faridkot.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-11-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2325.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on June 1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kundan Lal, Harbans Lal, Nohar Chand SS/o Sundar Mal,
Grain Market, Kotkapura.
(Transferor)
- (2) Shrimati Asha Rani W/o Madan Lal,
Kot Kapura.
(Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation
of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1278 of June, 1980 of the Registering Authority, Faridkot.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
33—356GI/80

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-11-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A. P. No. 2326.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Gurcharan Kaur D/o Lal Singh R/o Ferozepur. (Transferor)
- (2) Shrimati Yog Maya, R/o Ferozepur. (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5885 of March 1980 of the registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A. P. No. 2327.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Gurcharan Kaur D/o Lal Singh R/o Ferozepur. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Kumar R/o Ferozepur. (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5886 of March, 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A. P. No. 2328.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur in March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Gurcharan Kaur D/o Lal Singh R/o Ferozepur. (Transferor)
- (2) Shrimati Gian Devi R/o Ferozepur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5907 of March, 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A. P. No. 2329.—Whereas, J R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Sheikhu Teh. Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malout in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Tayl Finance & Chit Fund Co. Registered Malout through Nathu Ram S/o Jagan Nath Ram Saran S/o Tulsi Ram R/o Malout and Ashok Kumar and Saroj Bala D/o Dharam Parkash S/o Devi Chand Malout Mandi through Dharam Parkash, Malout Mandi. Mukhtiar-i-am.
(Transferor)
- (2) Shri Avinash Kumar S/o Roshan Kal R/o Malout Mandi.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 66 of April, 1980 of the Registering Authority, Malout.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2330.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Sheikhu, Teh. Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Malout on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Tayl Finance & Chit Fund Co. Registered Malout through Nathu Ram S/o Jagan Nath, Ram Saran, S/o Tulsi Ram R/o Malout and Ashok Kumar and Saroj Bala D/o Dharan Parkash S/o Devi Chand, Malout Mandi through Dharan Parkash, Malout Mandi, Mukhtiar-i-cam.

(Transferor)

(2) Smt. Veera Bai W/o Avnaish Kumar R/o Malout Mandi.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 86 of April, 1980 of the Registering Authority, Malout.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 15-11-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

JULLUNDUR

Jullundur. the 17th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2331.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at G.T. Road Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Sh. Telu Ram S/o Ram Dass 2. Sh. Nirmal Kumar S/o Telu Ram 3. Smt. Sadhuran Devi W/o Telu Ram R/o Near Paradise Cinema, G.T. Road, Phagwara.

(Transferor)

(2) Sh. Paramjit Singh S/o Bir Singh, Amrik Singh S/o Sh. Bir Singh, Smt. Rashpal Kaur W/o Bir Singh, Raminder Singh S/o Paramjit Singh, Smt. Dalbir Kaur W/o Amrik Singh, Tejinder Singh S/o Amrik Singh, Smt. Chanan Kaur W/o Bir Singh R/o Hardaspur, Smt. Harbhajan Kaur W/o Sarwan Singh, Mehnge Singh S/o Partap Singh, Smt. Mohinder Kaur W/o Mehnge Singh R/o Uccha Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2648 of March, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-11-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR**

Jullundur, the 17th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2332.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at G.T. Road, Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Sh. Telu Ram S/o Ram Dass 2. Sh. Nirmal Kumar S/o Telu Ram 3. Smt. Sadhuran Devi W/o Telu Ram R/o Near Paradise Cinema, G.T. Road, Phagwara.

(Transferor)

(2) Sh. Paramjit Singh S/o Bir Singh, Amrik Singh S/o Bir Singh Smt. Rashpal Kaur W/o Bir Singh, Raminder Singh S/o Paramjit Singh. Smt. Dalbir Kaur W/o Amrik Singh, Tejinder Singh S/o Amrik Singh, Smt. Chanan Kaur W/o Bir Singh R/o Vill. Hardaspur Teh. Phagwara, Distt. Kapurthala, Smt. Harbhajan Kaur W/o Sarwan Singh S/o Chanan Singh, Mehnge Singh S/o Partap Singh, Mohinder Kaur W/o Mehnge Singh R/o Uccha Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 474 of May, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-11-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th November 1980

Ref. No. A. P. No. 2333.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Gopal Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Bahadur Singh S/o Daulat Ram R/o Harbans Nagar (Back side Adarsh Nagar) Jullundur Cloth Merchant, Jain Market, Near Gur Mandi, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Kailash Khurana R/o 497-A Gopal Nagar, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per St. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 8340 of March, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-11-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
34—356GI/80

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2334.—Whereas, I,
R. GIRDHAR.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Gopal Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1). Sh. Bahadur Singh S/o Sh. Daulat Ram R/o Harbans Nagar (Backside Adarsh Nagar) Jullundur Cloth Merchant, Jain Market, Near Gun Mandi, Jullundur. (Transferor)
- (2) Sh. Gurcharan Dass R/o 497-A, Gopal Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 878 of May, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 17-11-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2335.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

A per Schedule situated at Khutran Road, Phagwara
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Phagwara on March 1980

or an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Major Pakhar Singh G.A. of Bant Kaur Wd/o Hukam Singh R/o House No. 243, Model Gram, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Sh. Varinder Sanghwani Advocate, Gaushala Road, Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2496 of March, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullunder.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1980

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Dr. Mrs. Kamala H. Frenchman

(Transferor)

(2) New Palm Spring Premises CHS Ltd.

(Transferee)

(3) Person in occupation of the property.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 22nd October 1980

Ref. No. AR-II/2957-8/Mar/80.—Whereas I, A. H.
TEJALE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final Plot No. 49, TPS.IV New City S.No. F/1049 situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 24-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

1. Mr. Sylvester DeSouza,
Mrs. Hyzine DeSouza
Orland deSouza.
2. Mr. Wilfred F. D'Mello
Mrs. Dymen M. D'Mello.
3. Mr. Frederick J. Affonso
Mrs. Cynthia L. Affonso.
4. Mr. Louis G. Disa
Mr. Ashley Dias.
5. Miss L. Pereira
Mrs. L. Pereira.
6. Miss Therasa D'Silva.
7. Mr. Lazarus Manezes
Mrs. Celine Menezes.
8. Kaiser H. Khan.
9. Mr. Akhtar Hasan Rizvi.
10. Mr. Ali Taqdir.
11. Mrs. Meena A. Rizvi.
12. M/s. Rizvi Builders.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 51/79 and registered on 24-3-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

A. H. TEJALE
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 22-10-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION
MAY, 1981**

New Delhi, the 6th December 1980

No. F. 7/5/80-EI(H).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 26th May, 1981 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 67th Course Commencing in January, 1982.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army, 39 for Navy and 66 for the Air Force).

N.B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 8 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the services for which he is competing, would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results or the written part of the examination in the 'Employment News'.

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc. for candidates joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

Note :—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. *Centres of Examination*.—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY :—

- (a) *Nationality* :—A candidate must be either :—
 - (i) a citizen of India, or
 - (ii) a subject of Bhutan, or
 - (iii) a subject of Nepal, or
 - (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
 - (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii) (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be admitted to the Academy subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

(b) *Age limits, sex and marital status* :—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1963 and not later than 1st January, 1966 are only eligible.

Note :—Date of birth as recorded in Matriculation Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) *Educational Qualifications* :—Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised university or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or Equivalent Examination or the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School Education can also apply.

Candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit Higher Secondary or equivalent certificates in original to Army HQ, Rtg 6(SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022 by 19th December, 1981 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note 1.—Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground what-so-ever.

Note 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted their candidature will be cancelled.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION :—
Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE.—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions *viz.*

- (i) they are studying in the Military School, (formerly known as King George's Schools)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
- (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

6. HOW TO APPLY:—Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, May, 1981 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, UPSC at New Delhi GPO.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's Office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units, and Naval Establishments.

The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate submits his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

Note:—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. These applications will be entertained only if these have duly been recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dehra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik School run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSIONS OFFICE:—

Closing date:—27th January, 1981.

For candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, and for candidates residing abroad or in Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep—9th February, 1981.

Note:—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications under sub-para 2 of para 7, should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area (e.g., Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State), otherwise they may not get the benefit of additional time.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION

(A) By all candidates:—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes / Scheduled Tribes candidates) through crossed India Postal Orders payable to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post office or crossed Bank Draft from any branch

of the State Bank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account Head "015 Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm.×7 cm. approx) photographs of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (iv) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cm.×27.5 cms.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:—

Attested/certified copy of certificates in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) By candidates claiming remission of fees:—

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- (ii) An attested/certified copy of certificates from the following authorities in support of his claim to be a bona fide displaced person/repatriate—

(a) Displaced person from erstwhile East Pakistan

- (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakanya Project or of Relief Camps in various States.

OR

- (ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be a resident.

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) Repatriate from Sri Lanka:—

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriate from Burma:—

Embassy of India, Rangoon, or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

9. REFUND OF FEE'S—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—

- (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

(ii) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination December, 1980 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination May 1981 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st August, 1981.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS:—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. RESULT OF APPLICATION:—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION:—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT:—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

a candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support of his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF—

Candidates who qualify at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ RTG 6 (SP) (a), West Block III, R.K. Puram, New Delhi-110023, soon after the interview.

15. COMMUNICATIONS REGARDING APPLICATIONS:—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATES IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.(i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATIONS IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. CHANGE OF ADDRESS:—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATIONS SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.s BRANCH RTG., 6(SP) (a) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ AG's Branch, RTG, 6 (SP) (a) (i), West Block 3, Wing I Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidate.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Service Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests threat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test as fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of merit up to the number of vacancies available from the order of merit list for the Army and the Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

NR—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE. THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their application for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Academy.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are, however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY.—Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

21. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS.—With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the National Defence Academy Examination, December 1977, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations upto National Defence Academy Examination held in May, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-1100054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

22. INTELLIGENCE TESTS INFORMATION ABOUT.—The Ministry of Defence (Directorate of psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and can be obtained from the sources mentioned in paragraph 21 above.

VINAY JHA
Deputy Secretary

APPENDIX I

(The Scheme and Syllabus of the examination)

SCHMEE OF THE EXAMINATION

I The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

Subject	Duration	Max. Marks
1. English	2 hours	250
2. Mathematics—Paper I	2 hours	125
Paper II	2 hours	125
3. General Knowledge—Paper I (Science)	2 hours	200
Paper II (Social Studies, Geography and Current Events)	2 hours	200
		900

2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECT WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper will be designed to test the candidate's understanding of and his power to write English correctly and idiomatically. It will also include questions to test the candidate's knowledge of grammar, idiom and usage.

MATHEMATICS

PAPER—I

Arithmetic

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. **Percentages**—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9, and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns, analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$.

Value of $\sin x$, $\cos x$; and $\tan x$, for $x = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

PAPER II

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book). Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers :

Paper I—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidates' answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

PAPER I

SCIENCE

General knowledge Paper I will comprise the following—

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity. Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibrium of bodies. Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound Waves and their properties. Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction. Spherical Mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors. Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating, Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power. Primary and Secondary Cells. Uses of X-Rays.

General Principles in the working of the following :—

Simple Pendulum. Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer, Pressure Cooker, Thermos Flask, Gramophone, Telegraph, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements. Mixtures and Compounds. Symbols. Formulae and simple Chemical Equations. Laws of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide. Oxidation and reduction.

Acids; Bases and Salts.

Carbon—Different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Material used in the preparation of substances like Soap Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom. Atomic Equivalent and Molecular Weights, Valency.

(C) Difference between the living and non-living.

Basis of Life—Cells Protoplasm and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food. Balanced Diet.

The Solar System. Meteors and Comets. Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

NOTE : Out of maximum marks assigned to the paper, questions on Part (A), (B) and (C) will generally carry 50%, 30%, and 20% marks respectively.

PAPER II

(SOCIAL STUDIES, GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS)

General Knowledge Paper II will comprise the following :—

(A) A broad survey of Indian History with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence. French Revolution. Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society.

Concept of one World, United Nations, Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time, International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification; Weathering—Mechanical and Chemical; Earthquakes and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure; Planetary Winds; Cyclones and Anti-cyclones; Humidity. Condensation and Precipitation; Types of Climate.

Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of Agricultural and industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE : Out of the maximum marks assigned to the paper, questions on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview, the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTERESTS TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy. The very fact that the Medical Examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to any one. The results of candidates declared, unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates for the Army are advised in their own interest, that if their vision does not come up in the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called up for Services Selection Board Interview/medical examination.

1. To be declared fit for admission to the National Defence Academy a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.

2. It will however, be ensured that :—

- (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformation or obesity;
- (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;

NOTE : (i) A candidate with rudimentary cervical rib in whom there are no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

NOTE : (ii) X-Ray spine will be taken to exclude maldevelopments.

- (c) there is no impediment of speech;
- (d) there is no malformation of the head deformity from fracture or depression of the bones of the skull;
- (e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the

tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis-media or evidence of radical or modified radical mastoid operation.

NOTE : A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

(f) there is no disease of the bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;

NOTE : (i) A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum will not be a cause for outright rejection and such cases would be referred to the Adviser in Otology.

NOTE : (ii) Diagnostic antrum puncture to confirm Maxillary Sinusitis should be resorted to only in appeal cases and not as a routine in the initial examination when a radiological examination, if indicated; should be adequate.

(g) there are no enlarged glands due to tubercular or due to other disease in the neck and other parts of the body and that the thyroid gland is normal.

NOTE :— Scars of operations for the removal of tuberculous glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding five years and the chest is clinically and radiologically clear.

(h) there is no disease of the throat plate tonsils or burns or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joints;

NOTE :— Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsillitis is not a cause for rejection.

(i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood level.

(j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;

(k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen; and there is no abdominal tenderness or palpation.

(l) Inguinal hernia (unoperated) or tendency thereto will be a cause for rejection;

NOTE :—In the case of candidates who have been operated for hernia, they may be declared fit provided—

(i) one year has elapsed since the operation (documentary proof is to be furnished by the candidate);

(ii) general tone of the abdominal musculature is good; and

(iii) there has been no recurrence of the hernia or complication expected with the operation.

(m) there is no hydrocele or definite varicocle or any other disease or defect of the genital organs.

NOTE :—(i) A candidate who has been operated for a hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis;

(ii) Undescended intra-abdominal testicle on the one side should not be a bar to acceptance of candidates for commissioning in the Armed Forces provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the anomaly. Undescended testis retained in the inguinal canal or at the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.

(iii) The medical Standard of Candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of the Air Force.

(n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;

(o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria and Albuminuria will be rejected.

(p) there is no disease of the skin, unless temporary or trivial. Scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection.

(q) there is no active latent or congenital venereal disease;

(r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted.

(s) there is no squint or morbid condition of the eye or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence; and

(t) there is no active trachoma or its complications and sequelae.

NOTE :— Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

3. Standards for Height, Weight and chest measurements.

(a) *Height*—(i) The height of candidates will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels and not on the toes or outer sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar; and the height will be recorded in centimetres; decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored. 0.5 centimetre will be recorded as such, 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

(ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cms. (157 cms. for the Navy) except in case of Gorkhas, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates in whose case the height may be reduced by 5.0 cms. The minimum height of Naval candidates from MANIPUR, NEFA, ARUNACHAL PRADESH, MEGHALAYA, MIZORAM, NAGALAND and TRIPURA may also be reduced by 5.0 cms. and 2 cms. in the case of candidates from LACCADIVES.

NOTE.— Relaxation of height upto 2.5 cms. (5 cms. for the Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training. Further proportional relaxation will be allowed for cadets for Indian Navy who are below 18 years of age.

(iii) *Air Force only*—To meet the special requirements for training as a Pilot minimum height will be 162.5 cms. Acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under:—

Leg length	minimum 99.00 cms. maximum 120.00 cms.
------------	-------------------------------------------

Thigh length	maximum 64.00 cms.
--------------	--------------------

Sitting height	minimum 81.50 cms. maximum 96.00 cms.
----------------	------------------------------------------

NOTE :—On account of lower age of candidates a margin of upto 5.0 cms. in height, 2.5 cms. in leg length (minimum) and 1.0 cm in sitting height (minimum) may be given, provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come upto the required standard on completion of training at NDA.

(b) *Weight*.—(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with under pants only. In recording weight fraction of half a kg. will not be noted. A correlation table

between age, height and average weight is given below for guidance.

Age Period	15–16	16–17	17–18
Height (C.M.)	Weight Kg.	Weight Kg.	Weight Kg.
157·00	43·5	45·0	47·0
160·00	45·0	46·5	48·0
162·00	46·5	48·0	50·0
165·00	48·0	50·0	52·0
167·00	49·0	51·0	53·0
170·00	51·0	52·5	55·0
173·00	52·5	54·5	57·0
175·00	54·5	56·0	59·0
178·00	56·0	58·0	61·0
180·00	58·5	60·0	63·0
183·00	61·0	62·5	65·0

(ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is therefore only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (± 6 kg. for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The over-weight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are under-weight the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) *Chest.*—The chest should be well proportioned and well developed with a minimum range of expansion of 5.0 cms. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind, and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the side. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansions of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cms. decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 cm will be recorded as such and 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

For Air Force—X-Ray spine of all candidates to be taken to detect the following abnormalities which are considered as causes for rejection:

- (i) Scoliosis more than 7° by Cobb's method.
- (ii) Spina Bifida except at Sv 1.
- (iii) Unilateral Sacralization of LV 5.
- (iv) Scheuerman's Disease, Scheuerman's Nodes, Spondylolysis or Spondylosis.
- (v) Any other significant spinal disease.

ECG of all candidates for entry into Air Force will be taken. Those with specific abnormalities will be rejected.

NOTE:—X-Ray of chest is compulsory.

4. Dental conditions :

It should be ensured that a sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

(a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw.

- (i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st and 2nd premolars and underdeveloped third molar—1 point each.
- (ii) 1st and 2nd molar and fully developed third molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

(b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw;

- (i) any four of the six anterior.
- (ii) any six of the ten posteriors.

(c) Candidates suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer, it can be cured without extraction of teeth the candidate may be accepted.

5. Visual Standards

(a) Visual Acuity

Standard I

Distant vision	Better eye	Worse eye
.	V-6/6	V-6/9 Corrected to 6/6

Standard II

Distant Vision (Corrected) 6/6 6/9

Myopia of not more than—2.5 D including astigmatism (5 D in case of Navy)

Manifest Hypermetropia of not more than +3.5 D including astigmatism.

NOTE 1. Funds and Media to be healthy and within normal limits.

2. No undue degenerative signs of vitreous or choroid retina to be present suggesting progressive myoretina.
3. Should possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).
4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

(b) Colour Vision

Candidates who do not possess the minimum colour perception standard CP-3 (Defective Safe) defined below will be declared Unfit:

CP-3 (Defective Safe) :—Candidates should be able to recognise white, signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's Lantern at a distance of 1.5 metres or read the requisite plates of Ishihara Book/Tokyo Medical College Book.

(c) Requirements for Services :

ARMY-VS (Minimum Standard)

NAVY (i) —Visual Standard I.—No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering and Electrical Branches up to 6/18, 6/36, correctable to 6/6 both eyes with glasses.

(ii) Special requirements

Normally cadets/direct entry officers for all branches of the Navy will not be tested for Delta Casa for Night Vision Acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the Medical board proceedings:

I hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family and I do not suffer from it.

Signature of the candidate

Counter signature of the Medical Officer

However, all cases of suspected Xerophthalmia, Pigmentary degeneration/disturbances of Choroid Retina. Abnormal Irl and pupillary conditions who are otherwise fit in all respects will be subjected to detailed NVA tests in the usual manne

Colour Perception**Standard I MLT.****Heterophoria**

(Martin Lantern test)

Limit of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed :

(a) At 6 metres

Exophoria	8 prism	dioptries
Esophoria	8 prism	dioptries
Hyperphoria	1 prism	dioptrie

(b) At 30 cms.

Exophoria	16 prism	dioptries
Esophoria	6 prism	dioptries
Hyperphoria	1 prism	dioptrie

Limits of hypermetropia (Under homatropine) Better Eye

Hypermetropia 1.50 dioptries

Simple hypermetropic astigmatism . . . 0.75 dioptrre

Compound Hypermetropic astigmatism . . The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptries of which not more than 0.75 dioptrre may be due to astigmatism.

Worse eye

Hypermetropia 2.5 dioptries

Simple Hypermetropic astigmatism . . . 1.5 dioptries

Compound Hypermetropic astigmatism . . The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 dioptries so which not more than 1.0 dioptrre may be due to astigmatism.

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptrre in any one meridian.

Binocular Vision

The candidate must possess good binocular vision (Fusion faculty and full field of vision in both eyes):—

AIR FORCE (i) V.S.I. No glasses will be worn

(ii) Special requirements :

Manifest Hypermetropia . . . Must not exceed 2.00 D

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed :

(a) at 6 metres Exophoria 3 prism dioptries.

Esophoria 3 prism dioptries.

Hyperphoria 1 prism dioptrre.

(b) at 33 cms. Exophoria 16 prism dioptries.

Esophoria 6 prism dioptries.

Hyperphoria 1 prism dioptrre.

Myopia —Nil—

Astigmatism 0.75 D.cly

Binocular vision—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth).

Colour Perception—Standard I MLT.**6. Hearing standard.**

Hearing will be tested by speech test. Where required, audiometric records will also be taken.

(a) Speech Test

The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 610 cms. in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) Audiometric tests

Audiometric loss should not be greater than + 10db. in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz. In evaluating the audiograms, the base line zero of the audiometer, the environmental noise conditions under which the audiogram has been obtained should be taken into consideration and on the recommendation of an Air Force ENT Specialist minor departures from the stipulated standard may be condoned.

7. Routine basal EEG.—All the candidates for Air Force will be subjected to EEG examination. Those with specific abnormalities will be rejected.

APPENDIX III

(Brief particulars of the Services etc.)

1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign.

(a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results on the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 40.00 p.m. If in any case a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 40.00 p.m. for the 1st and 2nd years, Rs. 45.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 55.00 p.m. for further specialist training at Army/Navv/Air Force Trainig Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there:

(a) Pocket allowance for five months at
Rs. 40.00 per month

Rs. 200.00

(b) For items of clothing and equipment	Rs. 650.00
Total . . .	Rs. 850.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 475.00 approximately

4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy :

(1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parent's income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishments subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parent's income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

(3) KUJR SINGH MEMORIAL Scholarships.—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Kharakwala and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institution.

(4) ASSAM GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.

(6) KERALA GOVERNMENT Scholarship.—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.

(7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize.—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.

(8) ORISSA GOVERNMENT Scholarships.—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.

(9) WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL :—

- (a) Category 1.—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.
- (b) Category 2.—Three scholarships of a lump-sum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.

(10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL Scholarship.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt. The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.

(11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 480.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parent's income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for the scholarship.

(12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of Tamilnadu whose parent's/guardian's monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

(13) KARNATAKA GOVERNMENT Scholarships.—The Government of Karnataka has awarded 18 scholarships (eighteen Scholarships) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of courses from July every year for award to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Sainik School Bijapur or at the Rashtraeya Indian Military College, Dehra Dun. The Value of the scholarships shall be Rs. 480/- (rupees four hundred and eighty) each per annum.

Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs. 480/- per annum for the cadets of Karnataka State who join NDA after completion of education other than at Sainik School Bijapur/RIMC College Dehra Dun have been awarded.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, KHADAKWASLA, Pune (411023).

5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects :—

- (a) English;
- (b) Mathematics;
- (c) Science;
- (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a) (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their studies after the competitive examination.

TRAINING

6. The selected candidates for the three services viz., Army Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc./BA degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi.

7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy Dehra Dun Naval Cadets to the Cadet's Training Ship and Air Force cadets to EFS BIDAR.

8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning Officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/I.t. subject to being medically fit in "SHAPE".

9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months, on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches of which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.

10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 11 years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months, they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

11. ARMY OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut.	750—790	Lt. Colonel	1900 fixed (time scale)
Lieut.	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1450—1800	Maj.	2500—125/2
Lt. Colonel	1750—1950	General	2750
By Selection		Lt. General	3000 p.m.

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances :—

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.

- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance. Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
- (e) Outfit Allowance.—Initial outfit allowance is Rs. 1400/-. A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/ is payable against claim after every 7 years of effective service commencing from the date of first commission.

(iv) POSTING

Army Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

By Time Scale	Minimum Service Limit
Lt.	2 years of commissioned service
Captain	6 years of commissioned service
Major	13 years of commissioned service
Lt. Col. from Major if not promoted by selection	25 years of commissioned service

By Selection	Minimum Service Limit
Lt. Col.	16 years of commissioned service
Col.	20 years of commissioned service
Brigadier	23 years of commissioned service
Major Gen.	25 years of commissioned service
Lt. Gen.	28 years of commissioned service
Gen.	No restriction.

(b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies :—

Captain	3 years
Major	6 years
Lt. Colonel	6-1/2 years
Colonel	8-1/2 years
Brigadier	12 years
Maj. General	20 years
Lt. General	25 years

12. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scales	General service	Naval Aviation and Submarine
		Rs. p.	Rs. p.
Midshipman	560/-	560/-	
Ag. Sub. Lieut.	750/-	825/-	
Sub. Lieut.	830/870	910-950	
Lieut.	1100-1450	1200-1550	
Lieut-Cdr.	1450-1800	1450-1800	
Cdr.	1750-1950	1750-1950	
Captain	1950-2400	1950-2400	
Rear Admiral	Commodore receives pay to which entitled according to Seniority as Captain 2500—125/2—2750.	2500—125/2—2750.	
Vice Admiral	3000/- p.m.	3000/- p.m.	

Qualifications pay/grant is also admissible to—

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them.

(ii) ALLOWANCES

Naval Aviation Officers are entitled to Flying pay at monthly rates/and under conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

Naval Officers are entitled to other allowances as applicable to Army Officers of equivalent rank. In addition certain special concessions, like hardlying money submarine allowance, submarine pay and diving pay are admissible to them.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher rank :—

By Time Scale

Sub- Lt.	1 year
Lt.	3 years (subject to gain/ forfeiture of seniority).
Lt. Cdr.	8 years seniority as Lt.
Cdr.	24 years commissioned service (if not promoted by selection).

By Selection

Comdr. Executive Branch	2-8 years of seniority as Lt Cdr.
Comdr. Engineering Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Comdr. Electrical Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Capt.	4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral	No restriction
Vice Admiral	No restriction

(b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

13. AIR FORCE OFFICER

(i) PAY

Rank	Pay Scale
Pt. Offr.	Rs. 825—865
Fg. Offr.	910—1030
Flt. Lt.	1300—1550
Sqn. Ldr.	1650—1800
Wg. Cdr. (Selection)	1750—1950
Wg. Cdr. (Time Scale)	1900 (fixed)
Gp. Capt.	1950—2175
Air Cdre.	2200—2400
Air Vice-Marshall	2500—2750
Air Marshal (VCAS and AOS C in C)	3250
Air Marshal	3,000
Air Chief Marshal (CAS)	4000

(ii) ALLOWANCES

Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rates :—

	Rs.
Pt Offr to Wg. Cdre.	375.00 p.m.
Gp. Capt and Air Cdre.	333.33 p.m.
Air Vice Marshal & above	300.00 p.m.

(iii) Qualification Pay/Grant—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualifications at the rate given below :—

Qualification pay Rs. 100 p.m. or Rs. 70 p.m.

Qualification Grants

. Rs. 6,000/- or Rs. 4500/-
Rs. 2,400/- or Rs. 1,600/-

(iv) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

By Time Scale

Flying Officer	1 year	commissioned
Flt. Lt.	5 years	commissioned
Sqn. Ldr.	11 years	commissioned
Wg. Cdr.	On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.	

By Selection

Wg. Cdr.	16 years reckonable total commissioned service
Gp. Capt.	22 years reckonable total commissioned service
Air Cdre.	24 years reckonable total commissioned service
Air Vice Marshal	26 years reckonable total commissioned service
Air Marshal	28 years reckonable total commissioned service

(b) Acting Promotion

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers :—

Plt. Lt.	2 years
Sqn. Ldr.	5 years
Wg. Cdr.	6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Gp. Captain	8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdre.	11 $\frac{1}{2}$ years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain)
Air Vice-Marshall	15 years (After service of 5* years in the ranks of Wg. Cdr., Gp. Capt. and Air Cdre.)
Air Marshal	23 years.

*Inclusive of broken period.

14. RETIRING BENEFITS

Pension gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify, that Shri son of of village/town in District/Division* of the State/Union Territory* belongs to the

..... Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1950, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri and/or his family ordinarily reside(s) in village*/town of District*/Division of the State*/Union Territory*

State

Union Territory*

Place.....

Date.....

Signature.....

*Designation.....

(with seal of office)

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "Ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Castes/Tribes Certificate.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner,

](Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION CANDIDATE'S INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

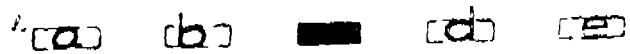
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, ..., etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response, (see "simple items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet number of the items from 1 to 200 have been printed in four Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



It is important that :—

1. You should bring and use only good quality HB Pencil(s) for answering the items.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**
5. Write clearly in ink the name of the examination, test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip board or a hard board or a card board on which nothing should be written. This may be useful for marking the answers in the Answer Sheet as it will provide an even surface, in case the surface of your desk is not smooth. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the best stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiency as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and comeback to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asked you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet, answer sheet and the sheet for rough work from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asoka era.
2. In a parliamentary form of Government.
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
 - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.
3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to.
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems.
 - (c) provide relief from the usual class room work.
 - (d) allow choice in the educational programme.
4. The nearest planet to the Sun is
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury.
5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.